संपूर्ण भारत के लिए एक प्रकाशन

दैनिक

घटती घटना

RNI REG. No.-CHHHIN/2004/15050
Po.Reg.No.-13/Sarguja DN/2023-2025

www.ghatatighatana.com

ghatatighatana11@gmail.com

अम्बिकापुर,वर्ष 21, अंक - 348-शनिवार 25- अक्टूबर 2025, पृष्ठ - 8 मूल्य 2 रूपये

प्रधानमंत्री मोदी ने बिहार के समस्तीपुर में जनसभा को संबोधित किया

बिहार में फिर एक बार एनडीए सरकार: पीएम मोदी

पटना,24 अक्टूबर 2025। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने शुक्रवार को बिहार विधानसभा चुनाव में एनडीए की तरफ से चुनाव अभियान की शुरुआत करते हुए समस्तीपुर के कर्पूरी ग्राम पहुंचे और भारत रत्न स्वर्गीय कर्पूरी ठाकुर को पुष्पांजलि अर्पित की। समस्तीपुर में जनसभा को संबोधित करते हुए प्रधानमंत्री मोदी ने बिहार में एकबार फिर एनडीए की मजबूत सरकार का दावा करते हुए कहा कि जब नीयत साफ हो,नीतियां देशहित में हों तो जनता आशीर्वाद देती है। तेजस्वी और लालू यादव पर हमला करते प्रधानमंत्री मोदी ने कहा कि अब बिहार वापस से जंगलराज की तरफ जाने वाला नहीं है। यह साल 2005 का अक्टूबर महीना ही था, जब बिहार ने जंगलराज से मुक्ति पाई थी। नीतीश कुमार के नेतृत्व में सुशासन शुरू हुआ था। 10 साल कांग्रेस-राजद केंद्र सरकार में थी,तब कई रोड़े अटकाए। यहां कोई काम नहीं होने दिया। उन्होंने कहा कि नीतीश कुमार ने बिहार को मुश्किल से निकाला। अब बिहार नये दौर में है। कोई कोना नहीं जहां विकास का काम नहीं हो रहा, कहीं जाएं,हर जगह विकास का काम हो रहा है। बिजली,पानी गैस सब पर काम हो रहा, ये समृद्धि का काम है। इससे सबको रोजगार का मौका मिलता है। मोदी ने जनसभा में कहा कि 11 साल में हमने देखा है। एक-एक राज्य में जनता ने एनडीए को मौका दिया है। अभी महाराष्ट्र में देखिए पहले से कहीं अधिक जनादेश देकर एनडीए की सरकार बनाई। हरियाणा में देखा,पहले से अधिक सीट मिली। यही गुजरात में दिखा,उत्तराखंड में दिखा,फिर से बहुमत मिला। गुजरात के सारे रिकार्ड टूट गए। यूपी और उत्तराखंड में फिर से मौका मिला। ये उदाहरण बताते हैं कि एनडीए मतलब विकास की गारंटी। आपका उत्साह देखकर लग रहा कि बिहार में नीतीश बाबू के नेतृत्व एनडीए जीत के सारे रिकार्ड तोड़ देगी।

प्रधानमंत्री मोदी ने मिथिला भाषा में अपने भाषण की शुरुआत की। उन्होंने कहा कि त्योहार के बीच इतनी भीड़ का आना बड़ी बात है। उन्होंने सभा में आए सभी लोगों का धन्यवाद किया। प्रधानमंत्री ने कहा कि यहां आने से पहले वह कर्पूरी ग्राम गए। वहां भारत रत्न जननायक कर्पूरी ठाकुर को नमन करने का अवसर मिला। हम जैसे पिछड़े और गरीब परिवारों से निकले लोग इस मंच पर खड़े हैं, आजाद भारत में सामाजिक न्याय लाने में कर्पूरी ठाकुर की भूमिका बहुत बड़ी रही है। वे मां भारती के अनमोल रत्न थे। हमारी सरकार को उन्हें भारत रत्न से सम्मानित करने का सौभाग्य मिला।

मुफ्त इलाज,नल का जल,हर प्रकार की सुविधा एनडीए सरकार दे रही:मोदी

मोदी ने कहा कि मुफ्त इलाज,नल का जल,हर प्रकार की सुविधा एनडीए सरकार दे रही है। सामाजिक न्याय के दिखाए रास्ते को एनडीए ने सुशासन का आधार बनाया है। हमने सबके हितों को प्राथमिकता दी है। एनडीए ने ही अनुसूचित जाति-जनजाति के आरक्षण को आगे बढ़ाया है। डाक्टरी की पढ़ाई के लिए गरीबों को,पिछड़ों को आरक्षण नहीं था,एनडीए सरकार ने ये प्रावधान किया। हमारी सरकार ने ओबीसी को प्राथमिकता दी। कर्पूरी बाबू मातृभाषा में पढ़ाई के बहुत बड़े हिमायती थे। स्थानीय भाषा में पढ़ाई पर बल दिया। अब वंचित का बेटा भी अपनी भाषा में पढ़ सकता है। उनकी प्रेरणा से समृद्धि ला रहे हैं। दूसरी तरफ विपक्षी क्या कह रहे हैं,आपको ज्यादा पता है। हजारों करोड़ों के घोटाले में जमानत पर हैं। जो जमानत पर हैं वे जननायक की उपाधि भी चोरी कर रहे,इसे हम नहीं सहेंगे।

आंध्र प्रदेश में चलती बस में आग,20 जिंदा जले

बाइक टकराकर बस के फ्यूल टैंक में फंसी,इससे आग लगी

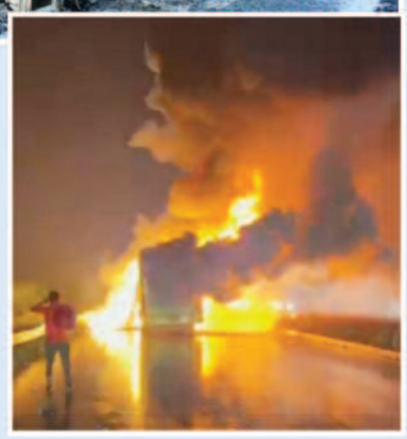

नई दिल्ली,24 अक्टूबर 2025। आंध्र प्रदेश के कुर्नूल में चिन्नाटेकुर के पास एक प्राइवेट बस में आग लग गई। हादसे में 20 यात्री जिंदा जल गए। कुछ मीडिया रिपोर्ट्स में यह आंकड़ा 25 है। कुर्नूल कलेक्टर के मुताबिक घटना शुक्रवार सुबह लगभग 3:30 बजे हुई। अब तक 11 शवों की पहचान हो गई है, 9 के बारे में पता नहीं चल पाया है। बस हैदराबाद से बेंगलुरु जा रही थी। एनएच-44 पर बाइक में टक्कर हुई। बाइक बस के नीचे घुस गई और फ्यूल टैंक से टकरा गई। इससे बस में तुरंत आग लग गई। हादसे में बाइक सवार शिवशंकर की भी मौत हो गई। बस में लगभग 40 यात्री सवार थे। इनमें से कई जल गए। 19 ने कूदकर जान बचाई। इमरजेंसी गेट तोड़कर निकले लोग बुरी तरह झुलस गए थे,इन्हें कुर्नूल सरकारी हॉस्पिटल में भर्ती कराया गया है।

आग लगी,शॉर्ट सर्किट हुआ और दरवाजा नहीं खुला

कुर्नूल रेंज के डीआईजी कोया प्रवीण ने बताया कि बस में सवार 2 बच्चों समेत 21 यात्री बाल-बाल बच गए। ड्राइवर-क्लीनर की कोई जानकारी नहीं मिली है। ज्यादातर लोग 25 से 35 साल के थे। हादसे के वक्त यात्री सो रहे थे,जिससे उन्हें बचने का मौका नहीं मिला। आग लगने के बाद बस में शॉर्ट सर्किट हुआ। इससे बस का दरवाजा भी जाम हो गया। शीशे तोड़ने के लिए कोई सेफ्टी हैमर नहीं थे। हादसे के बाद कुर्नूल कलेक्टर डॉ. ए सिरी घटनास्थल पर पहुंचीं,उन्होंने बताया कि हेल्पलाइन नंबर जारी किए गए हैं। इनमें कलेक्ट्रेट कंट्रोल रूम 08518-277305,सरकारी अस्पताल कुर्नूल 9121101059, स्पॉट कंट्रोल रूम 9121101061,कुर्नूल पुलिस कंट्रोल रूम 9121101075,जीजीएच हेल्प डेस्क के 9494609814,9052951010 नंबरों पर जानकारी ले सकते हैं।

पीएम और सीएम ने किया मुआवजे का ऐलान

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने भी मृतकों के परिवारों को 2 लाख और घायलों को 50 हजार रुपए की मदद का ऐलान किया। पीएम ने कहा कि वे हादसे से दुखी हैं और घायलों के जल्दी ठीक होने की कामना करते हैं। वहीं तेलंगाना सरकार के ट्रांसपोर्ट मंत्री पोनम प्रभाकर ने एक्स पर बताया कि तेलंगाना सरकार बस हादसे में मारे गए राज्य के लोगों के परिवारों को 5 लाख रुपए आर्थिक सहायता के रूप में देगी। वहीं घायलों को 2 लाख रुपए की आर्थिक सहायता दी जाएगी।? सरकार घायलों को बेहतर इलाज भी मुहैया कराएगी।

पीयूष पांडे की मौत से विज्ञापन उद्योग में मातम,मोदी अभियान के प्रमुख रणनीतिकार थे...

नई दिल्ली,24 अक्टूबर 2025। भारतीय विज्ञापन जगत को मंगलवार को बड़ा झटका लगा। प्रसिद्ध एड गुरु पीयूष पांडे का 70 वर्ष की आयु में मुंबई में निधन हो गया। उनकी रचनात्मकता और विज्ञापन उद्योग में योगदान को हमेशा याद किया जाएगा। पीयूष पांडे भारतीय विज्ञापन जगत के सबसे प्रभावशाली और सम्मानित व्यक्तित्वों में से एक थे। उन्हें एड गुरु के नाम से जाना जाता था। उनके हाथों से निकलने वाले विज्ञापन न केवल यादगार होते थे,बल्कि उन्होंने भारतीय विज्ञापन की दिशा और शैली को भी प्रभावित किया। पीयूष पांडे ने कई प्रसिद्ध विज्ञापन कैंपेन तैयार किए। उनमें सबसे प्रमुख था 'अबकी बार मोदी सरकार'। यह स्लोगन भारतीय राजनीति में बहुत ही प्रभावशाली रहा और जनता के बीच व्यापक चर्चा का विषय बना। इसके अलावा,उन्होंने 'ठंडा मतलब कोका कोला' जैसे प्रतिष्ठित ब्रांड विज्ञापन भी बनाए,जो आज भी लोगों की यादों में ताजा हैं। उनकी रचनात्मकता सिर्फ विज्ञापन तक ही सीमित नहीं थी। पीयूष पांडे लेखक,शिक्षाविद और भाषाविद् भी थे। उन्होंने विज्ञापन और संचार के क्षेत्र में कई नई सोच और तकनीकें पेश कीं। उनके विचार और शिक्षण शैली ने कई नई पीढ़ी के विज्ञापन पेशेवरों को प्रेरित किया। पीयूष पांडे का काम केवल ब्रांड प्रमोशन तक सीमित नहीं रहा। उनके विज्ञापन ने जन जागरूकता,राजनीति और सामाजिक संदेशों को भी प्रभावी ढंग से लोगों तक पहुँचाया। उन्होंने भारतीय विज्ञापन उद्योग को वैश्विक मानक के अनुरूप ढालने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई।

सर कहकर समझाता रहा ड्राइवर, ट्रैफिक आरक्षक ने जबरन तमाचा मारा

बेंगलुरु,24 अक्टूबर 2025। बेंगलुरु से सामने आया एक वीडियो सोशल मीडिया पर जमकर वायरल हो रहा है। इस वीडियो में एक ट्रैफिक पुलिसकर्मी सड़क पर एक टैक्सी ड्राइवर को थप्पड़ मारते हुए नजर आ रहा है। यह पूरी घटना एक राहगीर के मोबाइल कैमरे में कैद हो गई,जिसके बाद यह मामला शहर भर में चर्चा का विषय बन गया है। घटना आरटी नगर फ्लाईओवर के पास स्थित शेल पेट्रोल स्टेशन के नजदीक हुई बताई जा रही है। वायरल पोस्ट में लिखा गया है कि टैक्सी ड्राइवर ने अपनी गाड़ी कुछ मिनटों के लिए पार्क की थी,तभी वहां एक ट्रैफिक पुलिसकर्मी पहुंचा और उस पर चिल्लाने लगा। देखते ही देखते बात बढ़ गई और पुलिसकर्मी ने कथित रूप से ड्राइवर को थप्पड़ मार दिया। वीडियो में साफ दिखता है कि पुलिसकर्मी ड्राइवर पर गुस्से में चिल्ला रहा है,जबकि ड्राइवर खुद को शांत रखने की कोशिश कर रहा है। पोस्ट में यह भी दावा किया गया है कि ड्राइवर ने अपनी गाड़ी केवल पांच मिनट के लिए पार्क की थी। इसी दौरान पुलिसकर्मी वहां पहुंचा और उसे डांटने लगा। जब ड्राइवर ने अपनी बात समझाने की कोशिश की,तो पुलिसकर्मी ने सार्वजनिक रूप से उसे थप्पड़ मार दिया। घटना के बाद मौके पर मौजूद लोगों ने पूरा वीडियो रिकॉर्ड कर लिया,जो अब सोशल मीडिया पर तेजी से फैल रहा है। जैसे ही वीडियो वायरल हुआ,बेंगलुरु सिटी पुलिस ने इस पर प्रतिक्रिया दी।

पत्नी को किया अपमानित,पति को 2 साल की सजा

तुर्की,24 अक्टूबर 2025 । तलाक के मामले की सुनवाई के दौरान पत्नी ने पति पर आरोप लगाया कि उसने अपने मोबाइल में गोल मटोलके नाम से उसका नंबर सेव कर रखा था। इस वजह से उसे भावनात्मक तौर पर नुकसान पहुंचा है। इस बात को कोर्ट ने भी गंभीरता से लिया और आदेश दिया कि वह इसके लिए पत्नी को अतिरिक्त मुआवजा दे। साउथ चाइना मॉर्निंग पोस्ट की एक रिपोर्ट के अनुसार,तुर्की के अदालत ने फैसला सुनाया कि मोबाइल फोन के कॉन्टेक्ट लिस्ट में पत्नी का ऐसा नाम रखना भावनात्मक और आर्थिक हिंसा के बराबर है। जिस व्यक्ति ने अपने मोबाइल फोन में अपनी पत्नी को मोटी होने की वजह से उसका नाम गोलमटोल रख दिया था। उस पर अपमानजनक और विवाह के लिए हानिकारक होने का आरोप लगाया गया।

विकसित भारत के लक्ष्य को प्राप्त करने में महिलाओं की सक्रिय भागीदारी आवश्यक: राष्ट्रपति मुर्मु

कोच्चि,24 अक्टूबर 2025। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मु ने शुक्रवार को केरल के एर्नाकुलम स्थित सेंट टेरेसा कॉलेज के शताब्दी समारोह में भाग लिया। इस अवसर पर राष्ट्रपति को प्रेम के प्रतीक के रूप में देश की सांस्कृतिक विरासत को दर्शाते पांच उपहार भेंट किए गए। सेंट टेरेसा कॉलेज का शताब्दी समारोह दोपहर 12.10 बजे कॉलेज के प्लेटिनम जुबली ऑडिटोरियम में शुरू हुआ। राष्ट्रपति ने समारोह को संबोधित करते हुए कहा कि सेंट टेरेसा कॉलेज आध्यात्मिक मूल्यों के प्रति दृढ़ प्रतिबद्धता के साथ भारत में महिला शिक्षा को बढ़ावा दे रहा है। यह सामाजिक परिवर्तन और राष्ट्र निर्माण में एक महान योगदान है। हमें उन प्रतिष्ठित व्यक्तियों की दूरदर्शिता और विरासत को गहराई से स्वीकार करना चाहिए,जिन्होंने इस संस्थान का निर्माण किया और इसे एक शताब्दी तक निरंतर उपलब्धियों के पथ पर अग्रसर किया। राष्ट्रपति ने 2047 तक विकसित भारत के विजन को प्राप्त करने के लिए महिलाओं की सक्रिय भागीदारी की आवश्यकता पर बल दिया और कहा कि महिलाओं के नेतृत्व वाला समाज अधिक मानवीय और प्रभावी होगा। भारत की संविधान सभा की सदस्य 15 महिलाओं में से तीन- अम्मू स्वामीनाथन,एनी मस्कारेने और दक्षायनी वेलायुधन केरल से थीं। उन्होंने न्यायमूर्ति अन्ना चांडी और न्यायमूर्ति एम. फातिमा बीवी जैसी राज्य की अग्रणी महिलाओं का भी उल्लेख किया। राष्ट्रपति मुर्मु ने शिक्षा और आध्यात्मिक मूल्यों के माध्यम से महिलाओं को सशक्त बनाने के लिए सेंट टेरेसा की सराहना की। उन्होंने कहा कि उन्हें यह जानकर खुशी हुई कि सेंट टेरेसा कॉलेज ने शिक्षा के माध्यम से स्थिरता,नेतृत्व और एजेंसी को बढ़ावा देने के लिए स्लेट नामक परियोजना शुरू की है। इस परियोजना को शुरू करके,कॉलेज ने राष्ट्रीय शिक्षा नीति-2020 के उद्देश्यों के प्रति अपनी प्रतिबद्धता प्रदर्शित की है। युवाओं को सतत विकास लक्ष्यों के तहत भारत के लक्ष्यों से जोड़ना और उन्हें भविष्य की नौकरियों के लिए सक्षम बनाना इस परियोजना के सराहनीय उद्देश्य हैं। समारोह में कुल 1632 आमंत्रित अतिथि शामिल हुए। इनमें 839 छात्र,220 एनएसएस-एनसीसी स्वयंसेवक,225 शिक्षक और 200 से ज्यादा अतिविशिष्ट व्यक्ति थे। राष्ट्रपति मुर्मु केरल की अपनी चार दिवसीय यात्रा पूरी करके दिल्ली लौट गईं हैं। वह दोपहर 2.15 बजे कोचीन अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे से भारतीय वायुसेना के विशेष विमान से दिल्ली लौटीं।

अज्ञात सर के संपर्क में थी सीएसपी पूजा पांडे

व्हाट्सऐप कॉल हिस्ट्री निकालने में जुटी एसआईटी टीम

एमपी,24 अक्टूबर 2025। सिवनी के बहुचर्चित हवाला लूट कांड की जांच कर रही विशेष जांच दल अब इस मामले में रहस्यमय सर की पहचान उजागर करने के लिए डिजिटल जासूसी का सहारा ले रही है। लूट के आरोपी पुलिसकर्मियों से पूछताछ में सामने आया था कि सीएसपी पूजा पांडे वारदात की रात एक व्यक्ति से व्हाट्सएप कॉल पर लंबी बात कर रही थीं और उसे सर कहकर संबोधित कर रही थीं। टेलीकॉम कंपनी से पूजा पांडेय के नंबर की कॉल डिटेल रिकॉर्ड मांगी गई, लेकिन उसमें किसी लंबी कॉल की जानकारी नहीं मिली। इससे एसआईटी को शक हुआ कि कॉल व्हाट्सएप पर की गई थी। गुत्थी सुलझाने के लिए,एसआईटी ने अब मेटा से पूजा पांडेय के व्हाट्सएप कॉल का डेटा मांगा है। यह डेटा कैलिफ़ोर्निया (अमेरिका) से आने की उम्मीद है। पुलिस सूत्रों के मुताबिक,रात 1 बजे से लेकर सुबह 5 बजे तक पूजा पांडेय के मोबाइल की लोकेशन सीलादेही बायपास के पास वारदात वाली जगह पर ही थी।

देश भर में नवंबर से एसआईआर शुरू होगा

2026 के राज्य चुनावों से पहले पूरी होगी प्रक्रिया,सुप्रीम कोर्ट के निर्देशों का पालन होगा

नई दिल्ली,24 अक्टूबर 2025। निर्वाचन आयोग ने नवंबर से देशभर में मतदाता सूचियों की गहन पुनरीक्षण की तैयारी पूरी कर ली है। एसआईआर का कार्यक्रम इस तरह से बनाया जाएगा कि अगले साल मई में चुनाव वाले राज्यों में भी यह काम पूरा हो सके। मार्च 2026 तक सभी राज्यों में नई मतदाता सूची तैयार करने की योजना है। सभी राज्यों के चुनाव अधिकारियों को निर्देश दिया गया है कि आधार कार्ड को 12वें दस्तावेज के रूप में स्वीकार किया जाएगा।

मतदाता सूची को अपडेट करना मकसद: आयोग का दावा है कि उनका पूरा ध्यान केरल,तमिलनाडु,प. बंगाल,असम और पुडुचेरी पर है,जहां मई 2026 तक चुनाव होने हैं। एसआईआर का उद्देश्य मतदाता सूचियों में दोहरे मतदाताओं को हटाना और यह सुनिश्चित करना है कि मतदाता भारतीय नागरिक है। ऐसी समीक्षा 2 दशक बाद हो रही है,क्योंकि शहरीकरण और माइग्रेशन बढ़ने से इसकी जरूरत महसूस हुई। यहां हालात ऐसे आंध्र प्रदेश में 2003-2004 5.5 करोड़ मतदाता थे,अब 6.6 करोड़ हैं। उत्तर प्रदेश में 2003 में 11.5 करोड़ थे,अब 15.9 करोड़ हैं। दिल्ली में 2008 में 1.1 करोड़ थे,अब 1.5 करोड़ हैं। बैठक में तय हुआ कि बीएलओ हर मतदाता के घर जाकर प्री फील्ड फॉर्म पहुंचाएंगे। इस प्रक्रिया में 31 दिसंबर तक 18 वर्ष के हर मतदाता को शामिल माना जाएगा। देशभर में 99 करोड़ 10 लाख मतदाता हैं। इनमें से बिहार करीब 8 करोड़ मतदाताओं की प्रक्रिया पूरी हो चुकी है। 2002 से 2004 के बीच एसआईआर में 70 करोड़ मतदाता दर्ज हुए थे। ऐसे में माना जा रहा है कि 21 करोड़ मतदाताओं को ही जरूरी दस्तावेज देने होंगे।

दिल्ली और भोपाल से 2 संदिग्ध आतंकी गिरफ्तार

नई दिल्ली,24 अक्टूबर 2025। दिल्ली पुलिस की स्पेशल सेल ने शुक्रवार को आईएसआईएस मॉड्यूल का पर्दाफाश करते हुए दो संदिग्ध आतंकियों को गिरफ्तार किया। एक को दिल्ली से और दूसरे को मध्य प्रदेश के भोपाल से गिरफ्तार किया। पुलिस के मुताबिक ये आतंकी फिदायीन हमले की ट्रेनिंग ले रहे थे। दिल्ली की स्पेशल सेल द्वारा गिरफ्तार किए गए आतंकियों में से एक आतंकी दिल्ली का रहने वाला है और दूसरा आतंकी मध्यप्रदेश का है। दोनों आतंकियों की पहचान अदनान के रूप में हुई हैं। दिल्ली के सादिक नगर से एक आतंकी को गिरफ्तार किया गया,जबकि भोपाल से दूसरे आतंकी को गिरफ्तार किया गया है। अधिकारी ने बताया कि प्रारंभिक जांच से पता चला है कि दोनों आरोपित आईएसआईएस से जुड़े थे और दिल्ली में एक बड़े आतंकी हमले की साजिश रच रहे थे। पुलिस ने उनके पास से इलेक्ट्रॉनिक उपकरण और आपत्तिजनक सामग्री जब्त की है।

भारत बंदूक तानकर डील नहीं करता,हाई टैरिफ से निपटने नए मार्केट्स ढूंढ रहे:पीयूष गोयल

बर्लिन,24 अक्टूबर 2025। कॉमर्स और इंडस्ट्री मिनिस्टर पीयूष गोयल ने भारत और अमेरिका ट्रेड डील को लेकर शुक्रवार को कहा कि भारत जल्दबाजी में सौदे और सिर पर बंदूक रखकर डील नहीं करता है। जर्मनी में बर्लिन डायलॉग में उन्होंने कहा कि भारत यूरोपीय संघ और अमेरिका समेत देशों और क्षेत्रों के साथ ट्रेड डील पर बातचीत कर रहा है। गोयल ने कहा कि किसी भी ट्रेड डील को लॉन्ग टर्म नजरिए से देखा जाना चाहिए। भारत कभी भी जल्दबाजी में या किसी आवेश में आकर फैसला नहीं करता है। हाई टैरिफ से निपटने के लिए भारत नए मार्केट की तलाश भी कर रहा है। अपनी शर्तों पर डील करने के सवाल पर उन्होंने कहा कि ट्रेड डील हमेशा लॉन्ग टर्म नजरिए से की जाती है। यह सिर्फ टैरिफ या सामान और सर्विस तक पहुंच के बारे में नहीं है, यह भरोसे और रिश्ते के बारे में भी है। लंबे समय के लिए ट्रेड डील सिर्फ टैरिफ से कहीं ज्यादा होती हैं और हम सिर्फ आज के मुद्दों और टैरिफ पर ध्यान दे रहे हैं। उन्होंने कहा- भारत हमेशा राष्ट्रीय हित के आधार पर ही फैसले करता है कि उसके

मित्र कौन होंगे अगर कोई कहे कि आप यूरोपीय संघ के दोस्त नहीं रह सकते या केन्या के साथ काम नहीं कर सकते,तो मैं यह मंजूर नहीं करूंगा। उन्होंने कहा- मैं आज के अखबार में पढ़ रहा था,जर्मनी तेल पर यूएस के बैन से छूट मांग रहा है। यूके ने पहले ही यूएस से तेल खरीदने की छूट ले ली है या शायद उसे मिल भी गई है तो फिर सिर्फ भारत को ही क्यों चुना जा रहा है। यह बयान इसलिए महत्वपूर्ण है क्योंकि अमेरिका भारत पर रूस से कच्चा तेल खरीदना बंद करने का दबाव बना रहा है। यूएस ने 22 अक्टूबर को रूस के दो सबसे बड़े कच्चे तेल प्रोड्यूसर,रोसनेफ्ट और लुकोइल पर बैन लगा दिए थे और सभी अमेरिकी कंपनियों और लोगों को उनके साथ बिजनेस करने से रोक दिया था। यूएस ने रूस से तेल खरीदने पर पेनल्टी के तौर पर भारत पर 25% टैरिफ लगाया है। यह अमेरिकी बाजारों में आने वाले भारतीय सामान पर लगने वाले 25% के आपसी टैरिफ के अलावा है। कुल मिलाकर,यूएस में भारतीय सामान पर 50 परसेंट की ज्यादा इम्पोर्ट ड्यूटी लग रही है। केंद्र सरकार ने इन ड्यूटी को गलत और बेबुनियाद बताया है।

संपादकीय

जीवन रक्षक ओआरएस

से हतवर्धक बताकर विभिन्न खाद्य-पेय उत्पाद बेचना आज के बाजार की मुनाफा रणनीति का हिस्सा बन चुका है। भले ही वह आम लोगों की सेहत से खिलवाड़ करता हो। ऐसे में एक ऐतिहासिक कदम उठाते हुए भारतीय खाद्य सुरक्षा एवं मानक प्राधिकरण यानी एफएसएसएआई ने विश्व स्वास्थ्य संगठन के मानक फॉर्मूलेशन के अनुरूप न होने वाले किसी भी पेय पदार्थ के लेबल पर 'ओआरएस' यानी ओरल रिहाइड्रेशन सॉल्ट शब्द लिखने पर प्रतिबंध लगा दिया है। निस्संदेह,यह एक जन-स्वास्थ्य की दिशा में हासिल एक बड़ी सफलता है,जिसकी लंबे समय से प्रतीक्षा की जा रही थी। दरअसल,यह आदेश हैदराबाद की बाल रोग विशेषज्ञ शिवरंजनी संतोष द्वारा आठ साल की लंबी लड़ाई के बाद सामने आया है। वास्तव में उन्होंने यह उजागर करने के लिये लंबा संघर्ष किया था कि कैसे कई चीनी युक्त कथित ऊर्जा बढ़ाने वाले पेय पदार्थों को चिकित्सकीय समाधान के रूप में बेचने के लिये भ्रामक रूप से 'ओआरएस' शब्द का इस्तेमाल किया जा रहा है। दुर्भाग्यपूर्ण स्थिति यह है कि सालों से अभिभावक इस पेय पदार्थ की पैकेजिंग पर कारोबारियों द्वारा लिखे 'ओआरएस' शब्द पर भरोसा करते हुए बीमार बच्चों को पिलाते रहे हैं। वे इस बात से बेखबर थे कि पेय पदार्थ में चीनी की उच्च सांद्रता निर्जलीकरण की स्थिति को बढ़ावा दे सकती है। विशेष रूप से बच्चों को देने पर दस्त की स्थिति में यह घातक हो सकती थी। यहां उल्लेखनीय है कि विश्व स्वास्थ्य संगठन द्वारा अनुमोदित ओआरएस घोल में सावधानीपूर्वक ग्लूकोज और इलेक्ट्रोलाइट्स का एक संतुलित मिश्रण निर्धारित होता है। जिसे बीमार बच्चों या व्यक्ति को शरीर में तरल पदार्थों व लवणों की कमी की पूर्ति के लिये तैयार किया जाता है। जबकि हकीकत यह है व्यावसायिक दृष्टि से बेचे जा रहे पेय पदार्थों का भले ही चिकित्सा वैधता का दावा किया जाए,लेकिन वे मीठे घोल के अलावा कुछ नहीं होते। जबकि हकीकत यह है कि इन बाजारू पेय पदार्थों की बिक्री से मोटा मुनाफा ही कमाया जा रहा था। यह तथ्य भी चौंकाने वाला ही है कि भारत में इस तथाकथित मीठे 'ओआरएस पेय' का सारा कारोबार लगभग एक हजार करोड़ रुपये के लगभग है। यहां तक कि कुछ पेय पदार्थों के ब्रांड मालिकों ने केवल तीन वर्षों में पांच गुना बिक्री का दावा किया है। उन्होंने ओआरएस बिक्री के चौदह फीसदी से अधिक हिस्से पर अधिकार करने का उल्लेख किया है। दरअसल, विभिन्न स्वाद वाले पेय पदार्थ को स्वास्थ्यवर्धक के रूप में पेश करके कंपनियों को अपने कारोबार में तेजी लाने का आसान मौका मिल जाता है। हकीकत में इसका लाभ कंपनियां अपने ब्रांड का भरोसा बढ़ाने और फार्मेसियों और किराने की दुकानों में समान रूप से उपभोक्ताओं को आकर्षित करने में कामयाब होने में उठाती हैं। यह विडंबना है कि देश में कमजोर नियामक निगरानी के चलते ही इस मुनाफे के घातक कारोबार के विस्तार के लिये अनुकूल वातावरण बन पाया है। अब विश्वास किया जाना चाहिए कि भारतीय खाद्य सुरक्षा एवं मानक प्राधिकरण की सख्ती से इस मुनाफाखोरी के घातक कारोबार पर अंकुश लगाने में कामयाब मिल सकेगी। इस सारे प्रकरण का एक सबक यह भी है कि कैसे सतर्क नागरिक और नैतिक रूप से सजग चिकित्सक सार्वजनिक स्वास्थ्य की रक्षा करने में सक्षम हो सकते हैं। खासकर उन क्षेत्रों में जहां अकसर प्रवर्तन कार्रवाई की कमी नजर आती है। निश्चित रूप से यह प्रकरण खाद्य विपणन और वैज्ञानिक प्रमाणों के बीच की खाई को भी उजागर करता है। दरअसल,यह जन स्वास्थ्य से जुड़ी एक ऐसी खाई है जिसे हमारी नियामक एजेंसियों को पाटने के लिये निरंतर सजग रहने की सख्त आवश्यकता है। ओआरएस जैसी साधारण,लेकिन जीवन रक्षक पेय की शुद्धता की रक्षा करते हुए भारतीय खाद्य सुरक्षा एवं मानक प्राधिकरण ने एक बार फिर से पुष्टि की है कि स्वास्थ्य की रक्षा कोई मार्केटिंग का नारा नहीं हो सकता।

दीपावली धार्मिक त्यौहार वहीं अधर्म के पैसे का उपहार लेने की परंपरा बरकरार

धार्मिक दिवस अधर्म के पैसे से लिया गया उपहार क्यों दिया जाता है? दीपावली पर भ्रष्टाचार की अलग ही परंपरा है!

रवि सिंह,कोरिया

हम दीपावली पर्व को कई तरह से देखते हैं, दीपावली पर्व को हम सनातन धर्म से भी जोड़ते हैं यदि हम दीपावली की बात करें तो दीपावली बुराई पर अच्छाई और अंधकार पर प्रकाश की जीत का प्रतीक है। यह कई कारणों से मनाई जाती है, जैसे कि भगवान राम के लंका नरेश रावण पर विजय के बाद अयोध्या लौटना,भगवान कृष्ण की नरकासुर पर जीत,और लक्ष्मी-गणेश की पूजा,यह सिक्खों के लिए गुरु हरगोबिंद के कैद से लौटने और जैनियों के लिए भगवान महावीर के निर्वाण दिवस के रूप में भी महत्वपूर्ण है। भगवान राम का अयोध्या लौटनाः उत्तरी भारत में दिवाली को इस रूप में मनाया जाता है कि भगवान राम 14 साल के वनवास और लंका नरेश राक्षस राजा रावण को हराने के बाद अपने राज्य अयोध्या वापस लौटे थे,उनके आगमन पर अयोध्या वासियों ने पूरे शहर को दीपों से सजाया था और उत्सव मनाया था,भगवान कृष्ण की जीतः दक्षिण भारत में, दिवाली को भगवान कृष्ण द्वारा राक्षस नरकासुर को हराने और लोगों को उसकी कैद से मुक्त कराने के उत्सव के रूप में मनाया जाता है।

देवी लक्ष्मी की पूजा: दिवाली पर धन की देवी मां लक्ष्मी और बुद्धि के देवता गणेश की पूजा की जाती है,यह धन और समृद्धि का प्रतीक है,और यह माना जाता है कि गणेश जी धन के सही उपयोग के प्रतीक हैं,पर यदि आज की परिवेश में बात की जाए तो दीपावली इन सब को छोड़कर अलग ही तरीके से मनाने की परंपरा शुरू हो गई है,दिवाली पर यदि हम बात करें भारत के चारों स्तंभ की तो चारों में इसके भ्रष्ट तंत्र ने इसके मायने को बदल दिया है,इस समय दीपावली पर राजनीतिक पार्टियों के नीचे के लोग अपने ऊपर पार्टी के विभिन्न पदों पर बैठे लोगों को खुश करने के लिए लोगों को प्रताड़ित कर उपहार पहुंचाते हैं,अपने तनख्वाह के पैसे से या फिर अपने ईमानदारी की कमाई से वह कोई भी उपहार नहीं देते हैं,और उपहार देने का वजह भी सिर्फ निजी स्वार्थ होता है,आज के परिवेश में यदि हम राजस्व विभाग की बात करें तो छोटा अमला अपने ऊपर अधिकारी के लिए,पुलिस विभाग में छोटा कर्मचारी अपने उच्च अधिकारी के लिए,राजनीति में विधायक मंत्री व मुख्यमंत्री के लिए राजनीतिक पार्टियों में छोटे पदाधिकारी बड़े पदाधिकारी के लिए भ्रष्टाचार का पैसा इकट्ठा करके उसे उपहार देने प्रयास करते नजर आते है,यह एक परंपरा बन चुकी है यह कहना गलत नहीं होगा,पर सवाल यह उठता है कि इतने पुरातन सनातन धार्मिक त्यौहार दीपावली जिसे धर्म से जोड़कर मान्यता है और अपने लिए इस दिवस लोग शुभकारी अपेक्षाएं ईश्वर से रखते हैं फिर इस दिन अधर्म,बेइमानी का पैसा क्यों वह खर्च करते हैं या इस दिन के लिए क्यों वह अधर्म के रास्ते पैसा जुटाते हैं? और अधर्म के पैसे का उपहार क्यों वह परिवार सहित अन्य को प्रदान करते हैं,और इसे खुशी-खुशी क्यों अपनाया जाता है? इस बार भी हमने इस विषय पर मंथन करने का तब प्रयास किया जब हमें यह पता चला कि जिले के हर विभाग में ऐसा देखने को मिला चाहे वह पुलिस विभाग हो,राजस्व विभाग हो,परिवहन विभाग हो,तमाम तरह के शासकीय विभागों में ऐसी स्थिति निर्मित थी जिसे देखकर लगा कि यह त्यौहार अब हिंदू सनातन धर्म का त्यौहार नहीं,अब यह त्यौहार वसूली कर मनाए जाने की परम्परा बन चुकी है,दीपावली के कुछ दिनों पूर्व से ही इसकी तैयारी शुरू हो जाती है जो दीपावली दिवस तक जारी रहती है और प्रायः हर शासकीय विभाग में इसके लिए भ्रष्टाचार का आचरण अपनाया जाता है,दीपावली में बख्शीस पहले के जमाने में समाज के उच्च वर्गीय बड़े ओहदेदार लोग अपने से नीचे के लोगों को दिया करते हैं जो उनसे कम आय वर्ग या कम हैसियत वाले होते थे लेकिन धीरे धीरे यह परम्परा अब बदलती नजर आ रही है और अब बख्शीश ही उपहार का नाम पा चुका है और अब निचले क्रम के कर्मचारी शासकीय विभागों के अपने उच्च अधिकारियों को तोहफा देते हैं या अधिकारियों के लिए त्यौहार का खर्च वह वहन करते हैं, इन खर्चों के लिए अवैध वसूली या भ्रष्टाचार का सहारा लिया जाता है और इस तरह अब शुभ त्यौहार मनाया जाता है,त्योहारों में पुलिस की गतिविधियां बढ़ जाती हैं अवैध जगहों पर छापे और सड़क सुरक्षा का भाव जागृत उनमें नजर आता है और इन सभी तरह की जागरूकता का मामला समझा जा सकता है कि क्यों जागृत हो जाती है पुलिस जब पर्व त्यौहार आते हैं,इसी तरह राजस्व,खनिज,यातायात, वन सहित अन्य शासकीय विभागों में भी देखने को मिलता है,दीपावली पर्व उत्साह की बजाए कुछ लोगों के लिए

वसूली और बख्शीस की वजह भी बन जाता है जो इसकी महत्ता को कम करता जा रहा है कम से कम उनके लिए जो इस दिन या इस दौरान वसूली के लिए लक्ष्य बनते हैं जिनकी खुशियां छीनकर अन्य प्रभावशील लोग दीपावली मनाते हैं,उपहार देने लेने की परंपरा और बख्शीस की परम्परा नई नहीं है लेकिन अब उल्टी हो चुकी परम्परा है यह कहना सही होगा,पहले अधीनस्थों को उपहार दिए जाने की परम्परा थी अब अधीनस्थों से जबरन उपहार या बख्शीस लेने की परंपरा है,उच्च पद पर आसीन व्यक्ति अब अपनी दीपावली ही बेहतर चाहता है अन्य की वह दीपावली क्यों बेहतर नहीं चाहता यदि वह उच्च पद पर बैठा है, कुल मिलाकर स्वार्थ की दुनिया में अब परम्परा उल्टी ही नजर आने वाली है जो त्यौहारों में देखने को मिल रही है।

आकाओं को प्रसन्न करने अपनी दीपावली भी ढंग से नहीं मना पाते कुछ लोग

त्योहारों में मजा उन्हीं का है जो उच्च पदों पर आसीन हैं,यह मजा उनका अपनी आय से मिलने वाला मजा नहीं है बल्कि यह मजा दूसरों के त्यौहार में खलल डालकर मिलने वाला मजा है उत्साह है,अधीनस्थ त्योहारों में इतना मजबूर होता है कि वह अपने आका को खुश करने उपहार प्रदान करने की मंशा रखता है,वह मंशा नहीं भी रखता है तब भी उसकी मजबूरी है कि वह उपहार प्रदान करें,पहले जिसे उपहार बख्शीस मिलता था वह अब देने की स्थिति में रहता है,मजबूरी में वह अपनी दीपावली फीकी करता है और आका की मीठी,जो व्यक्ति खुद के घर लिए लड्डू ले जा पाता है बाजार से वह आका के लिए काजू से बादाम से बनी मिठाई खरीदता है जो आका पाकर खुश होते हैं। अब आका खुश रहे यही तो जिम्मेदारी है अधीनस्थ की।

ठेकेदारों सहित सप्लायरों की भी जेब होती है जमकर ढीली

दीपावली में ठेकेदारों और सप्लायरों की भी जेबें जमकर ढीली होती हैं,जगह जगह कार्यालय कार्यालय तक मिठाइयां,पटाखे और नकद उपहार बख्शीस पहुंचाने की जिम्मेदारी वह बखूबी निभाते हैं क्योंकि वह जानते हैं इसके बिना सब कुछ सही नहीं हो सकता,काम अच्छा हो न हो सामान अच्छा हो न हो मिठाई और वजनदार बख्शीस से ही कार्य और सामानों की गुणवत्ता तय होती है,यदि वह ऐसा न करें तो उनकी अगली पिछली कई किस्तें भुगतान की प्रभावित हो जाएंगी और वह नुकसान में चले जाएंगे।

नेताओं के यहां सभी का पहुंचना है उपहार,कोई नकद कोई मीठे मिठाई की संभालता है कमान

बताया जाता है दीपावली के दौरान नेताओं को भी उपहार प्रदान किए जाने की परंपरा है,यह उपहार कौन पहुंचाता है समझा जा सकता है,कोई नकद की जिम्मेदारी संभालता है कोई मीठे मिठाई के वजन का भार उठाया है,ऐसा न करने पर कुर्सी जाने का डर उसे सताता है,नेताओं के यहां सभी का पहुंचना अनिवार्य होता है बस खाली हांथ पहुंचने पर वह जानते हैं क्या होता है।

बिहार में तेजस्वी के नाम पर मुहर मजबूरी भरी स्वीकृति

ललित गर्ग

बिहार विधानसभा चुनाव में मतदान की तिथियां जैसे-जैसे नजदीक आती जा रही है,चुनाव के सतरंगी रंग देखने को मिल रहे हैं। बिहार की राजनीति में आखिरकार उस घोषणा का रंग भी देखने को मिल ही गया,जिसका सबको इंतज़ार था। आखिरकार तेजस्वी यादव को महागठबंधन की ओर से मुख्यमंत्री पद का चेहरा घोषित कर दिया गया है। यह निर्णय 'देर आए, दुरुस्त आए' की कहावत को चरितार्थ करता है। लंबे समय से इस पर राजनीतिक अटकलें लगाई जा रही थीं कि कांग्रेस क्या तेजस्वी के नेतृत्व को खुले तौर पर स्वीकार करेगी या नहीं? अंततः उसने तेजस्वी पर भरोसा जताया,पर यह भरोसा एक प्रकार की मजबूरी भरी स्वीकृति भी लगती है, न कि उत्साहपूर्ण गठबंधन की रचनात्मक एकजुटता। यह घोषणा कांग्रेस नेता अशोक गहलोत की ओर से की गई। इसी के साथ विकासशील इंसान पार्टी यानी वीआइपी के प्रमुख मुकेश सहनी को डिप्टी सीएम का चेहरा घोषित किया गया। अशोक गहलोत की इस घोषणा से पता चलता है कि बिहार में कांग्रेस की स्थिति मजबूत नहीं है,उसने मुख्यमंत्री का चेहरा अनिच्छा से ही उजागर नहीं किया था,इस अनिच्छा से यही झलका कि कांग्रेस अभी भी गठबंधन राजनीति के धर्म का मर्म समझने में उलझी है,यह राहुल गांधी की नाकाम राजनीति का भी द्योतक है,ऐसे मामलों में वे अपरिपक्वता का ही परिचय देते रहे हैं। क्या कांग्रेस ऐसा कुछ मानकर चल रही थी कि महागठबंधन के जीतने की सूरत में तेजस्वी यादव के अतिरिक्त अन्य कोई मुख्यमंत्री का दावेदार हो सकता है? उसे यह नहीं भूलना चाहिए कि वह बिहार में अपनी राजनीतिक महत्ता बनाए रखने के लिए राजद पर ही निर्भर है। उसकी ऐसी ही निर्भरता अन्य राज्यों में भी वहां के क्षेत्रीय दलों पर है। जब तक वह अपने बलबूते चुनाव लड़ने की सामर्थ्य नहीं जुटा लेती,तब तक उसे उन्हें दबाव में लेने की चेष्टा नहीं करनी चाहिए। उसके पास न प्रभावशाली चेहरा है, न जनाधार। हाल के चुनावों में उसका प्रदर्शन लगातार निराशाजनक रहा है। ऐसे में कांग्रेस के पास कोई विकल्प नहीं था कि वह नेतृत्व की भूमिका की बजाय सहयोगी भूमिका निभाए। तेजस्वी यादव के रूप में राजद आज बिहार

में विपक्ष की सबसे बड़ी ताकत है। यह भी एक वास्तविकता है कि जिस तरह से नीतीश कुमार का जनाधार खिसक रहा है,तेजस्वी उस रिक्त स्थान को भरने की क्षमता रखते हैं। तेजस्वी यादव ने पिछले कुछ वर्षों में अपने नेतृत्व को निखारा है। उन्होंने 'नौकरी,विकास और सम्मान' जैसे मुद्दों को अपने राजनीतिक विमर्श का केंद्र बनाया है। उनकी भाषा में युवाओं की बेचैनी,बेरोज़गारी का दर्द और अवसरों की तलाश झलकती है। बिहार के युवा अब जातीय राजनीति से ऊपर उठकर रोज़गार और जीवन की गुणवत्ता के सवाल पूछने लगे हैं,और तेजस्वी इन्हीं सवालों को अपनी ताकत बना रहे हैं। हाल के वर्षों में उनके तेवर में जो परिपक्वता आई है, वह बताती है कि वे अब सिर्फ 'लालू के पुत्र' नहीं, बल्कि स्वयं का राजनीतिक ब्रांड बन चुके हैं।

उनका 'जनादेश' अब सिर्फ परंपरा या पारिवारिक विरासत पर आधारित नहीं है,बल्कि नये बिहार की आकांक्षाओं से जुड़ने की कोशिश है। एनडीए ने पहले ही अपने पत्ते खोल दिए थे और सीट बंटवारे की घोषणा कर दी थी। लेकिन,उन्होंने किसी एक चेहरे को मुख्यमंत्री उम्मीदवार के तौर पर पेश नहीं किया है। यह अपने आप में एक बड़ा बदलाव है,क्योंकि पिछले दो दशकों से नीतीश कुमार ही एनडीए का चेहरा रहे हैं। महागठबंधन ने तेजस्वी को सीएम उम्मीदवार बनाकर एनडीए पर दबाव बनाने की कोशिश की है। यह चुनाव बिहार के लिए बहुत महत्वपूर्ण एवं दिलचस्प है और इसमें वादों का दौर भी जारी है। नीतीश सरकार ने कई घोषणाएं की हैं,तो वहीं तेजस्वी यादव ने भी जनता से कई वादे किए हैं। महागठबंधन का घोषणापत्र आने वाला है,जिसमें कई बड़े वादे होने की उम्मीद है। यह देखना दिलचस्प होगा कि जनता किस वादे पर भरोसा करती है और बिहार का अगला मुख्यमंत्री कौन बनता है। ताजा परिदृश्यों में प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी एवं भाजपा के विकास की राजनीति ही बढ़त बनाये हुए है। भाजपा ने बिहार में धीरे-धीरे अपना जनाधार बढ़ाया है,अब भी वह स्वतंत्र चुनाव न लड़कर क्षेत्रीय दलों के सहारे आगे बढ़ रही है। भले ही नीतीश कुमार,जिन्होंने वर्षों तक 'सुशासन बाबू' की छवि से राजनीति की,अब थके हुए और अविश्वसनीय से प्रतीत होने लगे हैं। बार-बार गठबंधन बदलने,राजनीतिक अवसरवाद और प्रशासनिक निष्क्रियता ने उनकी साख को गहरी चोट पहुंचाई है। जनता अब बदलाव चाहती है। यह बदलाव किस रूप में सामने आयेगा,यह भविष्य के गर्भ में हैं। यदि यह बदलाव तेजस्वी के नेतृत्व में संभव होता है तो यह केवल सत्ता परिवर्तन नहीं, बल्कि राजनीतिक पीढ़ी परिवर्तन भी होगा। हालांकि तेजस्वी के चेहरे पर सहमति एक सकारात्मक संकेत है,लेकिन यह गठबंधन की एकजुटता की गारंटी नहीं। कांग्रेस और वाम दलों के बीच सीट बँटवारे को लेकर असहमति फिर उभर सकती है। बिहार का मतदाता जातीय समीकरणों से प्रभावित रहता है, और भाजपा-जेडीयू गठबंधन इस बिंदु पर अब भी मजबूत स्थिति में है। इसके अलावा,तेजस्वी को छवि सुधार और जनसंपर्क के नए मॉडल पर भी काम करना होगा- भ्रष्टाचार,परिवारवाद और अस्थिरता के पुराने आरोपों से वे अब भी पूरी तरह मुक्त नहीं हुए हैं। अगर वे इस बार भी भावनाओं की राजनीति पर अटके रहे,तो जनता का भरोसा खिसक सकता है।

रवींद्र कुमार शर्मा
घुमारवीं
जिला बिलासपुर हि प्र

मिट रहा गांवों का नामोनिशान

भले ही बसते हैं बहुत कम लोग उसमें
पर पेड़ों से भरा बहुत सुंदर है मेरा गांव
जब मैं पढ़ता था अपने गांव के स्कूल में
नीचे होती थी टाट पट्टी ऊपर थी बट बृक्ष की छांव

पीने को मिलता है बौड़ी का स्वच्छ जल
बैलों के साथ चलता था खेतों में कभी हल
खेत खलिहान अब पड़े हैं सब वीरान
कड़कती धूप में कौन करे काम
आराम में बीतता है हर पल

बौडी थी जो अब दब गई है जमीन के नीचे
नल के पानी का कर रहे दुरुपयोग आंखे मीचे
बून्द बून्द को तरसोगे जब नहीं मिलेगा पानी
दूसरों का बन्द करके पानी खुद क्यारियां सींचे

सड़क से था मेरा गांव बहुत दूर
अब तो सड़क पहुंच गई है घर द्वार
पैदल चलने को थे सब मजबूर
पगडंडी पर भी पड़ गई अब वक्त की मार

अब तो पैदल नहीं चलते झट से टैक्सी हैं बुलाते
बस पगडंडी ही थी जिससे सब थे आते जाते
अब तो घर के अंदर ही बन गए हैं बाथ रूम
पहले बौड़ी और कुएं पर थे ताजे पानी से नहाते

पहले शहर के लोग देखने आते थे गांव
तब पीने को शुद्ध पानी और मिलती थी ठंडी छांव
अब तो कट गए पेड़ पहाड़ो के बन गए मैदान
धीरे धीरे शहर बढ़ रहे मिट रहा गांवों का नामोनिशान

योगी पर भारी पड़ सकती है संघ और संगठन से दूरी

अजय कुमार

उत्तर प्रदेश की राजनीति में योगी आदित्यनाथ आज एक ऐसा नाम बन चुके हैं,जो अनुशासन,प्रशासनिक सख्ती और हिंदुत्व के प्रतीक के रूप में देखा जाता है। 2017 में,जब उन्होंने राज्य की कमान संभाली थी,तब यह माना जा रहा था कि संघ और भारतीय जनता पार्टी के केंद्रीय नेतृत्व ने एक युवा और दृढ़ नेतृत्व को आगे रखा है,जो कानून व्यवस्था को सुधार सके। लेकिन आज,अपने दूसरे कार्यकाल के तीन साल पूरे करने के बाद,योगी की राजनीतिक यात्रा कई नए संकेत दे रही है, जिसमें उनकी स्वतंत्र कार्यशैली,पार्टी के भीतर की खींचतान,और केंद्र से बढ़ती दूरी स्पष्ट झलकती है। योगी आदित्यनाथ ने मुख्यमंत्री बनने के बाद से ही प्रशासनिक स्तर पर कठोर निर्णयों के लिए ख्याति अर्जित की है। अपराध नियंत्रण,अवैध निर्माणों पर कार्रवाई, माफिया राज के खिलाफ जीरो टॉलरेंस नीति और हिंदू गौरव के मुद्दों पर उनकी आक्रामक छवि ने उन्हें जनता में लोकप्रिय बनाया। उन्होंने नौकरशाही को अपने नियंत्रण में रखा और निर्णय प्रक्रिया में राजनीतिक हस्तक्षेप को सीमित किया। यही कारण है कि जनता के बीच उनकी छवि कड़े प्रशासक और निर्भीक नेता की बन चुकी है। परंतु यह वही शैली है जिससे संगठन के भीतर असहजता भी महसूस की जा रही है। भाजपा के कई विधायक और संगठन के जिम्मेदार पदाधिकारी बार-बार यह शिकायत करते हैं कि योगी सरकार में उनकी सुनवाई नहीं होती। थानों से लेकर जिला स्तर के अफसरों तक,विधायकों को हस्तक्षेप का अधिकार लगभग समाप्त हो चुका है। योगी सरकार में दो उपमुख्यमंत्री हैं,केशव प्रसाद मौर्य और बृजेश पाठक। दोनों ही प्रदेश राजनीति के अलग-अलग सामाजिक समीकरणों का प्रतिनिधित्व करते हैं। केशव ओबीसी और बृजेश ब्राह्मण वर्ग से आते हैं। लेकिन पिछले कुछ समय से यह चर्चा आम है कि इन दोनों नेताओं और योगी के बीच संबंध सामान्य नहीं हैं। केशव प्रसाद मौर्य कई बार सोशल मीडिया पर ऐसे ट्वीट कर चुके हैं,जिन्हें राजनीतिक संकेत के रूप में देखा गया। वहीं बृजेश पाठक पिछले कुछ महीनों में अपने अलग कार्यक्रम और कार्यशैली के चलते सीमित राजनीतिक संपर्क बनाए हुए हैं। ये घटनाएँ इस धारणा को मजबूत करती हैं कि योगी ने सरकार को पूरी तरह अपने नियंत्रण में रखा है,जिससे सहयोगी मंत्री केवल औपचारिक भूमिका निभा रहे हैं। पिछले कुछ महीनों में केंद्र और लखनऊ के बीच संवाद की कमी पर राजनीतिक हलकों में कई सवाल उठे हैं। केंद्रीय मंत्रियों का उत्तर प्रदेश के दौरों में कमी आना, योगी का राष्ट्रीय कार्यक्रमों से अक्सर अलग रहना और केंद्रीय नेतृत्व के बयानों में योगी का नाम कम आना,इन सब संकेतों ने यह अटकलें तेज की है कि दिल्ली योगी से बहुत प्रसन्न नहीं है। हालांकि भाजपा का आधिकारिक रुख हमेशा यह कहता रहा है कि केंद्र और राज्य में कोई मतभेद नहीं है,लेकिन राजनीतिक विश्लेषक मानते हैं कि योगी का आत्मनिर्भर मॉडल,यानी बिना केंद्रीय दबाव के निर्णय लेना,पार्टी की पारंपरिक संरचना को चुनौती देता है। भाजपा का संगठनात्मक ढांचा सामूहिक निर्णय की संस्कृति पर चलता है,जबकि योगी का प्रशासन टॉप-डाउन मॉडल पर आधारित है। प्रदेश के विधायकों में यह भावना बढ़ रही है कि अफसरशाही के ऊपर उनका नियंत्रण नाममात्र का रह गया है। विधायक अपने क्षेत्र में शिकायतें करते हैं कि थानेदार,एसडीएम या डीएम तक उनकी बात नहीं सुनते। मुख्यमंत्री कार्यालय ने शिकायत निवारण तंत्र तो सशक्त बनाया है।

सुविचार

शब्दो की ताकत को कम मत आँकिए साहब...क्योंकि छोटी सी "हाँ" और छोटी सी "ना" पूरी ज़िंदगी बदल देता है..
सुप्रभात...

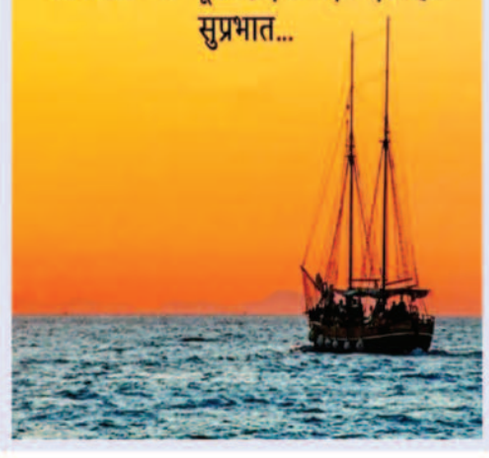

अंतर्राष्ट्रीय कलाकार दिवस कला को जानने का दिन

संजय गोस्वामी
अनुशक्तिनगर, मुंबई

हर साल अंतर्राष्ट्रीय कलाकार दिवस 25 अक्टूबर को मनाया जाता है, 25 अक्टूबर को मनाया जाने वाला अंतर्राष्ट्रीय कलाकार दिवस कलाकारों और उनके योगदान का सम्मान करता है। यह दिन सबसे प्रसिद्ध कलाकारों में से एक,पाब्लो पिकासो,जिनका जन्म 25 अक्टूबर,1881 को हुआ था,उनके सम्मान में कलाकार दिवस मनाया जाता है। पाब्लो पिकासो विपुल रचनाकार,वे मुख्यतः एक चित्रकार थे, लेकिन उन्होंने प्रभावशाली मूर्तिकला,चित्रकला, मुद्रण,चीनी मिट्टी की चीज़ें और रंगमंचीय डिज़ाइन के साथ-साथ कविताएँ और कला पर भी लेखन किया।कलाकार अपनी कृतियों को रचने के लिए कड़ी मेहनत करते हैं। वे हमारे आसपास की दुनिया में सुंदरता भरते हैं। ज़्यादातर कलाकार कई अलग-अलग माध्यमों से काम करते हैं। इतना ही नहीं, कलाकार शब्द में चित्रकार,फ़ोटोग्राफ़र,मूर्तिकार, संगीतकार,नर्तक,लेखक,अभिनेता,डिजिटल कलाकार और बहुत कुछ शामिल हैं। जब कोई रचनात्मक प्रतिभा के साथ पैदा होता है,तो उसकी रचनात्मकता कई अलग-अलग क्षेत्रों में प्रवाहित होती है। उदाहरण के लिए,पिकासो एक चित्रकार, मूर्तिकार,सिरेमिक कलाकार,कवि और नाटककार थे। कला रचनात्मक या कल्पनाशील प्रतिभा का उपयोग करके बनाई गई सांस्कृतिक गतिविधि है, जिसमें भावनात्मक शक्ति,तकनीकी दक्षता या सुंदरता की अभिव्यक्ति के माध्यम से एक सार्थक अनुभव उत्पन्न करने की उम्मीद की जाती है। यह एक कौशल है जिसमें शारीरिक और मानसिक दक्षता का उपयोग होता है। कला में चित्रकला,मूर्तिकला, साहित्य,संगीत और नृत्य जैसे विविध रूप शामिल हैं। कला की परिभाषा और महत्व अभिव्यक्ति का माध्यमः कला मानवीय भावनाओं,विचारों और अनुभवों को व्यक्त करने का एक शक्तिशाली माध्यम है। कौशल और कल्पनाः यह कौशल और कल्पना का एक संयोजन है जो विभिन्न रूपों में प्रकट होता है। सांस्कृतिक और भावनात्मक लाभः कला तनाव कम करने,मानसिक शांति देने और भावनाओं को बेहतर ढंग से समझने में मदद करती है। यह संस्कृति और परंपराओं को संजोने और अगली पीढ़ी तक पहुंचाने का भी एक साधन है। कला के प्रकार दृश्य कलाः इनमें चित्रकला, मूर्तिकला,ड्राइंग,फोटोग्राफी और वास्तुकला शामिल हैं। प्रदर्शन कलाः इनमें नृत्य,संगीत,रंगमंच और अभिनय शामिल हैं। साहित्यः इसमें कविता,नाटक और कहानियाँ शामिल हैं। हस्तशिल्पः इसमें उपयोगी और सुंदर वस्तुएँ बनाना शामिल है। कला के तत्व कला के सात मुख्य तत्व हैंः रेखाः विकर्ण, ऊर्ध्वाधर और लहरदार रेखाएं। आकारः द्विविमीय रूप। स्थान): वस्तुओं के बीच और आसपास का क्षेत्र। मूल्यः रंग की हल्कापन या गहरापन। रूपः त्रि-आयामी वस्तुएँ। बनावटः सतह का अनुभव। रंगः रंगों का उपयोग आदि शामिल है । कला का उद्भव लिखित कृतियों से बहुत पहले हुआ था। आदिकाल से ही,कला विचारों का संचार करती रही है और महत्वपूर्ण घटनाओं का अभिलेख रखती रही है। कला अतीत से जुड़ाव प्रदान करती है। कलाकार हमारे इतिहास को अमिट रूप से दर्ज करते हैं। वे सत्य को भी उजागर करते हैं। अपने काम के माध्यम से,वे कहानियाँ सुनाते हैं और परंपराओं को आगे बढ़ाते हैं। कलाकारों के पास अपने आसपास के लोगों से जुड़ने का एक अनूठा तरीका होता है। बुरी खबरों से भरी इस दुनिया में,उनकी सबसे महत्वपूर्ण भूमिकाओं में से एक आशा का संदेश देना है।

सूचना

समाचार पत्र में छपे समाचार एवं लेखों पर सम्पादक की सहमति आवश्यक नहीं है। हमारा ध्येय तथ्यों के आधार पर सटिक खबरें प्रकाशित करना है न कि किसी की भावनाओं को ठेस पहुंचाना। सभी विवादों का निपटारा अम्बिकापुर न्यायालय के अधीन होगा।
-सम्पादक

CMYK

बुजुर्ग दम्पति की हत्या के मामले मे शामिल

2 आरोपी चंद घंटे के भीतर गिरफ्तार...

वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक सरगुजा के दिशा निर्देशन मे थाना दरिमा एवं साइबर सेल पुलिस टीम की संयुक्त कार्यवाही

-संवाददाता-
अम्बिकापुर,24 अक्टूबर 2025 (घटती-घटना)।

मामले के संबंध में बताया गया कि दिनांक 23/10/25 को सूचना मिली कि ग्राम कुम्हरता घाघी में एक घर में पति पत्नी का शव मृत हालत में पड़ा है सूचना पर तत्काल हमराह स्टाप के साथ रवाना होकर घटना स्थल ग्राम कुम्हरता घाधी पहुंच कर सूचना तस्दीक किया गया,प्रार्थी दुहन लकडा आत्मज रघुवीर लकडा उम्र 45 वर्ष साकिन कुम्हरता घाधी थाना दरिमा द्वारा मौखिक रिपोर्ट दर्ज कराया कि प्रार्थी ग्राम कुम्हरता घाधी में रहता है खेती किसानी व मजदुरी का काम करता है, प्रार्थी के बडा भाई रिमा लकडा अपनी पत्नी उर्मिला उर्फ जूली लकडा के साथ प्रार्थी के घर से करीबन आधा कि. मी. की दूरी पर रहता था, प्रार्थी के भाई एवं भाभी का कोई संतान नही था कि दिनांक 22/10/25 के शाम को प्रार्थी के भाई एवं भाभी अपने बकरीयों को चराकर बकरीयों को घर के अंदर करने के बाद अपने घर में थे कि दिनांक 23/10/25 को ग्राम नवापारा निवासी घुरसाय लकडा प्रार्थी के घर आये तथा प्रार्थी को बताया कि घुरसाय धान काटने के लिए मजदुर का पता करने प्रार्थी के भाई रिमा लकडा के घर गया था तो रिमा लकड़ा के घर के बाहर का दरवाजा में सिकड़ी लगा था घुरसाय आवाज दिया तो कोई आवाज नहीं आने के बाद सिकडी खोलकर घर के अंदर जा कर देखा घर के परछी में रिमा लकडा तथा उसकी पत्नी उर्मिला उर्फ जुली का शव जमीन में बिछे चटाई पर मृत हालत में पड़ा है घुरसाय के द्वारा इस प्रकार की घटना बताने पर प्रार्थी तुरंत उनके साथ अपने भाई के घर अंदर जा कर देखा तो प्रार्थी का भाई एवं भाभी का शव घर के परछी मे दरी ऊपर पड़ा था, कि अज्ञात आरोपी प्रार्थी के भाई तथा भाभी की हत्या कर बकरी ले गया है दोनो का शव कम्बल से ढका हुआ है, प्रार्थी की रिपोर्ट पर मौके पर देहाती नालसी चाक किया गया,वापसी बाद मामले मे थाना दरिमा मे अप.क्र.159/25 धारा 103(1) बीएनएस का अपराध पंजीबद्ध कर विवेचना मे लिया गया। मामले को संज्ञान में लेकर वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक सरगुजा श्री राजेश कुमार अग्रवाल (भा.पु.से.) द्वारा थाना दरिमा पुलिस टीम को मामले में त्वरित कार्यवाही कर आरोपियों को शीघ्र गिरफ्तार किए जाने के दिशा निर्देश दिए गए थे,इसी क्रम में थाना दरिमा पुलिस टीम द्वारा घटनास्थल का निरीक्षण कर मामले के आरोपियों का पता तलाश किया जा रहा था दौरान पता तलाश पुलिस टीम के सतत् प्रयास से प्रकरण के दोनों आरोपियों को चंद घंटे की भीतर पड़कर पूछताछ किया गया जो आरोपियों द्वारा अपना नाम (01) करीमन मझवार आत्मज कमल साय उम्र 42 वर्ष साकिन पम्पापुर थाना दरिमा (02) जय श्याम आत्मज लखन राम मझवार उम्र 28 वर्ष साकिन पम्पापुर थाना दरिमा का होना बताये,आरोपियों से घटना के सम्बन्ध मे पूछताछ किए जाने पर घटना कारित किया जाना स्वीकार करते हुए बताये कि दिनांक 22/10/25 की रात्रि मे आरोपी करीमन अपने भतीजा जय श्याम से बोला की ग्राम कुम्हरता धाघी के रहने वाले परिचित रिमा लकड़ा के घर पर बहुत से बकरा-बकरी है चलो चुरा कर ले आते हैं तब दोनो आरोपीगण रात के तकरीबन 11:00 बजे रिमा लकड़ा के घर पर पहुंचे और दरवाजा खटखटाये तब रिमा लकड़ा दरवाजा खोला तब दोनों आरोपीगण वहीं सोने के लिये जगह मांगे और वहीं आराम करने लगे जब रिमा लकड़ा और उसकी पत्नि सो गये तब आरोपी करीमन और जय श्याम देर रात रिमा लकड़ा के बकरा को चोरी कर ले जाने के लिये उठे और वहीं घर पर रखे कुल्हाड़ी के पासा से जय श्याम रिमा लकड़ा की पत्नि के सिर में मार दिया और आरोपी करीमन घर पर रखे दुसरे कुल्हाड़ी के पासा से रिमा लकड़ा के सिर पर मार कर हत्या कर दिए, इसके बाद दोनों आरोपीगण घर पर रखे 01 रास बकरा को मार कर अपने कंधे में रखकर और कुल्हाड़ी को हांथ में पकड़कर मौक़े से निकलकर रात 02:00 बजे ग्राम कुम्हरता धटीलड़ाड़ के रहने वाले शंकर मझवार के घर जाकर दरवाजा खुलवाये और वहीं सो गये और सुबह बकरा को खा गए और कुछ मांस को आसपास गांव में बेच दिए है, आरोपियों के निशानदेही पर घटना मे प्रयुक्त 02 नग लोहे का टांगी जप्त किया गया है,आरोपियों के विरुद्ध अपराध सबूत पाए जाने से प्रकरण में आरोपियों को गिरफ्तार कर माननीय न्यायालय के समक्ष पेश किया जाता है। सम्पूर्ण कार्यवाही में थाना प्रभारी दरिमा निरीक्षक राजेश खलखो,उप निरीक्षक सत्येंद्र सिंह, सहायक उप निरीक्षक अजीत मिश्रा,प्रधान आरक्षक भोजराज पासवान्, आरक्षक मनीष सिंह,अशोक यादव,रमेश राजवाड़े, दसमयलाल केरकेट्टा,बन्दे केरकेट्टा, मनोहर कुमार,अशोक कुजूर, शेरशाह मिंज, सक्रिय रहे।

केंद्रीय जेल से वायरल वीडियो पर मचा बवाल,जेल अधीक्षक ने एसपी को लिखा पत्र

-संवाददाता-
अम्बिकापुर,24 अक्टूबर 2025 (घटती-घटना)।

वायरल वीडियो ने पूरे पुलिस और जेल प्रशासन की कार्यप्रणाली पर गंभीर सवाल खड़े कर दिए हैं। वीडियो में मारपीट के मामले में गिरफ्तार और जिलाबदर घोषित आरोपी अंश पंडित उर्फ जय आदित्य तिवारी को जेल परिसर के भीतर, मुख्य द्वार के पास मोबाइल फोन पर बात करते हुए देखा जा सकता है। इस वायरल वीडियो के बाद जेल प्रशासन हरकत में आया है। केंद्रीय जेल अधीक्षक, अंबिकापुर ने इस प्रकरण को गंभीरता से लेते हुए पुलिस अधीक्षक सरगुजा को पत्र जारी कर उचित पहल करने का आग्रह किया है।

जारी पत्र में कहा गया है कि जेल परिसर प्रतिबंधित क्षेत्र की श्रेणी में आता है,जहाँ मोबाइल और अन्य इलेक्ट्रॉनिक गैजेट्स का उपयोग पूरी तरह प्रतिबंधित है। इसके बावजूद पुलिस कर्मचारियों द्वारा नियमों की अनदेखी की जा रही है। सोशल मीडिया में वायरल वीडियो इसका प्रमाण है। अधीक्षक ने स्पष्ट लिखा है कि इस घटना से पुलिस और जेल प्रशासन दोनों की छवि धूमिल हुई है और यह स्वच्छ प्रशासनिक व्यवस्था के विपरीत है। उन्होंने पुलिस अधीक्षक से आग्रह किया है कि नव प्रवेश बंदियों को जेल में लाने वाले पुलिस कर्मियों को सख्त हिदायत दी जाए, ताकि भविष्य में इस तरह की अवैध गतिविधियां दोबारा न हों।इस पत्र की एक प्रतिलिपि पुलिस महानिरीक्षक, सरगुजा संभाग को भी भेजी गई है, जिससे मामले की गंभीरता का अंदाज लगाया जा सकता है। फिलहाल, सोशल मीडिया में वायरल यह वीडियो शहरभर में चर्चा का विषय बना हुआ है और लोग सवाल उठा रहे हैं कि प्रतिबंधित जेल क्षेत्र में एक आरोपी के हाथ में मोबाइल आखिर कैसे पहुंचा?

कॉलोनीवासियों ने हाउसिंग बोर्ड के अपर आयुक्त को सौंपा ज्ञापन

-संवाददाता-
अम्बिकापुर,24 अक्टूबर 2025 (घटती-घटना)।

अटल विहार कॉलोनी,सरगवां में बाउंड्रीवाल का निर्माण नहीं होने के कारण कॉलोनीवासियों में असुरक्षा की भावना उत्पन्न हो रही है। छत्तीसगढ़ गृह निर्माण मंडल द्वारा निर्मित इस कॉलोनी में बाउंड्रीवाल नहीं होने के कारण आसामाजिक तत्वों का आना-जाना लगा रहता है, जिससे कॉलोनीवासी परेशान हैं। सुरक्षा के लिहाज से कॉलोनीवासियों ने अपने खर्च पर सुरक्षा गार्ड नियुक्त कर रखा है, जो कॉलोनी में आने-जाने वाले लोगों का रजिस्टर में रिकॉर्ड रखते हैं। गुरुवार को कॉलोनी में एक मालवाहक वाहन के प्रवेश को रोकने पर कुछ आस-पास के लोग गार्ड के साथ गाली-गलौज करने लगे और विवाद उत्पन्न कर दिया। इस दौरान कॉलोनी के अध्यक्ष प्रमोद श्रीवास्तव और अन्य लोग समझाइश देने पहुंचे, लेकिन उन्हें भी विवाद का सामना करना पड़ा। इससे क्षुब्ध होकर कॉलोनीवासियों ने शुक्रवार को हाउसिंग बोर्ड कार्यालय पहुंचकर अपर आयुक्त एमडी पंचारिया से मुलाकात की और ज्ञापन सौंपकर अपनी समस्याएं बताईं। ज्ञापन में कॉलोनीवासियों ने बताया कि बाउंड्रीवाल का निर्माण न होने के कारण इन विवादों की स्थिति उत्पन्न हो रही है। कॉलोनीवासियों ने बताया कि पिछले तीन वर्षों से इस मुद्दे को लेकर विभाग का चक्कर लगा रहे हैं पर हमारी बातें सुनी नहीं जा रही है। जबकि घर बेचने के दौरान विभाग ने बाउंड्रीवाल निर्माण कराकर देने की बात कही थी और इसके लिए भवन के मूल्य के साथ बाउंड्रीवाल के भी रुपए लिए हैं। इसके बावजूद बाउंड्रीवाल का निर्माण नहीं कराया जा रहा है और कॉलोनीवासियों को असुरक्षा का महसूस करना पड़ रहा है। अपर आयुक्त ने बताया कि बाउंड्रीवाल निर्माण के लिए टेंडर जारी कर दिया गया है और निविदा प्रक्रिया 6 अक्टूबर तक पूरी कर ली जाएगी। इस के बाद 10 नवंबर तक काम शुरू हो जाएगा। कॉलोनी के अध्यक्ष ने अपर आयुक्त से अनुरोध किया कि कम से कम चिन्हित क्षेत्र की मार्किंग की प्रक्रिया पूरी कर दी जाए, ताकि ठेकेदार को काम में कोई दिक्कत न हो। इस पर अपर आयुक्त ने विभाग के ईई को निर्देश दिए हैं कि वे जल्दी से चिन्हांकन कार्य पूरा कराएं।

हत्या के प्रयास के मामले मे शामिल आरोपी गिरफ्तार...

थाना कोतवाली पुलिस टीम द्वारा मामले मे आरोपी के विरुद्ध की गई सख्त वैधानिक कार्यवाही, गाड़ी चलाने की बात को लेकर हुए विवाद के कारण आरोपी द्वारा अपने अन्य साथी के साथ मिलकर कारित की गई थी घटना

-संवाददाता-
अम्बिकापुर,24 अक्टूबर 2025 (घटती-घटना)।

मामले के संबंध में बताया गया है कि दिनांक 22/10/25 को प्रार्थी अंशु कुमार जायसवाल साकिन घुटरापारा थाना अम्बिकापुर का थाना उपस्थित आकर रिपार्ट दर्ज कराया कि दिनांक 22/10/25 को देर रात्रि प्रार्थी के मोहल्ले के युवक प्रार्थी को फोन कर बताये कि प्रार्थी का भाई संजीव जायसवाल अभिनय टाकिज के पास अंकुर ट्रेडर्स के सामने मेन रोड में गिरा पड़ा है, जिसे मोहल्ले के युवकों द्वारा ईलाज कराने हेतु जिला अस्पताल ले जा रहे हैं तब प्रार्थी अपनी मां के साथ जिला अस्पताल अम्बिकापुर जाकर देखा तो प्रार्थी के भाई के सिर पर चोट के निशान था, प्रार्थी के भाई संजीव जायसवाल को अज्ञात नीले रंग का बलेनो कार का चालक एवं उसका एक साथी चांदनी चौक से पीछा करते हुए अभिनव टाकिज के पास अंकुर ट्रेडर्स के सामने मेन रोड के पास पहुंचे और प्रार्थी के भाई के मोटरसायकल के सामने रास्ता रोक कर गाली गलौज करते हुए मारपीट कर हत्या का प्रयास कारित किये है। मामले मे प्रार्थी के रिपोर्ट पर थाना कोतवाली मे अपराध क्रमांक 792/25 धारा 296, 351(3), 115(2), 126(2), 109(1), 3(5) बी.एन.एस. का अपराध पंजीबद्ध कर विवेचना मे लिया गया। दौरान विवेचना पुलिस टीम द्वारा घटना स्थल का निरीक्षण कर प्रार्थी से पुछताछ कर कथन लिया गया जो अपने कथन में प्रथम सूचना पत्र को ताईत करते हुये बताया की उक्त नीले रंग की बोलेनो का नम्बर जेएच/01/ईडी /0706 है। बाद उक्त कार के स्वामी प्रथम केसरवानी को पुलिस अभिरक्षा में लेकर पुछताछ किया गया, जो आरोपी द्वारा अपना नाम प्रथम केशरवानी आत्मज प्रमोद गुप्ता उम्र 27 वर्ष साकिन स्टेट बैंक गली थाना कोतवाली अंबिकापुर का होना बताया,आरोपी से घटना के संबंध में पूछताछ करने पर बताया कि घटना दिनांक को गाड़ी चलाने की बात को लेकर हुए विवाद के कारण आहत को अपने साथी के साथ मिलकर घटना कारित किया जाना स्वीकार किया गया एवं घटना मे प्रयुक्त वाहन को अपने घर पर रखना बताया जो आरोपी के कब्जे से घटना में प्रयुक्त कार एवं कार की डिक्की से घटना में प्रयुक्त डंडा जप्त किया गया है, मामले मे शामिल एक अन्य आरोपी घटना दिनांक से फरार है, जिसका पता तलाश किया जा रहा है,फरार आरोपी को शीघ्र गिरफ्तार कर लिया जायगा। सम्पूर्ण कार्यवाही मे थाना प्रभारी कोतवाली निरीक्षक शशिकान्त सिन्हा, सहायक उप निरीक्षक अभिषेक दुबे आरक्षक नितिन सिन्हा, विवेक राय, अतुल सिंह, सक्रिय रहे।

धरमलाल कौशिक और चिंतामणि महाराज ने दी जानकारी, पुष्पेंद्र कुलश्रेष्ठ 12 नवम्बर को अंबिकापुर में करेंगे उद्बोधन

लौह पुरुष सरदार पटेल की 150वीं जयंती पर लोकसभा स्तरीय कार्यक्रमों की रूपरेखा तय,भाजपा पदाधिकारियों की बैठक में तय हुई पदयात्रा, स्वच्छता अभियान और सरदार पटेल के जीवन से जुड़े जनजागरण कार्यक्रमों की रूपरेखा

-संवाददाता-
अम्बिकापुर,24 अक्टूबर 2025 (घटती-घटना)।

आज सर्किट हाउस के कॉन्फ्रेंस हॉल में लौह पुरुष सरदार वल्लभभाई पटेल की 150वीं जयंती के अवसर पर लोकसभा स्तरीय विभिन्न कार्यक्रम विषय पर प्रेस वार्ता आयोजित की गई। इस अवसर पर विधायक एवं पूर्व विधानसभा अध्यक्ष धरमलाल कौशिक और सरगुजा सांसद चिंतामणि महाराज ने संयुक्त रूप से प्रेस को संबोधित किया। प्रेस वार्ता से पूर्व सरगुजा संसदीय क्षेत्र के तीनों जिलों–सरगुजा, बलरामपुर और सूरजपुर के भाजपा पदाधिकारियों की बैठक आयोजित की गई, जिसमें कार्यक्रम की विस्तृत रूपरेखा तैयार की गई। प्रेस को संबोधित करते हुए धरमलाल कौशिक ने कहा कि सांसद चिंतामणि महाराज के नेतृत्व में लोकसभा स्तरीय कार्यक्रमों का आयोजन किया जाएगा, जिसमें आठों विधानसभा क्षेत्रों में समाज के विभिन्न वर्गों के साथ भाजपा कार्यकर्ता और पदाधिकारी पदयात्रा करेंगे। इस दौरान स्वच्छता जागरूकता कार्यक्रम, विद्यालयों की सफाई तथा नाटक और नुक्कड़ नाटकों के माध्यम से सरदार वल्लभभाई पटेल के जीवन, संघर्ष और राष्ट्र निर्माण में उनके योगदान को जन-जन तक पहुंचाया जाएगा। श्री कौशिक ने कहा कि सरदार पटेल ने अपनी दूरदर्शिता और दृढ़ इच्छाशक्ति से 565 रियासतों का शांतिपूर्ण विलय कर भारत को एकसूत्र में पिरोया,यही संदेश समाज तक पहुंचाना इस अभियान का उद्देश्य है। उन्होंने बताया कि 13 नवंबर को अंबिकापुर और लुंड्रा विधानसभा क्षेत्र, 14 नवंबर को बलरामपुर और प्रतापपुर, 16 नवंबर को सीतापुर और सामरी, तथा 17 नवंबर को भटगांव और प्रेमनगर में पदयात्रा का समापन होगा। उन्होंने यह भी बताया कि इस अवसर पर भारतीय राष्ट्रवादी विचारक एवं प्रख्यात वक्ता पुष्पेंद्र कुलश्रेष्ठ का 12 नवंबर को अंबिकापुर में आगमन होगा, जहां वे सरदार पटेल के व्यक्तित्व और राष्ट्र निर्माण में उनके योगदान पर विशेष उद्बोधन देंगे। कार्यक्रम की रूपरेखा पर जानकारी देते हुए सांसद चिंतामणि महाराज ने कहा कि लौह पुरुष सरदार वल्लभभाई पटेल केवल एक नेता नहीं, बल्कि भारत के एकीकरण के आधारस्तंभ थे। आज देश के हर कोने में उनकी विचारधारा से प्रेरणा लेकर राष्ट्र की एकता और अखंडता को सशक्त करने का संकल्प लेना ही सच्ची श्रद्धांजलि होगी। उन्होंने कहा कि लोकसभा स्तरीय पदयात्राओं के माध्यम से युवाओं में राष्ट्रनिष्ठा, सेवा भावना और स्वच्छता के प्रति जागरूकता का संदेश फैलाया जाएगा। बैठक एवं प्रेस कांफ्रेंस में कैबिनेट मंत्री लक्ष्मी राजवाड़े, छत्तीसगढ़ गृह निर्माण मंडल के अध्यक्ष अनुराग सिंह देव, भाजपा जिलाध्यक्ष भारत सिंह सिसोदिया, छत्तीसगढ़ राज्य युवा आयोग के अध्यक्ष विश्वविजय सिंह तोमर, विधायक प्रबोध मिंज, विधायक उद्धश्वरी पैकरा,विधायक शकुंतला पोर्ते,विधायक भुलन सिंह मराबी, जिलाध्यक्ष ओम प्रकाश जायसवाल, जिलाध्यक्ष मुरली मनोहर सोनी, पूर्व जिलाध्यक्ष ललन प्रताप सिंह, जिला पंचायत अध्यक्ष निरूपा सिंह, अम्बिकेश केशरी, विनोद हर्ष, अरुणा सिंह, मधुसूदन शुक्ला, नीलेश सिंह, निश्चल प्रताप सिंह, रुपेश दुबे, जन्मजय मिश्रा, राहुल त्रिपाठी,अनीश सिंह,जतीन परमार सहित तीनों जिलों के कार्यक्रम प्रभारी, बड़ी संख्या में पत्रकार, भाजपा पदाधिकारी एवं कार्यकर्ता उपस्थित थे।

घर के बाहर बंधे बैल को जंगल में मारकर खाने वाले तीसरा फरार आरोपी पुलिस के हत्थे

-संवाददाता-
बलरामपुर,24 अक्टूबर 2025 (घटती-घटना)।

जिले के राजपुर थाना क्षेत्र के ग्राम पहाड़खडुवा में बैल चोरी कर मार के खाने के मामले में फरार चल रहे पुलिस ने तीसरा आरोपी को गिरफ्तार कर न्यायिक रिमांड पर जेल भेजा। जानकारी के अनुसार, प्रार्थी ननकू पहाड़ी कोरवा (55 वर्ष) निवासी पहाड़खडुवा ने थाना राजपुर में रिपोर्ट दर्ज कराई थी कि 28 अगस्त 2025 की सुबह करीब 6 बजे जब वह अपने घर से बाहर निकला, तो देखा कि घर के बाहर बंधे दो बैलों में से एक गायब है। तलाश करने पर जानकारी मिली कि उसके बैल को आरोपियों ने घर से जंगल में ले जाकर मारकर उसका मांस आपस में बांटकर खा लिया। मामले में पहले दो आरोपी भूला पहाड़ी कोरवा और राजेश पहाड़ी कोरवा को गिरफ्तार कर न्यायिक रिमांड पर भेजा जा चुका है। वहीं, फरार आरोपी अनिल कुजूर पिता चन्द्रप्रकाश कुजूर (39 वर्ष), जाति उरांव, निवासी पहाड़खडुवा को पुलिस ने पता तलाश कर गिरफ्तार किया। पूछताछ में आरोपी ने अपराध करना स्वीकार किया है। आरोपी के विरुद्ध धारा 325 बीएनएस एवं छत्तीसगढ़ कृषक पशु परिरक्षण अधिनियम 2004 की धारा 4, 10 के तहत अपराध सबूत पाए जाने पर उसे 24 अक्टूबर 2025 को न्यायिक रिमांड पर भेजा गया है।

युवा इंटक के प्रदेश उपाध्यक्ष पद पर राहुल पटेल की नियुक्ति

-संवाददाता-
अम्बिकापुर,24 अक्टूबर 2025 (घटती-घटना)।

युवा इंटक के प्रदेश उपाध्यक्ष पद पर राहुल पटेल की नियुक्ति की गई। यह निर्णय युवा इंटक के प्रदेश अध्यक्ष आशीष शील द्वारा लिया गया, जो कि पूर्व उप मुख्यमंत्री टीएस सिंह देव, रेड क्रॉस सोसाइटी के चेयरमैन आदित्यश्वर शरण सिंह देव, पीसीसी सचिव शैलेंद्र प्रताप सिंह और इंटक प्रदेश अध्यक्ष टिकेंद्र सिंह ठाकुर की अनुशंसा पर किया गया। इस अवसर पर इंटक के प्रदेश महा मंत्री रजनीश सेठ भी मौजूद रहे। युवा इंटक के सरगुजा जिला बॉडी के अध्यक्ष भानू प्रताप सिंह धुर्वे, नगर अध्यक्ष आर्यन चौबे, विधानसभा अध्यक्ष नितिन कुशवाहा, और जिला उपाध्यक्ष इंद्रजीत राजवाड़े भी इस कार्यक्रम में शामिल हुए।

प्रधानमंत्री के खिलाफ अभद्र टिप्पणी करने वाले शिक्षक निलंबित,जिला शिक्षा अधिकारी ने सोशल मीडिया पर अभद्र टिप्पणी करने वाले शिक्षक पर की त्वरित अनुशासनात्मक कार्रवाई

-संवाददाता-
बलरामपुर,24 अक्टूबर 2025 (घटती-घटना)।

जिले में जिला शिक्षा अधिकारी ने एक गंभीर अनुशासनात्मक कार्रवाई करते हुए शासकीय प्राथमिक शाला मक्याठी में पदस्थ सहायक शिक्षक एल.बी. ईश्वरी प्रसाद टंडन को तत्काल प्रभाव से निलंबित कर दिया है। मिली जानकारी के अनुसार, श्री टंडन ने अपने फेसबुक पेज पर प्रधानमंत्री, भारत सरकार के प्रति अशोभनीय और अपमानजनक टिप्पणी की थी। यह टिप्पणी न केवल प्रधानमंत्री पद की गरिमा को ठेस पहुंचाने वाली मानी गई, बल्कि सरकारी कर्मचारी आचरण नियमों का भी स्पष्ट उल्लंघन बताई गई है।जिला शिक्षा अधिकारी कार्यालय से जारी आदेश में कहा गया है कि, श्री टंडन का यह कृत्य छत्तीसगढ़ सिविल सेवा आचरण नियम 1965 के नियम-3 तथा छत्तीसगढ़ सिविल सेवा (वर्गीकरण, नियंत्रण तथा अपील) नियम 1966 के नियम-14 का उल्लंघन है। इसके तहत उनके विरुद्ध अनुशासनात्मक कार्यवाही की जाएगी। शिक्षक के खिलाफ यह कार्रवाई छत्तीसगढ़ सामान्य प्रशासन विभाग के ज्ञापन क्रमांक एफ 7-42/2017/एफ-6 दिनांक 22 फरवरी 2017 के उस दिशा-निर्देश के आधार पर की गई है।

क्या शिक्षा विभाग में एक ऐसा अधिकारी,जिसका निलंबन और जिसकी बहाली सतत् प्रक्रिया बन गई?

भ्रष्ट अधिकारी को क्या फिर मिला अभयदान,निलंबित शिक्षा अधिकारी पुनः हुए बहाल

- सरगुजा संभागीय संयुक्त संचालक शिक्षा रहते हुए किया था भ्रष्टाचार, भ्रष्टाचार के लिए हैं विख्यात...
- सरगुजा संभाग में एक ऐसे शिक्षक व शिक्षक संघ के नेता हैं जो अधिकारी के निलंबित होने पर दुःखी और उनके बहाल होने पर खुशी जाहिर करते हैं...
- अधिकारी को जितना निलंबित होने से दुःख नहीं होता है उतना एक शिक्षक नेता को दुःख होता है उनके निलंबन से...
- क्या पूर्व सरकार से लेकर वर्तमान सरकार तक अधिकारी निलंबित व बहाली की प्रक्रिया में नौकरी काट रहा है?
- शिक्षा विभाग क्या केवल शिक्षकों के भरोसे ही बनेगा आदर्श विभाग,क्या अधिकारियों को भ्रष्टाचार के बाद भी मिलता रहेगा अभयदान?

-न्यूज डेस्क-
अंबिकापुर,24 अक्टूबर 2025
(घटती-घटना)।

फिर एक बार शिक्षा विभाग में भ्रष्टाचार के लिए विख्यात अधिकारी की बहाली तय हो गई,हाल ही में जब उक्त अधिकारी का निलंबन हुआ था तो उसके कार्यकाल के भ्रष्टाचार की बातें फिर एक बार सामने आई थीं और आलोचनाएं हुईं थीं लेकिन अब पुनः बहाली के बाद यह सवाल खड़ा हो गया है कि क्या शिक्षा विभाग केवल शिक्षकों के भरोसे ही आदर्श विभाग बनेगा और वहीं क्या अधिकारियों को भ्रष्टाचार के बाद भी अभयदान मिलता रहेगा,वैसे भ्रष्टाचार के साथ खड़े शिक्षक संघों के नेताओं की भी क्या सच्चाई शिक्षक समझेंगे और उन्हें भ्रष्ट अधिकारियों के समर्थन के लिए दोष देंगे,सवाल इसलिए क्योंकि दैनिक घटती घटना ने प्रदेश के एक शिक्षा विभाग के भ्रष्ट अधिकारी को लेकर कई बार समाचार का प्रकाशन किया था,समाचार का आधार शिक्षकों से प्राप्त ही सूचनाएं थीं जो उन्हें आर्थिक शोषण का शिकार बताती थीं,शिक्षकों के शोषण से अपना महल बनाने वाले शिक्षा विभाग के एक अधिकारी ने शिक्षकों को तब अपनी लालच का शिकार बनाया था जब वह कई दशकों की ईमानदारी से की गई सेवा के बाद बड़ी मुश्किल से पदोन्नति प्राप्त कर रहे थे और तब एक भ्रष्ट और लालची अधिकारी ने अपने लालच के लिए इस्तेमाल किया और उन्हें पदोन्नति पश्चात मनचाही पदस्थापना प्रदान करने के नाम पर आर्थिक रूप से शोषित किया।

पैसा भी इतना लिया गया कि कई शिक्षक उधार तक मांगने विवश हो गए वहीं जो नहीं दे सके वह दूरस्थ भेज दिए गए जबकि वह निकट के लिए पात्रता रखते थे,यह सब खेल चिकित्सा प्रमाण-पत्र और संशोधन के हथियार के साथ खेला गया जिसमें कुछ शिक्षक नेता दलाली भी कर भूमिका अपनी निभा गए और अधिकारी के नाम पर अपनी भी जेब गर्म कर गए,शोषित शिक्षकों में से तब जिसने आवाज उठाई वह डराए गए किसी को निलंबित किया गया वहीं मामले ने जब तुल पकड़ा अधिकारी निलंबित हुए और गड़बड़ी पर जांच भी तय हुई,वैसे जांच और कार्यवाही की बजाए पुनः अधिकारी बहाल हुआ और फिर वहीं आया जहां उसने विभाग को दूषित करते हुए भ्रष्टाचार मचाया था। अधिकारी कुछ दिन बना रहा और फिर उसे हटाया गया लेकिन जहां वह गया वहां से फिर वह मनचाही जगह पहुंच गया और जब नए शिक्षा मंत्री तक बात पहुंची भ्रष्टाचार की अधिकारी निलंबित कर दिया गया,नए शिक्षा मंत्री की कार्यवाही निलंबन वाली तारीफ के काबिल बनी लेकिन अब नई जानकारी आई कि फिर अधिकारी बहाल हो गया,शिक्षा विभाग के इस भ्रष्ट अधिकारी का निलंबन और बहाली जैसे एक सतत प्रक्रिया है और इसके लिए विभाग हमेशा खाली बैठा हुआ है, इस अधिकारी के विषय में यही समझ में आता है। भ्रष्ट अधिकारी सरगुजा संभाग में संयुक्त संचालक शिक्षा रहते हुए जिस कदर भ्रष्टाचार में डूबा रहा वह जगजाहिर विषय है। संयुक्त संचालक सरगुजा रहते हुए उक्त अधिकारी ने बड़ी चालाकी से अपने भ्रष्टाचार के दुकान का संचालन किया था,कुछ शिक्षक नेताओं की दलाली से यह अधिकारी मालामाल होता रहा,वैसे उसका साथ देने वाले शिक्षक नेता भी बड़ी बेशर्मी से भ्रष्टाचार को शिष्टाचार मानते नजर आते हैं,जब अधिकारी निलंबित होता है वह मायूस हो जाते हैं जब निलंबित होता है वह प्रसन्न हो जाते हैं,उनकी मायूसी और उनकी प्रसन्नता बताती है कि अधिकारी ने चिल्हर कम से कम भ्रष्टाचार का उन्हें भी प्रदान किया है जिसके कारण वह भ्रष्ट अधिकारी के लिए हर हाल में खड़े नजर आते हैं।

निलंबन और बहाली के लिए विख्यात शिक्षा विभाग का अधिकारी फिर हुए निलंबन से बहाल

शिक्षा विभाग में बड़े भ्रष्टाचार के लिए विख्यात अधिकारी फिर बहाल हो गया,बहाली भी चंद ही दिनों में सम्भव हो गई,ऐसा लगा जैसे विभाग की एक शाखा उसी के लिए स्थापित है जो उसके निलंबन और बहाली के लिए स्वतंत्र और एकल स्थापित है,यह दूसरी बार है कि उक्त अधिकारी बिना जांच के पूर्ण हुए बहाल कर दिया गया। वैसे जांच भी कछुए की चाल से जारी है यदि वह भी अधिकारी के निलंबन और बहाली जैसी तेज होती अब तक पूर्ण हो चुकी होती, अधिकारी अब जांच जारी रहते हुए पद में बना रहेगा और अपने लिए सेवा निवृत्ति स्वत्व के भुगतान की तैयारी करेगा,इस बीच उसकी और उसके भ्रष्टाचार की चर्चा बंद हो चुकी होगी और वह आराम से सेवानिवृत्त हो चुका होगा।

संयुक्त संचालक सरगुजा रहते हुए किया था अधिकारी ने भ्रष्टाचार,दूसरी बार हुआ था निलंबित

उक्त अधिकारी संयुक्त संचालक शिक्षा सरगुजा रहते हुए निलंबित हुआ था,अधिकारी ने सरगुजा में शिक्षा विभाग को दूषित करने का काम किया था और शिक्षकों को उनकी पदोन्नति के दौरान आर्थिक रूप से शोषित किया था,शिक्षकों ने विरोध किया था लेकिन कुछ दलाल शिक्षक नेताओं ने शिक्षकों की बजाए अधिकारी का साथ दिया था जिसके बाद मामले में अधिकारी निलंबित हुआ था। माना जाता है कि तब करोड़ों रुपए की वसूली शिक्षकों से हुई थी जिसमें कुछ शिक्षक नेताओं ने दलाली कर अपनी भी जेब भरी थी।

भ्रष्ट अधिकारी के निलंबन से दुःखी और बहाली से प्रसन्न होते हैं सरगुजा संभाग के एक तथाकथित शिक्षक नेता

जिस भ्रष्ट अधिकारी की निलंबन बहाली की बात हो रही है उसने शिक्षक नेताओं को अपना समर्थक भी बना रखा है,कुछ शिक्षक नेता उक्त अधिकारी के निलंबन से उदास होते हैं और उसकी बहाली से प्रसन्न,शिक्षक नेताओं के लिए वह किसी भगवान से कम नहीं ऐसा कहना उनकी उदासी और प्रसन्नता देखकर गलत नहीं लगता,वैसे शिक्षक नेताओं को शिक्षकों के प्रति जवाबदेह होना चाहिए अधिकारियों से उनकी दूरी समझ में आनी चाहिए लेकिन उनकी नजदीकियां भ्रष्ट अधिकारी से वह भी जिसने शिक्षकों का शोषण किया समझ से परे है और जिसे वह अपनी शान समझते हैं।

शिक्षा विभाग क्या शिक्षकों के भरोसे ही बनेगा महान...अधिकारी करेंगे भ्रष्टाचार...मिलेगा अभयदान?

भ्रष्ट अधिकारी की बहाली से एक सवाल खड़ा होता है कि क्या शिक्षा विभाग शिक्षकों के सहारे की मात्र महान बनेगा, क्या अधिकारियों के लिए भ्रष्टाचार अभयदान का मामला बना रहेगा, वैसे दो बार का निलंबन और दोनों बार की बहाली बताती है कि मामला शिक्षकों पर ही अनुशासन कायम करने तक का है शिक्षा विभाग में।

व्यापार समाचार

शेयर बाजार : सेंसेक्स 345 अंक नीचे 84,212 पर बंद,निफ्टी भी 100 अंक लुढ़का

नई दिल्ली,24 अक्टूबर 2025। घरेलू शेयर बाजार में पिछले 6 कारोबारी दिनों से जारी तेजी के सिलसिले पर शुक्रवार को ब्रेक लग गया। शुक्रवार को कारोबार की शुरुआत मजबूती के साथ हुई थी। बाजार खुलने के कुछ देर बाद खरीदारी के सपोर्ट से सेंसेक्स और निफ्टी दोनों सूचकांकों की चाल में और तेजी आ गई, लेकिन ये तेजी ज्यादा समय तक टिक नहीं सकी। इसके बाद पूरे दिन बाजार में ज्यादातर समय बिकवाली का दबाव बना रहा। पूरे दिन के कारोबार के बाद सेंसेक्स 0.41 प्रतिशत और निफ्टी 0.37 प्रतिशत की कमजोरी के साथ बंद हुए। शुक्रवार को दिनभर के कारोबार के दौरान मेटल और टेलीकॉम सेक्टर के शेयरों में खरीदारी का जोर बना रहा। इसके अलावा कैपिटल गुड्स, ऑयल एंड गैस और टेक इंडेक्स भी मजबूती के साथ बंद होने में सफल रहे। दूसरी ओर एफएमसीजी, बैंकिंग और कंज्यूमर ड्यूरेबल सेक्टर के शेयरों में शुक्रवार को सबसे अधिक बिकवाली होती रही। इसके अलावा पब्लिक सेक्टर एंटरप्राइज, आईटी, ऑटोमोबाइल और हेल्थकेयर इंडेक्स भी कमजोरी के साथ बंद हुए। ब्रॉडर मार्केट में भी शुक्रवार को

बिकवाली का दबाव बना रहा,जिसके कारण बीएसई का मिडकैप इंडेक्स 0.26 प्रतिशत की कमजोरी के साथ बंद हुआ। इसी तरह स्मॉलकैप इंडेक्स ने 0.19 प्रतिशत की कमजोरी के साथ शुक्रवार को कारोबार का अंत किया। शुक्रवार को शेयर बाजार में आई कमजोरी के कारण स्टॉक मार्केट के निवेशकों की संपत्ति में सवा लाख करोड़ रुपये से अधिक की कमी हो गई। बीएसई में लिस्टेड कंपनियों का मार्केट कैपिटलाइजेशन शुक्रवार को कारोबार के बाद घट कर 468.97 लाख करोड़ रुपये (अनंतिम) हो गया। जबकि पिछले कारोबारी दिन यानी गुरुवार को इनका मार्केट कैपिटलाइजेशन 470.30 लाख करोड़ रुपये था। इस तरह निवेशकों को शुक्रवार को कारोबार से करीब 1.33 लाख करोड़ रुपये का नुकसान हो गया। शुक्रवार को दिनभर के कारोबार में बीएसई में 4,342 शेयरों में एक्टिव ट्रेडिंग हुई। इनमें 1,865 शेयर बढ़त के साथ बंद हुए, जबकि 2,312 शेयरों में गिरावट का रुख रहा, वहीं 165 शेयर बिना किसी उतार चढ़ाव के बंद हुए। एनएसई में शुक्रवार को 2,814 शेयरों में एक्टिव ट्रेडिंग हुई। इनमें से 998 शेयर मुनाफा कमा कर हरे निशान में और 1,816 शेयर नुकसान उठा कर लाल निशान में बंद हुए। इसी तरह सेंसेक्स में शामिल 30 शेयरों में से 10 शेयर बढ़त के साथ और 20 शेयर गिरावट के साथ बंद हुए। जबकि निफ्टी में शामिल 50 शेयरों में से 17 शेयर हरे निशान में और 33 शेयर लाल निशान में बंद हुए। बीएसई का सेंसेक्स शुक्रवार को 110.83 अंक की मजबूती के साथ 84,667.23 अंक के स्तर पर खुला। कारोबार की शुरुआत होने के थोड़ी देर बाद खरीदारी के सपोर्ट से ये सूचकांक 151.04 अंक की तेजी के साथ 84,707.44 अंक के स्तर पर पहुंच गया। इसके बाद बाजार में मुनाफा वसूली का दबाव बन गया, जिसकी वजह से इस सूचकांक की चाल में गिरावट आने लगी। लगातार हो रही बिकवाली के कारण दोपहर 2 बजे के थोड़ी देर पहले सेंसेक्स ऊपरी स्तर से 750.29 अंक टूट कर 599.25 अंक की कमजोरी के साथ 83,957.15 अंक के स्तर तक गिर गया। इसके बाद खरीदारों ने लिवाली का जोर बना दिया, जिससे इस सूचकांक की स्थिति में मामूली सुधार होता हुआ नजर आया। पूरे दिन के कारोबार के बाद सेंसेक्स निचले स्तर से 254.73 अंक की रिकवरी करके 344.52 अंक की गिरावट के साथ 84,211.88 के स्तर पर बंद हुआ। सेंसेक्स की तरह ही एनएसई के निफ्टी ने शुक्रवार को 43.70 अंक उछल कर 25,935.10 अंक के स्तर से कारोबार की शुरुआत की। बाजार खुलने के कुछ देर बाद खरीदारी के सपोर्ट से ये सूचकांक 52.75 अंक की तेजी के साथ 25,944.15 अंक तक पहुंच गया। इसके बाद बाजार में मुनाफा वसूली के चक्कर में बिकवाली का दबाव बन गया, जिसकी वजह से निफ्टी की चाल में गिरावट आ गई। लगातार हो रही बिकवाली के कारण दोपहर 2 बजे के करीब ये सूचकांक ऊपरी स्तर से 225.95 अंक लुढ़क कर 173.20 अंक की कमजोरी के साथ 25,718.20 अंक के स्तर पर आ गया।

सोने-चांदी के साथ प्लेटिनम की ओर निवेशकों का रुख,प्लेटिनम ईटीएफ लाने की भी उठ रही मांग

नई दिल्ली,24 अक्टूबर 2025। सोने और चांदी की बढ़ती कीमतों के बीच प्लेटिनम (कीमती धातु) की कीमतें सस्ती बनी हुई हैं। निवेशक अब इस ओर भी देखने लगे हैं। इंडियन बुलियन ज्वेलर्स एसोसिएशन (इब्जा) ने हाल ही में अपनी वेबसाइट पर सोने और चांदी के साथ प्लेटिनम के प्रतिदिन के कीमतों की जानकारी देना शुरू कर दिया है। गुरुवार को प्लेटिनम की कीमत 51,103 रुपये प्रति 10 ग्राम दर्ज की गई थी।

प्लेटिनम बेहतर विकल्प बनकर सामने आ रहा : इब्जा के राष्ट्रिय सचिव सुरेंद्र मेहता कहते हैं, यह सोने से कहीं अधिक दुलर्भ धातु है। एसोसिएशन प्लेटिनम पर एक्सचेंज ट्रेडड (ईटीएफ)फंड लाने की मांग करेगा और कमोडिटी एक्सचेंज से प्लेटिनम फ्यूचर्स कॉन्ट्रैक्ट शुरू करने का भी अनुरोध करेगा। निवेशक अब सोने और चांदी के साथ ही अन्य कीमती वैकल्पिक धातुओं की ओर रुख कर रहे हैं। जिनमें प्लेटिनम बेहतर विकल्प बनकर सामने आ रहा है। हाल ही में इसकी कीमतों में तेजी देखी गई, जो कि 900 डॉलर से बढ़कर 1,600 डॉलर प्रति औंस रही। इसकी मांग भी चांदी की तरह ही निकट भविष्य में तेज होगी,क्योंकि यह भी औद्योगिक क्षेत्र में इस्तेमाल किया जाता है।

भविष्य में प्लेटिनम की मांग : कमोडिटी विशेषज्ञों का कहना है, प्लेटिनम सोने से कही अधिक दुलर्भ धातु है और आनेवाले समय इसमें निवेश बढ़ सकता है। यह चांदी की तरह ऐसी धातु है, जो कि निवेश और औद्योगिक क्षेत्र में इस्तेमाल किया जाता है। ग्रेडेड फाइनेंशियल सर्विसेज के अजित सिंह कहते है

यह महंगाई से बचने के लिए लबे समय के लिए अच्छा विकल्प माना जाता रहा है। मौजूदा समय में प्लेटिनम की कीमतें सोने की तुलना में कम है। निवेशक लंबे समय के लिए इसमें निवेश करते रहे हैं और यह लंबे समय में अच्छा रिटर्न देता रहा है। निवेशक बैंकों और अधिकृत विक्रेताओं के पास से उच्च गुणवत्ता वाले प्लेटिनम बुलियन या सिक्के खरीदे जा सकते हैं।

प्लेटिनम दुलर्भ धातु है और इसका इस्तेमाल औद्योगिक क्षेत्र में होता है : प्लेटिनम दुलर्भ धातु है और इसका इस्तेमाल औद्योगिक क्षेत्र में होता है, जिसमें ऑटोमोबाइल क्षेत्र में सबसे अधिक उपयोग किया जाता है। साथ ही इसका उपयोग चिकित्सा उपकरणों,जेट इंजन ब्लेड,ग्लास फाइबर और इलेक्ट्रॉनिक्स जैसे उद्योग में भी होता है। निकट भविष्य में इसको हाइड्रोजन फ्यूल सेल टेक्नोलॉजी में प्लेटिनम की बड़ी भूमिका बढ़ सकती है,जिसके बाद इसकी मांग में वृद्धि होगी। प्लेटिनम का 75 प्रतिशत उत्पादन दक्षिण अफ्रीका में होता है।

स्टॉक मार्केट में मिडवेस्ट लिमिटेड की जोरदार एंट्री, मुनाफे में आईपीओ निवेशक

नई दिल्ली,24 अक्टूबर 2025। नेचुरल स्टोन्स की माइनिंग और प्रोसेसिंग करके देश-विदेश में बेचने वाली कंपनी मिडवेस्ट लिमिटेड के शेयरों ने आज स्टॉक मार्केट में मजबूत एंट्री करके अपने आईपीओ निवेशकों को खुश कर दिया। आईपीओ के तहत कंपनी के शेयर 1,065 रुपये के भाव पर जारी किए गए थे। आज बीएसई पर इसकी लिस्टिंग करीब 9 प्रतिशत प्रीमियम के साथ 1,165.10 रुपये के स्तर पर और एनएसई पर 1,165 रुपये के स्तर पर हुई। लिस्टिंग के बाद लिवाली के सपोर्ट से ये शेयर उछल कर 1,189.50 रुपये के स्तर तक पहुंच गए। हालांकि दिन के दूसरे सत्र में मुनाफा वसूली शुरू हो जाने के कारण मिडवेस्ट लिमिटेड के शेयर 1,141.10 रुपये के स्तर पर बंद हुए। इस तरह पहले दिन के कारोबार के बाद कंपनी के आईपीओ निवेशक 7.15 प्रतिशत के मुनाफे में रहे। मिडवेस्ट लिमिटेड का 451 करोड़ रुपये का आईपीओ 15 से 17 अक्टूबर के बीच सब्सक्रिप्शन के लिए खुला था। इस आईपीओ को निवेशकों की ओर से शानदार रिस्पॉन्स मिला था, जिसके कारण ये ओवरऑल 22.36 गुना सब्सक्राइब हुआ था। इनमें क्वालिफाइड इंस्टीट्यूशनल बायर्स (क्यूआईबी) के लिए रिजर्व पोर्शन 146.99 गुना

सब्सक्राइब हुआ था। वहीं नॉन इंस्टीट्यूशनल इन्वेस्टर्स (एनआईआई) के लिए रिजर्व पोर्शन में 176.57 गुना सब्सक्रिप्शन आया था। इसी तरह रिटेल इन्वेस्टर्स के लिए रिजर्व पोर्शन 25.52 गुना और एंप्लॉयीज के लिए रिजर्व पोर्शन 25.80 गुना सब्सक्राइब हो सका था। इस आईपीओ के तहत 250 करोड़ रुपये के नए शेयर जारी किए गए हैं। इसके अलावा 5 रुपये फेस वैल्यू वाले 18,87,323 शेयरों की बिक्री ऑफर फॉर सेल विंडो के जरिये की गई है। आईपीओ में नए शेयरों की बिक्री के जरिये जुटाए गए पैसे का इस्तेमाल कंपनी अपनी सब्सिडरी मिडवेस्ट नियोस्टोन के क्वार्ट्ज प्रोसेसिंग प्लांट में दूसरे चरण के लिए कैपिटल एक्सपेंडिचर करने, मिडवेस्ट खुद अपने लिए और अपनी एक दूसरी सब्सिडरी एपीजीएम के लिए इलेक्ट्रिक डंप ट्रकों की खरीदारी करने, कंपनी के कुछ माइन में सोलर एनर्जी इंटीग्रेशन करने, पुराने कर्ज के बोझ को हल्का करने और आम कॉरपोरेट उद्देश्यों में करेगी। कंपनी की वित्तीय स्थिति की बात करें तो प्रॉस्पेक्टस में किए गए दावे के मुताबिक इसकी वित्तीय सेहत लगातार मजबूत हुई है। वित्त वर्ष 2022-23 में कंपनी को 54.44 करोड़ रुपये का शुद्ध लाभ हुआ था, जो अगले वित्त वर्ष 2023-24 में बढ़ कर 100.32 करोड़ रुपये और 2024-25 में उछल कर 133.30 करोड़ रुपये के स्तर पर पहुंच गया।

CMYK

क्या राठौड़-राठिया गठजोड़ से हुआ था कथित वसूली का खेल?

क्या तहसील में चलता है माफिया नेटवर्क...असली मास्टरमाइंड आखिर कौन?

जब पत्रकार ओंकार पाण्डेय ने शिकायतकर्ता का सच लिखा तो 10 लाख मानहानि का नोटिस से हुआ स्वागत

- जो सच कहने से डरे...वही सबसे बड़े दोषी होते हैं?
- कलम चलती रहेगी जब तक माफियागिरी बंद ना हो जाए...
- जनदर्शन शिकायत पर कार्रवाई शून्य...प्रशासन की चुप्पी खुद सवालों में...

-न्यूज डेस्क-

सूरजपुर,24 अक्टूबर 2025 (घटती-घटना)। भैयाथान तहसील में रिश्वतखोरी का जो मामला सामने आया है यह आरोप शिकायतकर्ता ने लगाया था वह अब सिर्फ एक अधिकारी तक सीमित नहीं दिख रहा। इशारे साफ हैं यह पूरी तरह से जड़ जमा चुका अवैध कारोबार भूमि का एक नेटवर्क का रूप ले चुका है। यह नेटवर्क बहुत बड़ा है इसमें अधिकारी सहित राजस्व अमला व भू-माफिया शामिल है, जिस नेटवर्क में आदेश ऊपर से वसूली नीचे से और जनता पिसती बीच में है,यह खेल कई महीनों से नहींञ्कई सालों से चल रहा है, ऐसे मामलों में जब खबर प्रकाशित होती है शिकायतकर्ताओं के शिकायत के आधार पर तब पत्रकार को चुप करने के लिए रसूखदार अधिकारी द्वारा लाखों का मानहानि का दावा किया जाता है,ताकि वह इस मामले से दूर हो जाए और उस अधिकारी व उस नेटवर्क को राहत मिल सके? पत्रकार को 10 लाख की धमकी मानहानि का वैधानिक नोटिस मिल चुका है इससे डरे कौन से लोग? पत्रकार ओंकार पाण्डेय ने यह खबर प्रकाशित की उल्टा उन्हें ही भेजा गया 10 लाख की मानहानि का नोटिस,रिश्वत का आरोपी चुप सवाल पूछने वाला कटघरे में...तो क्या अब सच्चाई लिखना छड़ो दें अपराध मान कर? यह लड़ाई केवल एक नागरिक की नहीं व्यवस्था के विरुद्ध जंग है? ज्ञात हो की भैयाथान तहसील में रिश्वत मांगने के आरोपों पर उठी आग अब और भड़कती नजर आ रही है। शिकायतकर्ता सौरभ प्रताप सिंह ने जनदर्शन में लगाई शिकायत (टोकनः 22503 25001838) को कई सप्ताह बीत चुके हैं, लेकिन न कोई जांच, न कोई सवाल, न कोई जवाबदेही, जब पूरा मामला लिखित अभिलेखों में दर्ज हो चुका है, तो सवाल उठता है प्रशासन आखिर किस बात से डर रहा है?

इसी वसूली चेन का सबसे विवादास्पद नाम

संजय भटगांव का नगर सैनिक जो सिर्फ भैयाथान में दिखाई देता हैञ्क्यों? बिना ट्रांसफर, बिना आदेश फिर भी पूरा सिक्का क्या कोई उसे छत्रछाया प्रदान कर रहा है? क्या इस खेल के पीछे पुराने अफसरों की अदृश्य कमांड में हेरफेर करें?

संपूर्ण भारत के लिए एक प्रकाशन घटती घटना सरगुजा अंतर्राष्ट्रीय-समाचार अम्बिकापुर,गुरूवार 18 सितम्बर 2025 4

भैयाथान तहसीलदार भटगांव के नगर सैनिक से रिश्वत का पैसा वसूलवाते हैं?

बिना पैसे तहसील कार्यालय में काम क्या संभव नहीं शिकायत पहुंची जनदर्शन तक

रठिया तहसीलदार जहां-जहां जाएंगे वहां वहां नगर सैनिक संजय उनका रिश्वत का पैसा उगाही करेंगे?

भैयाथान तहसील में भटगांव का नगर सैनिक संजय की संदिग्ध भूमिका पर उठे सवाल

जनता यह जानना चाहती है कि...

घटती घटना

नौसिखिए तहसीलदार का बचकाना फैसला?

घटती घटना

भैयाथान में कलम बनाम कुर्सी...आखिर कौन डरेगा किससे?

रिश्वत के आरोपों के बीच नोटिस का नाटक...सच्चाई किससे डरती है?

माफिया का नेटवर्क त्रिभुज सेटअप 3 स्तर की भूमिका सामने

श्रेणी	भूमिका	संदिग्ध व्यक्ति
नीति/दबाव स्तर	निर्णय बदलना, आदेश पलटना	तत्कालीन/वर्तमान अधिकारी
वसूली स्तर	रकम तय करना, रिपोर्ट हेरफेर	तहसीलदार/आर/कर्मचारी
वसूल कर्त्ता स्तर	सीधे पैसा लेना, धमकाना	नगर सैनिक/दलाल

जनता के बीच बड़ा सवाल

क्या तत्कालीन तहसीलदार संजय राठौड़ ही इस खेल का असली सूत्रधार? क्योंकि उन्हीं के समय नेटवर्क की जड़ें और गहरी हुई,कई विवादित मामलों में वसूली की चर्चाएँ फैलती रहीं, वही लोग आज भी सक्रिय बस कुर्सियां बदल गई,क्या यह सत्ता परिवर्तन नहीं,बल्कि चेहरे का परिवर्तन है?

केस स्टडी में सौरभ प्रताप सिंह शिकायत के पक्ष में मौजूद तथ्य पर एक नजर

यदि आर आई की जांच रिपोर्ट, कब्जे का स्पष्ट उल्लेख, प्रतिवादी के हस्ताक्षर के बाद बिना रिश्वत दिए आदेश मिलना संभव फिर भी आदेश उल्टा क्यों? और जैसे ही 1 लाख रुपये देने से मना फ़ैसला सीधे खारिज! क्या यह न्याय है या नेटवर्क का दबाव?

नगर सैनिक की संदिग्ध तैनाती का खेल गहरा : शिकायतकर्ता नगर सैनिक संजय कि पदस्थापना भटगांव में लेकिन वसूली भैयाथान के तहसील मामले में? सिस्टम कोई स्थानांतरण आदेश नहीं, कोई अनुमति नहीं फिर भी पूर्ण प्रभुत्व कैसे? ऊपर से रिश्वत वसूली में उनकी कथित सक्रिय भूमिका क्या ये पूरी तरह से संगठित तंत्र का संकेत नहीं? क्या अंदर ही अंदर सिस्टम एक-दूसरे को बचाने में लगा है?

सूत्रों का दावा : सिर्फ वर्तमान तहसीलदार नहीं तत्कालीन तहसीलदार तक डोर जुड़ी हो सकती है। क्या तत्कालीन तहसीलदार संजय राठौड़ अब भी पर्दे के पीछे से इस पूरे मामले को प्रभावित कर रहे हैं? क्या राठौड़-राठिया गठजोड़ से हुआ था कथित वसूली का खेल? क्या नगर सैनिक संजय दोनों अधिकारियों का भरोसेमंद वसूली कर्मी था? इन सवालों के जवाब प्रशासन ही दे सकता है पर अभी मौन है?

जनता का निष्कर्ष बिलकुल स्पष्ट : जहां आरोपों की जांच न हो और पत्रकारों को धमकाया जाए वहां सच सबसे ज्यादा सुरक्षित है या सबसे ज्यादा खतरे में? हम जनहित की लड़ाई जारी रखेंगे! जब तक सच सामने न आए, दोषियों पर सख्त कार्रवाई न हो, शिकायतकर्ता को न्याय न मिले तब तक यह अभियान अखबार की सुर्खियां बनकर चलता रहेगा। सवाल पूछना हमारा अधिकार है और हम पूछते रहेंगे।

खबर प्रकाशन के बाद पत्रकार पर प्रहार : सिस्टम की सबसे बड़ी स्वीकारोक्ति तब हो गई जब पत्रकार ओंकार पाण्डेय ने शिकायतकर्ता के सिस्टम से प्रताड़ना का सच लिखा तब उन्हें व उनकी सच्ची पत्रकारिता को दबाने और उन्हें आंख दिखाने के लिए 10 लाख की मानहानि होने की नोटिस भेजी गई, वह भी बिना तथ्यों के सही मायने में तो पहले तहसीलदार की जांच होनी थी और जांच में क्या पाया गया उसके बाद यह स्थिति निर्मित होनी थी पर ऐसा कुछ नहीं हुआ सीधे खबर को शिकायतकर्ता के आरोपों को मानहानि की नोटिस की नोक पर रखकर दबाने का प्रयास हुआ जो प्रयास एक लोकतंत्र के चौथे स्तंभ सीधा चोट पहुंचाने का है?

मामले का निष्कर्ष क्या : भ्रष्टाचार जब संगठित हो जाए तो लड़ाई केवल एक केस की नहीं पूरे तंत्र की हो जाती है, भैयाथान तहसील में सवालों की संख्या बढ़ गई है..

जनता का मांग पत्र...कौन देगा जवाब

1 क्या कलेक्टर कार्यालय इस नेटवर्क को तोड़ने की हिम्मत करेगा?
2 संजय मिश्रा को किसने भैयाथान बुलाया?
3 पुराने फैसलों की जांच कब शुरू होगी?
4 शिकायतकर्ता को सुरक्षा क्यों नहीं?
5 क्या पत्रकार को डराना ही रक्षा का एकमात्र हथियार बचा है?

6 बड़े सवाल उठा रहे हैं भूचाल

1 **सवालः-** रिश्वत माँगने का गंभीर आरोप फिर भी अब तक एफआईआर क्यों नहीं?
2 **सवालः-** क्या आरोपी अधिकारी खुद से जांच करेंगे? यही वजह है चुप्पी की?
3 **सवालः-** भटगांव का नगर सैनिक संजय मिश्रा केवल भैयाथान में ही क्यों सक्रिय?
4 **सवालः-** जनदर्शन में शिकायत होना क्या कागजों तक ही सीमित है?
5 **सवालः-** पत्रकार को डराने की कोशिश से क्या सच को दबाने का प्रयास हो रहा?
6 **सवालः-** कलेक्टर के निर्देशों का पालन क्यों नहीं? कौन रोक रहा है?

मनेंद्रगढ़ में 'फाटक युग' का अंत : 30 अक्टूबर से हमेशा के लिए बंद होगा नगर का फाटक

रेलवे का बड़ा फैसला,सुरक्षा और बेहतर यातायात के लिए बीसी 02 रेलवे फाटक होगा स्थायी रूप से बंद,अब आरओबी पर शिफ्ट होगा पूरा ट्रैफिक

-राजन पाण्डेय-

मनेंद्रगढ़ 24 अक्टूबर 2025 (घटती-घटना)। अब मनेन्द्रगढ़ शहर के निवासियों को रेलवे फाटक पर जाम या ट्रेन के इंतज़ार में नहीं खड़ा होना पड़ेगा। दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे, बिलासपुर मंडल ने सुरक्षा और सुगम यातायात सुनिश्चित करने की दिशा में एक बड़ा और ऐतिहासिक कदम उठाया है। शहर के यातायात की धुरी माने जाने वाले नगर पालिका परिषद फाटक (समपार संख्या बीसी-20) को 30 अक्टूबर गुरुवार से सड़क यातायात के लिए स्थायी रूप से बंद करने का निर्णय लिया गया है।

नए यातायात युग के आरंभ का प्रतीक : मनेंद्रगढ़ के लिए यह खबर एक युग के समापन और नए यातायात युग के आरंभ का प्रतीक है। वर्षों से फाटक बंद होने का इंतजार कर रहे शहरवासियों को अब राहत मिलेगी। रेलवे प्रशासन ने यह फैसला इसलिए लिया है क्योंकि इस समपार फाटक (लेवल क्रॉसिंग) के पास ही रोड ओवरब्रिज (आरओबी) का निर्माण पूरा हो चुका है। यह वैकल्पिक मार्ग भी 30 अक्टूबर 2025 (गुरुवार) से सड़क यातायात के लिए पूरी तरह से तैयार हो जाएगा। समपार फाटकों पर लगातार बढ़ते दुर्घटनाओं के जोखिम और संरक्षा को प्राथमिकता देते हुए रेलवे ने बीसी-20 फाटक को हमेशा के लिए बंद करने का निर्णय लिया है। यह कदम मनेंद्रगढ़ के यातायात व्यवस्था को एक नई रफ्तार देगा और फाटक पर लगने वाले लंबे जाम से मुक्ति दिलाएगा।

सुरक्षा को सर्वोच्च प्राथमिकता : रेलवे प्रशासन के अनुसार, यह कदम सड़क उपयोगकर्ताओं की बेहतर सुरक्षा और सुरक्षा सुनिश्चित करने के उद्देश्य से उठाया गया है। समपार फाटकों पर ट्रेनों की आवाजाही के दौरान दुर्घटनाओं की आशंका बनी रहती है। रोड ओवरब्रिज या अंडरपास का निर्माण इसी समस्या का स्थायी समाधान है। बिलासपुर मंडल के अंतर्गत मनेंद्रगढ़ स्टेशन यार्ड के कि.मी. 933/20-21 पर स्थित यह फाटक अब इतिहास बन जाएगा।

रोड ओवरब्रिज (आरओबी) अब बनेगा मुख्य मार्ग : रेलवे द्वारा स्पष्ट किया गया है कि फाटक बंद होने से नागरिकों को किसी प्रकार की असुविधा नहीं होगी, क्योंकि वैकल्पिक सड़क मार्ग की व्यवस्था पहले ही कर दी गई है। पास में ही नव-निर्मित रोड ओवरब्रिज (आरओबी) अब शहर के यातायात का मुख्य मार्ग होगा। यह पुल उसी दिन से यातायात के लिए पूर्ण रूप से खोल दिया जाएगा, जिस दिन फाटक बंद होगा। मनेंद्रगढ़ के निवासियों के लिए यह बंद होना महज एक फाटक का बंद होना नहीं है, बल्कि सुरक्षित, निर्बाध और जाम-मुक्त यातायात की दिशा में एक बड़ी प्रगति है।

न्यायालय तहसीलदार अम्बिकापुर
जिला सरगुजा,छ0ग0

ईश्तहार

रा0प्र0क0 /ब-121/2025-26

एतद् द्वारा सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि आवेदक श्रीम इंजीनियर्स एण्ड बिल्डर्स प्रा0लि0 द्वारा डायरेक्टर अतुल कुमार दुबे आ0स्व0 विजयनाथ दुबे निवासी मनेन्द्रगढ रोड अम्बिकापुर तहसील अम्बिकापुर जिला सरगुजा छ0ग0 के द्वारा ग्राम भगवानपुरकला स्थित भूमि खसरा नंबर 212/17 रकबा 0.285 हे0 मेसे रकबा 1876 वर्गफीट भूमि को अनावेदक भरत मेहता (स्व) बेचु मेहता निवासी टिमल बिघा जिला औरंगाबाद के पास अंकन राषि रूपये 7,60,000/- में बिक्री करने का सौदा तय कर बिक्री अनुमति हेतु आवेदन पत्र श्रीमान कलेक्टर महोदय सरगुजा के समक्ष प्रस्तुत किया गया है,जो जांच एंव प्रतिवेदनार्थ इस न्यायालय को प्राप्त हुआ है।

उक्त संबंध में यदि किसी व्यक्ति अथवा संस्था को कोई अपत्ति हो तो सुनवाई दिनांक 12.11.2025 के पूर्व स्वयं अथवा अपने प्रतिनिधि अथवा अभिषाक के माध्यम से न्यायालय में उपस्थित होकर अपना दावा-आपत्ति प्रस्तुत कर सकते है। समय-सीमा के बाद प्राप्त आपत्ति पर कोई विचार नहीं किया जावेंगा ।

आज दिनांक-14/10/2025 को मेरे हस्ताक्षर एंव न्यायालीन पदमुद्रा से जारी ।

सील

तहसीलदार
अम्बिकापुर सरगुजा

आईपीएस रत्ना सिंह होंगी मनेंद्रगढ़-चिरमिरी-भरतपुर (एमसीबी) जिले की नई एसपी

एमसीबी,24 अक्टूबर 2025 (घटती-घटना)। छत्तीसगढ़ शासन के गृह (पुलिस) विभाग ने मंगलवार को भारतीय पुलिस सेवा (आईपीएस) के सात अधिकारियों का स्थानांतरण आदेश जारी किया है। जारी सूची में आईपीएस रत्ना सिंह (बैच 2019) को पुलिस अधीक्षक,मनेंद्रगढ़-चिरमिरी-भरतपुर (एमसीबी) के रूप में पदस्थ किया गया है। रत्ना सिंह इससे पहले सहायक पुलिस महानिरीक्षक, पुलिस मुख्यालय, नया रायपुर के पद पर कार्यरत थीं। आदेश के अनुसार, वे अब एसपी एमसीबी का कार्यभार संभालेंगी। स्थानांतरण सूची में अन्य अधिकारियों में मोहित गर्ग (2013) को पुलिस मुख्यालय में सहायक पुलिस महा निरीक्षक,चन्द्रमोहन सिंह (2014) को निदेशक, प्रशिक्षण/ऑपरेशन,रायपुर, तथा अंकिता शर्मा (2018) को एसपी, राजनांदगांव बनाया गया है। इसके अलावा यदुवेन्द्र सिंह (2018), प्रफुल्ल ठाकुर (2015) और पंकज चंद्रा (2015) के भी तबादले किए गए हैं। राज्य सरकार के अनुसार यह तबादला आदेश प्रशासनिक कारणों से जारी किया गया है और संबंधित अधिकारी आगामी आदेश तक अपने नवनियुक्त पद पर कार्यभार ग्रहण करेंगे।

मनेंद्रगढ़-चिरमिरी-भरतपुर जिले की नई एसपी के रूप में संभालेंगी जिम्मेदारी- तकनीकी शिक्षा से लेकर प्रशासनिक सेवा तक का सफर तय करने वाली आईपीएस रत्ना सिंह (2019 बैच, छत्तीसगढ़ कैडर) आज राज्य पुलिस की उन युवा अधिकारियों में शामिल हैं जिन्होंने अपनी मेहनत और कार्यकुशलता से कम समय में उल्लेखनीय पहचान बनाई है। हाल ही में राज्य सरकार ने उन्हें मनेंद्रगढ़-चिरमिरी-भरतपुर (एमसीबी) जिले का नया पुलिस अधीक्षक नियुक्त किया है।

शिक्षा और प्रारंभिक जीवन- रत्ना सिंह का जन्म 12 मई 1993 को हुआ। मूल रूप से उत्तर प्रदेश के कानपुर की निवासी हैं। उनके पिता एक बैंक मैनेजर तथा माता जीएसटी विभाग में असिस्टेंट कमिश्नर के पद पर रही हैं। उन्होंने कानपुर से प्रारंभिक शिक्षा प्राप्त की और आगे चलकर इलाहाबाद के हरकोर्ट बटलर टेक्निकल यूनिवर्सिटी से इलेक्ट्रॉनिक्स एवं कम्युनिकेशन इंजीनियरिंग में बीटेक की डिग्री हासिल की। इंजीनियरिंग के बाद उन्होंने संघ लोक सेवा आयोग की परीक्षा उत्तीर्ण कर 2019 में भारतीय पुलिस सेवा में चयन पाया।

प्रोफेशनल करियर-रत्ना सिंह ने 16 दिसंबर 2019 को सरदार वल्लभभाई पटेल राष्ट्रीय पुलिस अकादमी, हैदराबाद से प्रशिक्षण प्राप्त करने के बाद सेवा जॉइन की। फील्ड ट्रेनिंग के दौरान उन्होंने रायपुर में कार्य किया,जहां वे सिविल लाइन थाना और सीएसपी आजाद चौक में रहीं।

शासकीय महाविद्यालय बैकुण्ठपुर के सेवानिवृत्त प्रभारी प्राचार्य वित्तीय अनियमितता फैलने के बाद भी कैसे निश्चित हैं...की उन पर कार्यवाही नहीं होगी और ना ही जांच होगी?

घटती घटना
महाविद्यालय के सेवानिवृत प्राचार्य का जीपीएफ फंड भुगतान लिए वर्तमान व प्राचार्य हुए एकमत
क्या नियम विरुद्ध तरीके से निकलेगा जानकारी छुपा के जीपीएफ फंड का पैसा?
26 सालों तक प्रभारी प्राचार्य बनने का सौभाग्य प्राप्त
अखिलेश चंद्र गुप्ता
के भ्रष्टाचार की जांच की जिम्मेदारी
आयुक्त उच्च शिक्षा रायपुर को मिली
क्या होगी जांच?

घटती घटना
26 सालों तक प्रभारी प्राचार्य बनने का सौभाग्य प्राप्त
अखिलेश चंद्र गुप्ता
के भ्रष्टाचार की जांच की जिम्मेदारी
आयुक्त, उच्च शिक्षा रायपुर को मिली
क्या होगी जांच?

-न्यूज डेस्क-

कोरिया,24 अक्टूबर 2025 (घटती-घटना)। यह सवाल वाकई बहुत महत्वपूर्ण और गंभीर है, खासकर तब,जब बात किसी शासकीय महाविद्यालय और उसके प्रभारी प्राचार्य (सेवानिवृत्त) से जुड़ी वित्तीय अनियमितताओं की हो। आपका सवाल इस ओर इशारा करता है कि संबंधित व्यक्ति पर वित्तीय अनियमितताओं के आरोप हैं, फिर भी वे निश्चित हैं कि उनके खिलाफ कोई कार्रवाई या जांच नहीं होगी। यह स्थिति तब बनती है जब प्रशासनिक और राजनीतिक संरक्षण किसी को प्राप्त होता है, जांच प्रक्रिया में ढिलाई या देरी होती है, रिकॉर्ड या सबूतों तक पहुंच सीमित होती है, या फिर संस्थानिक स्तर पर पारदर्शिता की कमी रहती है, यह सारी स्थितियां इस समय कोरिया जिले के अग्रणी शासकीय महाविद्यालय रामानुज प्रताप सिंहदेव के सेवानिवृत प्रभारी प्राचार्य अखिलेश चंद्र गुप्ता के मामले में देखने को मिल रही है, भारी अनियमिताओं के बीच उन्हें इस बात का विश्वास है कि उनका कुछ नहीं होगा, अब यह विश्वास उन्हें कैसे और किस दम पर है यह तो वही जाने पर लोगों को भरोसा है की इस सरकार में कार्यवाही जरुर होगी,सेवानिवृत प्रभारी प्राचार्य अखिलेश चंद्र गुप्ता जितना विश्वास उन्हें है इस बात का है वह कई लोगों से कह चुके हैं, क्या यह बात सही है कि इस मामले में कोई जांच नहीं होगी और यदि जांच नहीं होगी तो इसके पीछे की वजह क्या है? क्या भाजपा सरकार में भी ऐसी स्थिति निर्मित हो रही है कि भ्रष्टाचारियों को संरक्षण मिल रहा है? सेवानिवृत होने के बाद महाविद्यालय में जाना दस्तावेजों को आग के हवाले करना पूरे पांच साल तक वित्तीय लेखा-जोखा का ऑडिट ना करना कैश बुक में कई सारी त्रुटियां क्या इन सब की जांच नहीं होगी, यह जानकारी सूचना के अधिकार के तहत लगी है फिर भी इस मामले में जांच में इतनी देरी और प्रभारी सेवानिवृत्त प्राचार्य का यह सुनिश्चित रहना कि उनके विरुद्ध कोई जांच या कार्रवाई नहीं होगी यह वर्तमान सरकार पर सवालिया निशान खड़ा करता है, वर्तमान प्रशासनिक कसावट पर यह बहुत बड़ा सवाल उत्पन्न करता है, आखिर यह बात वह किसी राजनीतिक पकड़ के दम पर वह कह रहे हैं यह तो समझ के परे है। लेकिन स्पष्ट रूप से कहा जाए तो किसी भी सरकारी अधिकारी या प्राचार्य को यह भरोसा नहीं होना चाहिए कि सेवानिवृत्ति उन्हें जांच या कार्रवाई से बचा लेगी। भारत के सेवा नियमों (विशेषकर छत्तीसगढ़ सिविल सर्विसेज रूल्स) के अनुसार,यदि किसी अधिकारी के कार्यकाल के दौरान वित्तीय अनियमितता के प्रमाण मिलते हैं, तो सेवानिवृत्ति के बाद भी विभागीय जांच और दंडात्मक कार्रवाई संभव है। पेंशन या अन्य लाभ भी रोके जा सकते हैं, पर क्या ऐसा होगा या फिर उनका निश्चिंत रहना और यह भरोसा कि उनका कुछ नहीं हो सकता इस पर मोहर लगेगी?

प्रशासनिक सुस्ती या आंतरिक संरक्षण

अक्सर महाविद्यालयों में वित्तीय मामलों की फाइलें विभागीय स्तर पर लंबित पड़ी रहती हैं। यदि संबंधित अधिकारी को ऊपर से संरक्षण मिला हो तो वह यह सोच सकता है कि कोई उसके खिलाफ कार्रवाई नहीं करेगा।

जांच प्रक्रिया में देरी

सरकारी तंत्र में अक्सर जांच की प्रक्रिया धीमी होती है। कई बार जांच शुरू ही नहीं होती या सालों तक पेंडिंग रहती है। इससे संबंधित व्यक्ति में यह भरोसा बैठ जाता है कि मामला ठंडे बस्ते में चला गया है।

कानूनी तकनीकी या सेवानिवृत्ति का भ्रम

बहुत से अधिकारी यह मान लेते हैं कि सेवानिवृत्ति के बाद विभागीय जांच नहीं हो सकती। लेकिन यह गलत धारणा है। राज्य सेवा नियमों के अनुसार, यदि अनियमितता सेवा अवधि में हुई है और प्रमाण हैं,तो सेवानिवृत्ति के बाद भी जांच व दंड संभव है। सरकार चाहे तो उनकी पेंशन,ग्रेच्युटी या अन्य लाभ रोक सकती है।

अवर सचिव छत्तीसगढ़ शासन के आदेश का नवीन महाविद्यालय पोड़ी बचरा में नहीं हुआ पालन

दीपावली पूर्व महाविद्यालय के कर्मचारियों को नहीं मिला वेतन,दीपावली के बाद हुआ वेतन भुगतान

प्रभारी प्राचार्य ने शासन के आदेश की अवहेलना में दिखाई रुचि,क्या होगी प्रभारी प्राचार्य पर कार्यवाही?

बैकुंठपुर,24 अक्टूबर 2025 (घटती-घटना)। कोरिया जिले के नवीन महाविद्यालय पोड़ी बचरा में पदस्थ कर्मचारियों को दीपावली पूर्व वेतन भुगतान नहीं हो सका,बताया जाता है कि वेतन भुगतान दीपावली पश्चात किया गया। छत्तीसगढ़ शासन के अवर सचिव ने शासन के सभी विभागों को यह आदेश दिया था कि वह अपने अपने अधीन कार्यरत कमर्चारियों को दीपावली पूर्व दिनांक 18 अक्टूबर तक वेतन भुगतान कर दें लेकिन कोरिया जिले के नवीन महाविद्यालय पोड़ी बचरा में ऐसा नहीं किया गया और वेतन दीपावली के बाद प्रदान किया गया, यह मामला सीधे तौर पर शासन के आदेश की अवहेलना है और क्या इस मामले में प्रभारी प्राचार्य पर कार्यवाही होगी यह बड़ा सवाल है, वैसे पोड़ी बचरा महाविद्यालय की प्रभारी प्राचार्य अपनी कार्य प्रणालियों को लेकर हमेशा सुर्खियों में रहती हैं,प्रभारी प्राचार्य होते हुए वह महाविद्यालय कम ही आना जाना करती हैं वह अग्रणी महाविद्यालय से ही अपना काम चलाती हैं और जिला मुख्यालय से ही वह महाविद्यालय के कार्यों के संचालन की सोच रखती हैं, पहले भी इस आशय के समाचार प्रकाशित किए गए थे कि प्रभारी प्राचार्य ज्यादातर घर से ही अपनी उपस्थिति दर्ज करती हैं और वह नाम मात्र की प्रभारी प्राचार्य हैं, वैसे माना जा रहा है कि महाविद्यालय नियमित नहीं जाने की वजह से ही ऐसी स्थिति उत्पन्न हुई और वेतन भुगतान दीपावली पूर्व भुगतान किया जाना संभव नहीं हो सका, अब सवाल यह होता है कि क्या प्रभारी प्राचार्य पर आदेशों की अवहेलना करने को लेकर कार्यवाही होगी या फिर की मनमानी जो अभी तक चलती आई है वह चलती रहेगी इस बार इन्होंने शासन के आदेशों की अवहेलना की है इस आदेश के अवहेलना पर कई जिलों के कलेक्टर ने इस पर अधिकारियों से स्पष्टीकरण भी मांगा है क्या इस गलती के लिए नवीन महाविद्यालय पोड़ी बचरा के पदस्थ प्रभारी प्राचार्य पर भी कार्यवाही की उम्मीद की जा सकती है?

करोड़ो के रिसोर्ट गार्डन और घुनघुट्टा जलाशय पहुचने का मार्ग अत्यंत जर्जर

करोड़ो की लागत से बनाया गया शानदार प्रोजेक्ट लेकिन पहुच मार्ग पर नही दिया गया ध्यान

रोज पहुचते है सैकड़ो लोग पर पहुच मार्ग खराब होने से होती है परेशानी

अमहर से घुँघट्टा जलाशय व रिसोर्ट तक बने पक्की सड़क

-राजन पाण्डेय-

कोरिया,24 अक्टूबर 2025 (घटती-घटना)। जिले के सोनहत विकासखण्ड स्थित घुनघुट्टा जलाशय एवं रिज़ॉर्ट,ब्लॉक मुख्यालय सोनहत से पोडी मार्ग पर 4 कि.मी. की दूरी पर ग्राम अमहर के घुनघुटा नदी में लगभग 30 से 40 मीटर लंबी एवं 30 से 40 फीट ऊंची दीवार बनाकर एक वृहद क्षेत्र में घुनघुटा बांध का निर्माण किया गया है।

घुनघुटा बाध के पश्चिम दक्षिण भाग में पहाड़ियों से घिरे मैदानी भाग पर बने रिसार्ट की छवि अदभूत है, यहां 3 ट्री हाउस एक काफीटेरिया तथा एक घास का मैदान का निर्माण हुआ है। पर्यटकों कोचाँदनी रात में इन स्थानों पर रूकने से जंगली जानवरों को देखने, चांदनी रात में घुनघुटा बांध के जल किरणों की अटखेलिया देखने का मनोहारी अनुभव होगा। यहां पर फिशोंग, सायकिलिंग एवं ट्रेकिंग भी की जा सकती है। घुनघुट्टा जलाशय के पास बने रिसोर्ट और ट्री हाउस बेहद शानदार हैं यहां सैकड़ो की संख्या में लोग प्रतिदिन पहुचते हैं इस तरह का यह जिले का पहला रिसोर्ट है, इसकी स्वीकृति पुरवर्ती सरकार में हुई थी तभी से निर्माण कार्य शुरू है, हालाकि निर्माण लगभग पूर्ण हो चुका है, और लोग काफी संख्या में आने भी लगे हैं।

पहुच मार्ग अत्यंत खराब, आवागमन में परेशानी : घुनघुट्टा जलाशय व रिसोर्ट पहुच मार्ग अत्यंत खराब है मिट्टी सड़क होने के कारण रस्ते पर बड़े बड़े गड्ढे आकार ले चुके है जो दुर्घटना का कारण बन रहे हैं, जलाशय से रिसोर्ट के बीच का मार्ग और ज्यादा बदहाल है, बारिश होने के बाद यहां फिशलन की भी समस्या रहती है, साथ ही बड़ी गाड़ियों के फंसने के डर भी, क्षेत्र के लोगो ने यहां पर सड़क निर्माण कार्य कराए जाने की मांग किया है।

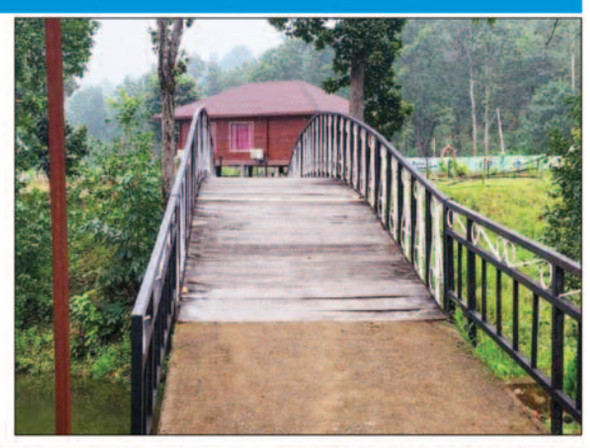

सड़क के अभाव में काफी लोग जाने से बचते हैं : दूर से आये लोग तो किसी तरह पहुच जाते हैं लेकिन स्थानीय लोग खराब सड़क के कारण जाने से बचते नजर आते हैं, कुछ लोगो का यह भी कहना है कि जब सरकार ने करोड़ो खर्च करके इतना शानदार प्रोजेक्ट बनाया है तो फिर सड़क में भी थोड़ा खर्च कर इसे पूरी तरह से शानदार बना दिया जाता तो बेहतर होता,सड़क बनने से जहां लोगो का आवागमन बढ़ेगा वही बगल के ग्राम परिहत और रजपुरी के लोगो को भी थोड़ा राहत मिलेगा क्योंकि यह मार्ग वहां के लोगो के लिए आवागमन का मुख्य मार्ग है।

कचरों से पट जाता है घुनघुट्टा परिसर : घुनघुट्टा जलाशय में मंदिर के पास बने परिसर प्लास्टिक और खाली बोतलों जैसे कचरों से अक्सर पट जाता है, जिसके कारण परिवार सहित घूमने आने वाले लोग थोड़ा असहज महसूस करने लगते हैं। घुनघुट्टा परिसर में साफ सफाई की विशेष आवश्यकता है, लेकिन यहां पर इसके लिए कोई प्रयास नही किये जा रहे हैं।

पंचायत की आय का बन सकता है साधन : घुनघुट्टा परिसर में साफ सफाई एवं पार्किंग व्यवस्था के लिए पंचायत स्तर से शुल्क लगाया जाना चाहिए और बाकायदा कचरा पेटी इत्यादि की व्यवस्था भी की जानी चाहिए जिससे यहां आने वाले लोग के माध्यम से मिलने वाली राशि से पंचायत को आय भी मिल सकेगी और

क्या कहते हैं लोग

घुनघुट्टा परिसर और रिसोर्ट तक जाने के लिए सड़क अत्यंत खराब है यहां पर काफी संख्या में लोग जाते हैं,यहां पर पक्की सड़क का निर्माण होना चाहिए

पुष्पेंद्र राजवाड़े सोनहत

घुनघुट्टा पोड़ी और सोनहत क्षेत्र की शान है यहां रस्ता बन जाये तो और अधिक लोग आएंगे ,इसके लिए शासन से मांग करेंगे

समय लाल कमलवंशी भाजपा नेता

पोड़ी सड़क से घुनघुट्टा रिसोर्ट तक सड़क खराब होने से कई बार बाइक सवार दुर्घटना का शिकार हो जाते हैं, यहां पर पक्की सड़क बननी चाहिए

प्रकाश चंद्र साहू

पोड़ी से घुनघुट्टा होते हुए परिहत तक पक्की सड़क बने ताकि रिसोर्ट के अलावा गांव तक के लोगो को आवागमन में सुविधा हो सके

अनित दुबे कांग्रेस नेता

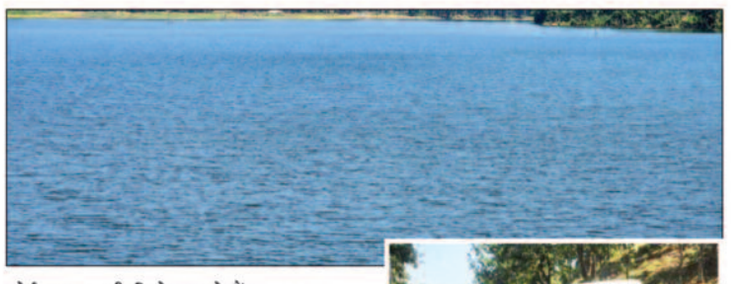

रायसोनी मेमोरियल सरगुजा संभाग स्तरीय रैपिड शतरंज प्रतियोगिता का शुभारंभ, 51हज़ार का नगद इनाम, ट्रॉफी और मेडल

कोरिया 24 अक्टूबर 2025 (घटती-घटना)। जी एच आर राय सोनी स्पोर्ट्स एन्ड कल्चरल फाउंडेशन एवं कल्पना प्रकाश वेलफेयर फाउंडेशन द्वारा प्रायोजित , छत्तीसगढ़ स्टेट चेस एसोसिएशन से मान्यता प्राप्त कोरिया ज़िला शतरंज संघ के तत्वावधान में 24 अक्टूबर को एक दिनी सरगुजा संभाग स्तरीय रैपिड शतरंज प्रतियोगिता का भव्य आयोजन बैकुण्ठपुर में किया जा रहा है उक्त स्पर्धा में 51 हज़ार के नगद इनाम वितरित किये जायेंगे, आज इस स्पर्धा का शुभारंभ नगर पालिका उपाध्यक्ष आशीष यादव आईसेक्ट कालेज के डायरेक्टर नरेश सोनी, हरिभूमि के प्रविंद्र सिंह, अंतरराष्ट्रीय लेन हॉकी प्लेयर सुमित्रा, प्राचार्य राजीव जायसवाल के आतिथ्य में तथा कोरिया ज़िला शतरंज संघ राजेन्द्र सिंह के गरिमामयी उपस्थिति में सम्पन्न हुआ इस स्पर्धा में सरगुजा ज़िला ,बलरामपुर जिला, कोरिया ज़िला, मनेंद्रगढ़ जिला, सूरजपुर जिला, जशपुर जिला के कुल 116 शतरंज खिलाड़ी ज़ोर आज़माईश कर रहे है जिसमे 6 वर्ष से लेकर 70 वर्ष के खिलाड़ी हिस्सा ले रहे है कोरिया ज़िला शतरंज के अध्यक्ष राजेंद्र सिंह ने बताया कि हमारा संघ पिछले दो वर्षों में लगभग 1 दर्जन से ज़्यादा सरगुजा संभाग स्तरीय प्रतियोगिता आयोजित कर चुका है,हमारी सक्रीयता ज़िले में लगातार बनी हुई है ,उन्होंने कहा कि प्रदेश शतरंज संघ के महासचिव विनोद राठी के कुशल मार्गदर्शन एवं दिशा निर्देशन में हम लगातार इस क्षेत्र में प्रतियोगितायें आयोजित कर पा रहे उन्होंने संभाग के शतरंज खिलाड़ियों को इस स्पर्धा में ज़्यादा संख्या में भाग लेने के लिए आमंत्रित किया है,टूर्नामेंट ऑफिसियल में अब्दुल शमीम ,शगुफ्ता खानम, आशीष गुप्ता, शेषरतन जायसवाल, योगेश गुप्ता,बी मनियन, अंजुम मेडम, संवर्त कुमार रूप, आनंद कुमार तिवारी है रविशंकर, योगेंद्र गुप्ता, सुनीता राजवाड़े।

स्वास्थ्य सेवाओं में मनेंद्रगढ़ अस्पताल की उल्लेखनीय उपलब्धि : तीन माह में 1827 मरीजों को मिला उपचार मातृ एवं शिशु स्वास्थ्य सेवाओं में सर्वाधिक सफलता

-संवाददाता-

एमसीबी,24 अक्टूबर 2025 (घटती-घटना)। स्वास्थ्य मंत्री एवं स्थानीय विधायक श्री श्याम बिहारी जायसवाल के निरंतर प्रयासों से मनेंद्रगढ़ सिविल अस्पताल ने जुलाई से सितंबर 2025 की अवधि में स्वास्थ्य सेवाओं के क्षेत्र में उल्लेखनीय प्रगति दर्ज की है। अस्पताल की त्रैमासिक रिपोर्ट के अनुसार इस अवधि में कुल 1827 मरीजों को उपचार एवं देखभाल की सुविधा प्रदान की गई। यह उपलब्धि जिले में स्वास्थ्य सेवाओं के सतत सुदृढ़ीकरण और आमजन में बढ़ते भरोसे को दर्शाती है। अस्पताल में मातृ एवं शिशु स्वास्थ्य सेवाओं से संबंधित मामलों की संख्या सबसे अधिक रही। इस अवधि में 596 गर्भवती महिलाओं की प्रसव पूर्व जांच (एएनसी और 375 प्रसवोत्तर माताओं की देखभाल (पीएनसी) की गई। यह आंकड़ा दर्शाता है कि मातृ एवं शिशु स्वास्थ्य के प्रति जनजागरूकता लगातार बढ़ रही है। सामान्य बीमारियों के साथ-साथ आपातकालीन स्थितियों में भी अस्पताल की चिकित्सा टीम ने त्वरित और प्रभावी सेवाएँ प्रदान कीं। एनीमिया के

150 के बुखार के 201 सड़क दुर्घटना (आरटीए) के 40, सर्पदंश के 53, भालू के हमले

के 5, विषाक्तता के 9 तथा जलने के 6 मरीजों का सफलतापूर्वक उपचार किया गया। इसके अलावा सिजेरियन ऑपरेशन (एलएससीएस) 80 भी सफलतापूर्वक संपन्न हुए। अस्पताल प्रशासन के अनुसार अब रेफर किए जाने वाले मरीजों की संख्या में उल्लेखनीय कमी आई है,जो स्थानीय स्तर पर बेहतर चिकित्सा सुविधाओं की उपलब्धता का सकारात्मक संकेत है। यह सफलता अस्पताल के डॉक्टरों,नर्सिंग स्टाफ और स्वास्थ्यकर्मियों की टीम भावना,समर्पण और जनसेवा के प्रति निष्ठा का परिणाम है। अस्पताल प्रशासन ने बताया कि आने वाले महीनों में मरीजों की सुविधा के लिए नई चिकित्सा सेवाएँ और आधुनिक उपकरण जोड़े जाएंगे, जिससे क्षेत्र के नागरिकों को और बेहतर उपचार उपलब्ध कराया जा सकेगा।

मलाइका अरोड़ा

इंटरेस्टिंग फैक्ट्स

चार साल की उम्र में ही नृत्य करना शुरू कर दिया था

उनका नाम पूर्वी अफ्रीका की स्वाहिली भाषा के शब्द मलाइका से लिया गया है, जिसका अर्थ परी होता है।

बचपन में लड़कों की तरह कपड़े पहनती थीं और उन्हें लड़कियों वाली चीजों में कोई दिलचस्पी नहीं थी।

उन्होंने कभी अभिनेत्री या मॉडल बनने का सपना नहीं देखा था, बचपन में उनका सपना एक टीचर बनने का था।

अपने करियर की शुरुआत MTV इंडिया की पहली वीडियो जॉकी (VJ) के रूप में की थी।

1998

फिल्म 'दिल से' के मशहूर गीत 'छैंय्या छैंय्या' ने उन्हें रातों-रात सितारा बना दिया। यह गीत चलती ट्रेन पर फिल्माया गया था। रफ्तार और संतुलन बनाए रखने के लिए उनको रस्सियों के सहारे ट्रेन से बांधा गया था। गाने की शूटिंग पूरी होने पर उनकी कमर से खून निकलने लगा था, जो उनके समर्पण और पेशेवर अनुशासन का प्रमाण था।

2008

अरबाज के साथ मिलकर 'अरबाज खान प्रोडक्शंस' की स्थापना की और सुपरहिट फिल्म दबंग का निर्माण किया।

तलाक के बाद मलाइका को अरबाज खान से बतौर एलिमनी लगभग ₹15 करोड़ प्राप्त हुए थे।

मलाइका अरोड़ा माचिस की डिब्बी जैसे घर में रहीं

आत्मसम्मान और मानसिक शांति के लिए तलाक लिया,अर्जुन से अलग होकर आत्म-खोज में जुटीं

मलाइका अरोड़ा की कहानी सिर्फ ग्लैमर नहीं,आत्मसम्मान और पुनर्जन्म का प्रतीक है। उनका बचपन बहुत गरीबी में गुजरा। अपने पेरेंट्स के साथ कभी वो मुंबई में एक छोटे से किराए के मकान में रहती थीं। मलाइका खुद उस घर को माचिस की डिब्बी जैसा घर कहती थीं,क्योंकि वह बेहद छोटा था और परिवार को कई सीमित सुविधाओं में रहना पड़ता था। ऐसे माहौल से निकलकर मलाइका अरोड़ा ने बॉलीवुड में अपने डांस और फिटनेस के दम पर एक अलग पहचान बनाई। बावजूद इसके उनके निजी जीवन में काफी उतार चढ़ाव रहा। अरबाज खान से तलाक और अर्जुन कपूर से ब्रेकअप के बाद अब मलाइका आत्म-खोज की उस यात्रा पर हैं,जहां मानसिक शांति ही असली सफलता है।

बचपन के संघर्षों ने बनाया आत्मनिर्भर और आत्मविश्वासी/ गरीबी से ग्लैमर तक का सफर

मलाइका के पिता अनिल अरोड़ा भारतीय मर्चेंट नेवी में अधिकारी थे, जबकि मां जॉयस पॉलीकार्प एक मलयाली ईसाई थीं और सामाजिक कार्यों से जुड़ी रहीं। जब मलाइका सिर्फ 11 साल की थीं,तब उनके माता-पिता अलग हो गए। इस मुश्किल दौर में उनकी मां ने दोनों बेटियों मलाइका और अमृता को संभाला और मुंबई के चेंबूर में नई जिंदगी शुरू की। यहीं स्वामी विवेकानंद स्कूल में उन्होंने पढ़ाई की, जहां उनकी मौसी स्कूल की प्रिंसिपल थीं। ग्रेजुएशन के लिए मलाइका ने जय हिंद कॉलेज में दाखिला लिया,लेकिन मॉडलिंग के बढ़ते कदमों ने उन्हें कॉलेज छोड़ने पर मजबूर किया। इसी मोड़ ने उनके करियर की दिशा तय की। मलाइका अरोड़ा ने अपने बचपन के संघर्षों और पारिवारिक उतार-चढ़ावों के बारे में साल 2022 में ग्राजिया इंडिया के एक इंटरव्यू में बात की थी। इस इंटरव्यू में उन्होंने बताया कि उनके पेरेंट्स के तलाक के बाद उनका बचपन आसान नहीं था,लेकिन उन्हीं मुश्किलों ने उन्हें आत्मनिर्भर बनाया। उन्होंने खुद को सुबह जल्दी उठने और हर काम में अनुशासन रखने की आदत डाली,जो आगे चलकर उनकी सफलता की बुनियाद बनी। मलाइका का मानना है कि उनके जीवन की सबसे बड़ी ताकत रही 'अपनी आजादी'। वे खुलकर कहती हैं मैं हमेशा अपनी शर्तों पर जीती हूं। वही मुझे सच्चा आत्मविश्वास देता है।

माचिस की डिब्बी जैसे घर से ग्लैमर वर्ल्ड तक मलाइका अरोड़ा की संघर्ष भरी कहानी

मलाइका अरोड़ा का बचपन काफी संघर्षों से भरा रहा। एक वक्त था जब उनका परिवार मुंबई में एक छोटे से किराए के घर में रहता था। मलाइका ने खुद उस घर को मजाकिया अंदाज में माचिस की डिब्बी जैसा घर कहा था,क्योंकि उसमें न जगह थी,न सुविधाएं। लेकिन उस छोटे से घर में बड़े सपने पल रहे थे। पारिवारिक हालात आसान नहीं थे,इसलिए मलाइका ने कम उम्र में ही काम करना शुरू कर दिया। शुरुआत मॉडलिंग से हुई। छोटे-छोटे विज्ञापनों ने उन्हें पहचान दिलाई, और देखते-देखते उन्होंने फैशन इंडस्ट्री में अपनी खास जगह बना ली। दिलचस्प बात यह है कि मलाइका का असली सपना एक स्कूल टीचर बनने का था। वे साइकोलॉजी में पढ़ाई कर प्रोफेसर बनना चाहती थीं। कॉलेज के दिनों में उनकी इस रुचि के बीच मॉडलिंग और टीवी की दुनिया ने उन्हें अपनी ओर खींच लिया। एमटीवी इंडिया की पहली वीजे के रूप में उन्होंने वह पहचान हासिल की जिसके बाद उन्होंने कभी पीछे मुड़कर नहीं देखा। बचपन में मलाइका टॉम बॉय थीं। खेलकूद में आगे,और गुड़िया-गुड़िया खेलने से दूर। शायद यही बिंदास स्वभाव उनके आत्मविश्वास की असली जड़ बना,जिसने उन्हें इंडस्ट्री में भीड़ से अलग खड़ा किया।

ट्रेन की छत से शुरू हुआ जादू

1998 में 'दिल से' फिल्म के सुपरहिट गाने 'छैंया-छैंया'? पर शाहरुख खान संग ट्रेन की छत पर थिरकीं मलाइका अरोड़ा रातोंरात स्टार बन गईं। इस गाने ने उन्हें बॉलीवुड की डांसिंग क्वीन का खिताब दिलाया। मॉडलिंग और वीजे से अपने करियर की शुरुआत करने वाली मलाइका ने 'मुन्नी बदनाम हुई'? जैसे चार्टबस्टर आइटम सॉन्ग्स से बॉलीवुड में अपनी जगह और मजबूत कर ली। ग्लैमर, फिटनेस और स्टाइल,ये तीनों आज भी उनके सिग्नेचर हैं। टीवी पर भी मलाइका का जलवा खूब चला। वे इंडियाज गॉट टैलेंट, झलक दिखला जा,और इंडियाज नेक्स्ट टॉप मॉडल जैसे बड़े रियलिटी शोज में जज की भूमिका निभा चुकी हैं। छोटे-से पर्दे से लेकर बड़े मंच तक,उन्होंने साबित किया कि मलाइका सिर्फ डांस फ्लोर की नहीं, बल्कि पूरे एंटरटेनमेंट जगत की चमकती पहचान हैं।

52 की उम्र में भी फिटनेस आइकन कहा... शरीर मंदिर है,सम्मान करें

मलाइका अरोड़ा 52 की उम्र में भी अपनी हॉटनेस और ग्लो से सभी को हैरान कर देती हैं। मलाइका का मानना है कि उनका शरीर उनके लिए किसी मंदिर से कम नहीं। वे कहती हैं,जैसे मंदिर का सम्मान करते हैं,वैसे ही अपने शरीर की इज्जत करनी चाहिए। मलाइका प्रतिदिन योग और पिलाटे एक्सरसाइज करती हैं। अक्सर उन्हें योग स्टूडियो के बाहर स्पॉट किया जाता है। उनके फेवरेट वर्कआउट में सूर्य नमस्कार,जंपिंग जैक,ग्लूट किक्स और हाई नी टैप्स शामिल हैं। वे कहती हैं,योग केवल शरीर नहीं,मन को भी मजबूत बनाता है। मलाइका के मुताबिक,फिटनेस का सबसे अहम पहलू है सही सोच। पॉजिटिव माइंडसेट और पूरी नींद अच्छे स्वास्थ्य की कुंजी है। उनका कहना है,फिट बॉडी के लिए दिमाग का फिट और पॉजिटिव रहना जरूरी है।

मलाइका अरोड़ा की फिटनेस का सीक्रेट

मलाइका अरोड़ा ज्यादातर घर का सादा खाना पसंद करती हैं। वह अपने भोजन में कम मात्रा रखती हैं और प्लेट की बजाय कटोरी में खाना पसंद करती हैं। उनका सुपरफूड 'घी' है । वे प्रोसेस्ड फूड से बचती हैं और ज्यादा पानी पीने पर जोर देती हैं। उसी इंटरव्यू में मलाइका में बताया था कि वे हेल्दी ईटिंग को स्टाइल का नहीं, बल्कि जीवनशैली का हिस्सा मानती हैं। उनके दिन की शुरुआत डिटॉक्स ड्रिंक और योगाभ्यास से होती है और रात का खाना अक्सर हल्का होता है। फिटनेस के अलावा वे त्वचा की चमक बनाए रखने के लिए नेचुरल स्किन केयर का पालन करती हैं ।

कॉफी एड से शुरू हुई मोहब्बत 'आइडियल कपल' का खिताब मिला

मलाइका अरोड़ा और अरबाज खान की प्रेम कहानी 90 के दशक की सबसे चर्चित कहानियों में से एक रही। दोनों की पहली मुलाकात 1993 में एक कॉफी ब्रांड के विज्ञापन शूट के दौरान हुई थी,जहां से उनकी दोस्ती ने प्यार का रूप ले लिया। पांच साल के रिश्ते के बाद 1998 में दोनों ने हिंदू और मुस्लिम रीति-रिवाजों से शादी की। फिल्मी गलियारों में यह जोड़ी अपने स्टाइल और कैमिस्ट्री के लिए मशहूर थी। बॉलीवुड में इन्हें स्टाइलिश कपल कहा जाता था। 2002 में इनकी जिंदगी में बेटे अरहान खान का जन्म हुआ। लंबे वक्त तक दोनों ने एक आदर्श दांपत्य जीवन जिया और रियलिटी शोज,अवॉर्ड फंक्शन्स से लेकर फैशन इवेंट्स तक, हर जगह साथ नजर आए।

आत्मसम्मान के लिए लिया तलाक

2016 में दोनों के रिश्ते में दरार की खबरें सामने आने लगीं। अगले ही साल यानी 2017 में दोनों ने आधिकारिक तौर पर तलाक ले लिया। अलगाव के बाद भी दोनों ने यह साफ कहा कि उनके बीच कोई कड़वाहट नहीं है और वे अपने बेटे की परवरिश साथ मिलकर करेंगे। मलाइका ने पिंकविला को दिए एक इंटरव्यू में कहा था- तलाक का फैसला बहुत सोच-समझकर लिया। यह मेरे लिए भावनात्मक रूप से बेहद मुश्किल था,लेकिन आत्मसम्मान और मानसिक शांति के लिए जरूरी भी था।

पांच साल साथ, फिर अलग राह!

तलाक के कुछ साल बाद जब मलाइका अरोड़ा और अर्जुन कपूर की नजदीकियां सुर्खियों में आईं, तो फैंस ने उन्हें बॉलीवुड का सबसे स्टाइलिश कपल कहा। दोनों को कई बार पब्लिक इवेंट्स और सोशल मीडिया पर साथ देखा गया। 2019 में दोनों ने सार्वजनिक रूप से अपने रिश्ते को स्वीकार करते हुए एक-दूसरे के लिए प्यार और समर्थन जताया। करीब पांच साल तक चला ये रिश्ता अब खत्म हो गया है। 2024 में दोनों के बीच ब्रेकअप की खबरों ने फैंस को चौंका दिया। बताया जा रहा है कि अर्जुन और मलाइका ने आपसी सहमति से अलग होने का फैसला लिया। ब्रेकअप के बाद मलाइका ने सोशल मीडिया पर खुद को 'सिंगल' बताया और लिखा कि अब वह अपनी आत्म-खोज की यात्रा पर हैं।

मलाइका ने बनाया अपना बिजनेस ब्रांड

मलाइका अरोड़ा सिर्फ लुक्स और फिटनेस तक सीमित नहीं, बल्कि अब बिजनेस वर्ल्ड में भी अपनी पहचान बना चुकी हैं। उन्होंने अपने फैशन सेंस को बिजनेस में बदलते हुए The Label Life नाम के फैशन लेबल से बतौर बिजनेस पार्टनर जुड़ाव बनाया है। यहां वे आउटफिट्स की स्टाइलिंग, कलेक्शन डिजाइन और प्रमोशन का पूरा क्रिएटिव कंट्रोल संभालती हैं।

15 करोड़ का घर,प्रॉपर्टी डील से बड़ा मुनाफा

मलाइका का बांद्रा में स्थित लग्जरी अपार्टमेंट करीब 15 करोड़ रुपए का है। हाल ही में उन्होंने मुंबई में अपनी एक और प्रॉपर्टी 5.3 करोड़ रुपए में बेची,जिससे उन्हें लगभग 2 करोड़ रुपए का फायदा हुआ। रियल एस्टेट इन्वेस्टमेंट के साथ-साथ वे फिटनेस और ब्यूटी ब्रांड्स की ब्रांड एम्बेसडर भी हैं।

अब वेलनेस सेक्टर में बढ़ाया ब्रांड का दायरा

फिटनेस और हेल्थ को लेकर मलाइका की लगन अब बिजनेस में भी उतर आई है। उन्होंने अपने ब्रांड को वेलनेस सेक्टर तक विस्तार दिया है,जहां फोकस है हेल्दी और स्टाइलिश लाइफस्टाइल पर।

सोशल मीडिया पर भी फैला उनकी फिटनेस का असर

इंस्टाग्राम पर मलाइका के योगा,हेल्थ टिप्स और फिटनेस वीडियोज लाखों लोगों के लिए मोटिवेशन बन चुके हैं। हर पोस्ट के जरिए वे लोगों को हेल्दी,कॉन्फिडेंट और स्टाइलिश लाइफ अपनाने के लिए प्रेरित करती हैं। मलाइका अपने फैंस को भी यही सलाह देती हैं कि सिर्फ शारीरिक फिटनेस पर ध्यान देना काफी नहीं,मानसिक फिटनेस आपके लिए और भी महत्वपूर्ण है। योग और मेडिटेशन को अपनी दिनचर्या में शामिल करें,क्योंकि यही लंबे समय तक आपको खुश और हेल्दी रखने का रास्ता है। मलाइका अरोड़ा आज सिर्फ एक ग्लैमरस स्टार नहीं,बल्कि देशभर की महिलाओं के लिए 'वेलनेस रोल मॉडल' बन चुकी हैं। 52 साल की उम्र में भी उनकी फिटनेस,आत्मविश्वास और स्टाइल लोगों को हैरान कर देता है।

आयुष्मान खुराना की थामा ने की बम्पर कमाई एक दीवाने की दीवानियत पीछे रहकर भी गई जीत

आयुष्मान खुराना और रश्मिका मंदाना की लेटेस्ट हॉरर कॉमेडी फिल्म थामा पहले दिन से ही अपनी मजबूत पकड़ बनाकर रखी है। एडवांस बुकिंग की बदौलत इसने पहले दिन थिएटरों में खूब गर्दा उड़ाया। वहीं दूसरे दिन के बाद तीसरे दिन भी इसने शानदार कमाई की। वहीं इस फिल्म के साथ रिलीज हुई एक दीवाने की दीवानियत अपनी लागत वसूल पाने के बेहद करीब है। आइए जानते हैं दोनों फिल्मों ने कितनी कमाई की है। पिछले 22 दिनों से सिनेमाघरों में कांतारा: चैप्टर 1 भूचाल मचा रही है। अब जब कोई नई फिल्म रिलीज हो तो उसपर कमाई का अलग प्रेशर होता है और फिलहाल थामा इसमें सफल होती दिख रही है। वहीं करीब 25-30 करोड़ के बजट में बनी फिल्म एक दीवाने की दीवानियत भले थामा से कम कमाई कर रही हो लेकिन ये फिल्म कमाई के लिहाज से अधिक सफल दिख रही है क्योंकि ये अपने बजट के एकदम पास है। स्त्री,भेड़िया, मुंज्या और स्त्री 2 के बाद निर्देशक आदित्य सरपोतदार की इस फिल्म थामा बेताल की प्रजाति की कहानी है। वैसे देखा जाए तो फिल्म की कहानी और कॉमिक पंचेज उतने मजबूत नहीं हैं। अगर ये दमदार होते तो ये हॉरर-कॉमेडी यूनिवर्स की एक और यूनीक फिल्म बन सकती थी।

थामा की कहानी

फिल्म की कहानी आलोक गोयल यानी आयुष्मान खुराना की है जो घने जंगलों में ट्रेकिंग करने जाता है। वहां भालू उसपर हमला करता है और फिर एक रहस्यमयी लड़की

ताड़का (रश्मिका मंदाना) उसकी जान बचाती है। ताड़का,अलौकिक शक्तियों वाली अमर बेतालों की प्रजाति से है जो कभी इंसानों का खून पीकर जिंदा रहते थे। इन बेतालों का दुष्ट मुखिया यक्षशासन (नवाजुद्दीन सिद्दीकी) है और इसलिए उसे सौ साल के लिए गुफा में कैद कर दिया गया था। कहानी तब मोड़ लेती है जब आलोक और ताड़का के बीच प्यार हो जाता है लेकिन ताड़का को पता लगता है कि वो इंसानी दुनिया का हिस्सा नहीं बन सकती। आलोक का एक्सीडेंट हो जाता है और उसे बचाने के लिए ताड़का उसका खून पी लेती है। अब आलोक भी बेताल बन जाता है। यक्षशासन बाहर निकल आता है और अब इंसानियत के लिए खतरा लौट आया है।

थामा की कमाई और बजट

करीब 145 करोड़ के बजट में बनी फिल्म थामा की बात करें तो ये कमाई भले अच्छी कर रही हो लेकिन अभी अपने बजट से काफी दूर है। पहले दिन 24 करोड़ रुपये की कमाई कर चुकी थामा ने तीसरे दिन गुरुवार को 12.50 करोड़ रुपये की कमाई की। कुल मिलाकर ये फिल्म अब तक करीब 55.10 करोड़ रुपये की कमाई की है। वहीं वर्ल्डवाइड कलेक्शन की बात करें तो इस फिल्म ने वर्ल्डवाइड अब तक करीब 69 करोड़ के आसपास कलेक्शन कर चुकी है।

एक दीवाने की दीवानियत की कहानी

अब बात करते हैं इसी फिल्म के साथ रिलीज हुई मिलाप जावेरी निर्देशित एक दीवाने की दीवानियत की,जिसमें हर्षवर्धन राणे,सोनम बाजवा,शायद रंधावा,सचिन खेड़ेकर जैसे कलाकार हैं। इस फिल्म की कहानी दबंग पॉलिटिशियन के बेटे विक्रमादित्य भोसले (हर्षवर्धन राणे) की है जिसकी नजर बॉलीवुड की चमकती सितारा अदा (सोनम बाजवा) पर पड़ती है। विक्रम उसे पाने के लिए सारे पैंतरे अपनाता है। कहानी में ट्विस्ट तब आता है जब अदा, अपने गुस्से और प्रतिशोध में ये ऐलान कर देती है कि जो दशहरे तक विक्रम को जान से मारेगा,मैं उसके साथ एक रात गुजारूंगी। दोनों के बीच की यह टकराहट,अंततः उन्हें एक ऐसे दोराहे पर ले जाती है जहां प्यार, नफरत,शक्ति और विनाश भी है।

एक दीवाने की दीवानियत का कलेक्शन

इस फिल्म के कलेक्शन की बात करें तो इसने तीसरे दिन करीब 6 करोड़ रुपये की कमाई की। कुल मिलाकर तीन दिनों में ये फिल्म 22.75 करोड़ के करीब हो चुकी है। वहीं वर्ल्डवाइड इस फिल्म ने करीब 27-28 करोड़ की कमाई कर ली है। हालांकि, फाइनल कलेक्शन का इंतजार है। यानी इस वीकेंड तक ये फिल्म अपने बजट से आगे निकल जाएगी और यही वजह है कि थामा से कम कमाई करके भी ये फिल्म बॉक्स ऑफिस पर जीत हासिल करती दिख रही है।

प्रभास की इन 4 फिल्मों पर 1,000 करोड़ से ज्यादा का दांव,किस-किस ने लगाया पैसा

प्रभास एक ग्लोबल स्टार हैं और वो अपनी फिल्मों से कई दफा साबित भी कर चुके हैं कि वो कमाल के कलाकार हैं। बाहुबली, बाहुबली 2 और कल्कि 2898एडी से दुनियाभर में लोकप्रिय हो चुके प्रभास का पूरा नाम सूर्यनारायण वैंकट प्रभास राजु उप्पलपाटि है। 46 साल के हो चुके प्रभास की फिल्मों को लेकर उनके प्रशंसकों के बीच एक अलग ही उत्साह देखने को मिलता है।

द राजा साब: शुरुआत करते हैं पीपुल मीडिया फैक्ट्री की हॉरर कॉमेडी फिल्म द राजा साब से। इसके पोस्टर और टीजर ने पहले ही उत्सुकता बढ़ा दी थी,लेकिन ट्रेलर ने दर्शकों का उत्साह को सातवें आसमान पर पहुंचा दिया और प्रशंसकों ने भविष्यवाणी कर दी कि प्रभास एक बार फिर ब्लॉकबस्टर के साथ तैयार हैं। ये फिल्म 9 जनवरी,2026 को 5 भारतीय भाषाओं में रिलीज होगी। बताया जा रहा है कि इस फिल्म का बजट लगभग 400 करोड़ रुपये है।

स्पिरिट: स्पिरिट में प्रभास के साथ तृप्ति डिमरी नजर आएंगी। टी-सीरीज के बैनर तले बन रही इस फिल्म के निर्देशक संदीप रेड्डी वांगा हैं,जिन्होंने रणबीर कपूर संग पिछली बार एनिमल दी थी। स्पिरिट को पैन-इंडिया नहीं, बल्कि पैन-वर्ल्ड फिल्म की तरह बनाया जाएगा। इसे भारतीय भाषाओं के अलावा कोरियाई और चीनी भाषा में भी डब किया जाएगा। इसका बजट 300 करोड़ रुपये बताया जा रहा है। अगले साल रिलीज होने वाली इस फिल्म में प्रभास 3 अलग-अलग अवतार में दिखेंगे।

सालार 2: सालार ने दुनियाभर में शानदार कमाई की थी और प्रभास के गिरते स्टारडम को संभाला था।

अब फिल्म का अगला भाग आने वाला है। प्रशांत नील के निर्देशन में बनी इस फिल्म को 340 करोड़ रुपये की लागत में बनाया जा रहा है। सालार 2 में सालार के मुकाबले राजनीति,एक्शन और ड्रामा भी ज्यादा होगा। कांतारा चैप्टर 1 बनाने वाला प्रोडक्शन हाउस होमब्ले फिल्म्स के बैनर तले बन रही इस फिल्म की रिलीज तारीख अभी सामने नहीं आई है।

फौजी: प्रभास सीता रामम के निर्देशक हनु राघवपुड़ी संग फौजी में काम कर रहे हैं। ये एक पीरियड रोमांस फिल्म होगी। बताया जा रहा है कि फिल्म में प्रभास 2 अलग-अलग अवतारों में नजर आएंगे। फिल्म का अनुमानित बजट 300 करोड़ रुपये है। पुष्पा वाले मैत्री मूवी मेकर्स ने इस पर पैसा लगाया है। फिल्म से हिंदी भाषी दर्शक ज्यादा से ज्यादा जुड़ें,इसलिए इसमें बॉलीवुड से अभिषेक बच्चन की एंट्री भी कराई गई है। ये उनकी पहली साउथ फिल्म होगी।

मुख्यमंत्री साय ने प्रधानमंत्री मोदी के प्रवास की तैयारियों का लिया व्यापक जायजा

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी जी का प्रवास प्रदेश के लिए गौरव का अवसर प्रत्येक व्यवस्था हो गरिमामय और त्रुटिरहितः मुख्यमंत्री साय

रायपुर,24 अक्टूबर 2025। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के आगामी छत्तीसगढ़ प्रवास के मद्देनज़र मुख्यमंत्री विष्णु देव साय ने नवा रायपुर में विभिन्न कार्यक्रम स्थलों का निरीक्षण कर तैयारियों की विस्तृत समीक्षा की। मुख्यमंत्री साय ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी जी का छत्तीसगढ़ आगमन राज्य के लिए गौरव का अवसर है। उन्होंने अधिकारियों से कहा कि इस दौरान प्रत्येक व्यवस्था उत्कृष्टता का प्रतीक बने और प्रदेश की संस्कृति, आत्मगौरव एवं प्रगति की झलक हर स्थल पर दृष्टिगोचर हो।

मुख्यमंत्री साय ने विभिन्न स्थलों का किया निरीक्षण

मुख्यमंत्री साय ने सबसे पहले नवा रायपुर स्थित सत्य साई हॉस्पिटल का निरीक्षण किया। उन्होंने कार्यक्रम की रूपरेखा,सभागार व्यवस्था,मंच और पार्किंग क्षेत्र, विभागीय डोम, प्रदर्शनी दीर्घा,वीआईपी दीर्घा और आमजन के लिए बनाए गए मार्गों का निरीक्षण किया। उन्होंने कहा कि राज्योत्सव छत्तीसगढ़ की उपलब्धियों, संस्कृति और आत्मविश्वास का उत्सव है,इसलिए यह आयोजन उत्कृष्टता की नई मिसाल बने।

मुख्यमंत्री साय ने अधिकारियों को निर्देश दिए कि सभी कार्य निर्धारित समय-सीमा के भीतर पूरे किए जाएँ और सुरक्षा,स्वच्छता तथा आमजन की सुविधा से जुड़े सभी बिंदुओं पर विशेष ध्यान दिया जाए। इस अवसर पर वन मंत्री केदार कश्यप,मुख्य सचिव विकास शील,मुख्यमंत्री के प्रमुख सचिव सुबोध सिंह,प्रमुख सचिव सोनमणि बोरा,पुलिस महानिदेशक अरुण देव गौतम,सचिव राहुल भगत सहित विभिन्न विभागों के वरिष्ठ अधिकारीगण उपस्थित थे।

ट्राइबल म्यूज़ियम बनेगा जनजातीय अस्मिता का अमर प्रतीक

मुख्यमंत्री साय ने शहीद वीर नारायण सिंह स्मारक सह जनजातीय स्वतंत्रता संग्राम सेनानी संग्रहालय का निरीक्षण किया। उन्होंने कहा कि यह संग्रहालय जनजातीय समाज की वीरता,बलिदान और अस्मिता का अमर प्रतीक बनेगा।मुख्यमंत्री ने निर्देश दिया कि संग्रहालय के प्रत्येक अनुभाग को इस प्रकार तैयार किया जाए कि वह आगंतुकों को छत्तीसगढ़ के जनजातीय स्वतंत्रता संग्राम के गौरवशाली अध्याय से गहराई से परिचित करा सके। उन्होंने प्रदर्शनी दीर्घाओं,मल्टीमीडिया गैलरी,स्मृति कक्ष और बाहरी परिसर की व्यवस्थाओं की भी समीक्षा की।

आमंत्रित अतिथियों के बैठने की व्यवस्था का जायजा लिया। इसके पश्चात मुख्यमंत्री साय प्रजापिता ब्रह्मकुमारी ध्यान केंद्र पहुँचे,जहाँ उन्होंने प्रधानमंत्री के प्रस्तावित कार्यक्रम की बिंदुवार समीक्षा की। उन्होंने ध्यान केंद्र के सभागार,मेडिटेशन रूम एवं बाहरी परिसर का निरीक्षण करते हुए सभी व्यवस्थाओं को समय पर पूर्ण करने के निर्देश दिए।

राज्योत्सव स्थल बनेगा छत्तीसगढ़ की उपलब्धियों का दर्पण

मुख्यमंत्री साय ने नवा रायपुर स्थित राज्योत्सव स्थल का भी दौरा किया और तैयारियों की जानकारी ली। उन्होंने मुख्य

बॉक्सिंग रिंग में बर्थडे बना विवाद का रिंग,शराब-चिकन पार्टी पर हाईकोर्ट सख्त,जीएम से मांगा जवाब

बिलासपुर,24 अक्टूबर 2025। रेलवे के खेल परिसर में अनुशासनहीनता का बड़ा मामला सामने आया है। साउथ ईस्ट सेंट्रल रेलवे के बॉक्सिंग रिंग में शराब और नॉनवेज पार्टी मनाने के विवाद पर अब हाईकोर्ट ने सख्त रुख अपनाया है। न्यायालय ने छुट्टी के दिन विशेष सुनवाई करते हुए रेलवे के जीएम से शपथपत्र तलब किया है और पूछा...दोषी अधिकारियों और कोचों के खिलाफ अब तक क्या कार्रवाई की गई? मामला बिलासपुर जोन के रेलवे बॉक्सिंग क्लब का है, जहां स्पोर्ट्स सेल के प्रभारी श्रीकांत पहाड़ी ने साथी कोच देवेंद्र यादव के साथ जन्मदिन का जश्न मनाया। पार्टी में कई अधिकारी और कोच मौजूद थे। इस दौरान बॉक्सिंग रिंग के मेट को टेबल की तरह इस्तेमाल किया गया,जिस पर शराब की बोतलें, बीयर के ग्लास और नॉनवेज की

प्लेटें रखी गईं। चारों ओर कुर्सियां लगाकर देर रात तक पार्टी चली।

खिलाड़ियों का विरोध: खिलाड़ियों ने इसे आस्था का अपमान बताया है। उनका कहना है– यही रिंग हमारी साधना की जगह है,जहां हम रोज मेहनत करते हैं। इस पर शराब और मांस रखकर उन्होंने हमारी भावनाओं को ठेस पहुंचाई है। पार्टी की तस्वीरें सोशल मीडिया पर वायरल हुईं,जिनमें अधिकारी शराब के ग्लास लिए पोज देते दिख रहे हैं।

रेल प्रशासन की सफाई: विवाद बढ़ने पर रेलवे प्रशासन ने मामले को गंभीर माना है। सीनियर डीसीएम अनुराग कुमार सिंह ने कहा,खिलाड़ियों के अभ्यास स्थल पर शराब पार्टी अस्वीकार्य है। जांच जारी है और दोषियों पर कार्रवाई निश्चित है। सूत्रों के मुताबिक, रेलवे स्पोर्ट्स सेक्शन में अनुशासनहीनता की शिकायतें पहले भी उठ चुकी हैं,लेकिन इस बार मामला उस जगह की पवित्रता से जुड़ा है ।

धान खरीदी से पहले कर्मचारियों ने किया आंदोलन का ऐलान

सहकारी कर्मचारियों ने सरकार के खिलाफ खोला मोर्चा,तीन नवंबर से अनिश्चितकालीन आंदोलन की चेतावनी

बिलासपुर,24 अक्टूबर 2025। प्रदेश में इस बार धान खरीदी 15 नवंबर से शुरू होने जा रही है। प्रशासन ने इसकी तैयारियां शुरू कर दी है। वहीं,छत्तीसगढ़ सहकारी समिति कर्मचारी महासंघ और ऑपरेटर संघ ने धान खरीदी का बहिष्कार करने का ऐलान कर दिया है। संघ ने अपनी चार सूत्रीय मांगों को लेकर 3 नवंबर से अनिश्चितकालीन हड़ताल पर जाने की चेतावनी दी है। ऐसे में कर्मचारियों का आंदोलन शुरू हुआ तो आने वाले समय में इसका असर धान खरीदी पर पड़ सकता है। छत्तीसगढ़ सहकारी समिति कर्मचारी महासंघ रायपुर एवं समर्थन मूल्य धान खरीदी ऑपरेटर संघ द्वारा राज्य सरकार के खिलाफ चरणबद्ध आंदोलन करने की चेतावनी दी है। महासंघ ने स्पष्ट किया है कि यदि शासन द्वारा उनकी चार सूत्रीय लंबित मांगों पर शीघ्र निर्णय नहीं लिया गया, तो आगामी धान खरीदी सीजन का पूर्ण रूप से बहिष्कार करते हुए 12 नवंबर से अनिश्चितकालीन आंदोलन किया जाएगा। इस आंदोलन में जिले की सभी सहकारी समितियों के कर्मचारी भी भाग लेंगे।

चार सूत्रीय मांगों को पूरा करने दिया था आश्वासन

संघ के पदाधिकारियों ने बताया कि उनकी चार सूत्रीय मांगें खाद्य विभाग और सहकारिता विभाग से जुड़ी हुई हैं, जिन पर वर्षों से कोई ठोस निर्णय नहीं लिया गया है। पिछले साल धान खरीदी से पहले कर्मचारियों ने आंदोलन शुरू किया था। लेकिन,तब शासन-प्रशासन ने उनकी मांगों को पूरा करने का भरोसा दिलाया था। लेकिन,साल भर बीत जाने के बाद भी शासन ने उनकी मांगों को पूरा करने के लिए कोई पहल नहीं की है, जिसके कारण कर्मचारियों में आक्रोश है।

कर्मचारी नेता बोले...भविष्य से जुड़ी हैं उनकी मांगे: संघ के कर्मचारी नेताओं ने कहा कि करीब 15,000 सहकारी समिति कर्मचारियों और 39 उपार्जन केंद्रों के संविदा कंप्यूटर ऑपरेटरों के भविष्य से जुड़ी इन मांगों को लेकर संगठन ने मोर्चा खोल दिया है। संगठनों का कहना है कि यदि सरकार समय रहते उनकी जायज मांगों पर निर्णय नहीं लेती,तो धान उपार्जन प्रक्रिया पूरी तरह प्रभावित होगी। इसकी जिम्मेदारी शासन की होगी। उन्होंने कहा कि उनकी सभी मांगें जायज है और उनकी भविष्य को लेकर है।

धान खरीदी का बहिष्कार करेंगे कर्मचारी और ऑपरेटर: कर्मचारी नेताओं ने साफ कहा है कि जब तक उनकी मांगें पूरी नहीं होंगी,वे धान खरीदी का बहिष्कार करेंगे। ऐसे में अब देखना होगा कि शासन इस आंदोलन से पहले कर्मचारियों को मनाने की कोशिश करेगी या फिर इस बार धान खरीदी की शुरुआत होने से पहले ही खरीदी केंद्रों पर आंदोलन का असर दिखेगा। बतादें कि धान खरीदी छत्तीसगढ़ के किसानों के लिए महत्वपूर्ण है।

महिला ने शादी के 10 महीने बाद की आत्महत्या! वीडियो बनाकर पति और ससुराल वालों को ठहराया दोषी...

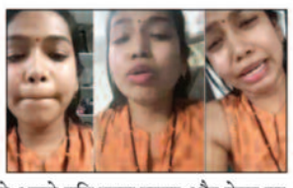

रायपुर,24 अक्टूबर 2025। राजधानी रायपुर में एक दर्दनाक घटना सामने आई है,जहां एक शादीशुदा महिला ने आत्महत्या कर ली। महिला ने आत्महत्या से पहले एक वीडियो बनाया,जिसमें उसने अपने पति,सास,ससुर और देवर पर प्रताड़ना का आरोप लगाया है। महिला की पहचान मंजूषा गोस्वामी के रूप में हुई है,जिसकी शादी 16 जनवरी 2025 को आशीष गोस्वामी के साथ हुई थी। शादी के 10 माह बाद महिला ने 21 अक्टूबर 2025 को ससुराल में फांसी लगाकर आत्महत्या कर ली। वीडियो में मंजूषा ने कहा है कि उसके पति,सास,ससुर और देवर उसे प्रताड़ित करते थे। उसने आरोप लगाया है कि उसके पति ने उस पर 2 बार हाथ भी उठाया और उसकी सास अपने बेटे का पक्ष लेती रही। मंजूषा ने वीडियो में कहा मेरे पास अब कोई रास्ता नहीं बचा,मैं 4 बहनों में सबसे बड़ी बहन हूं,मेरे पापा इकलौते कमाने वाले हैं। मैं ससुराल के लोगों से तंग आ चुकी हूं। अब मैं नहीं रह सकती,मेरे पास मरने के अलावा कोई ऑप्शन नहीं है,मैं सब छोड़ कर जा रही हूं। 1 मिनट 10 सेकंड के वीडियो में मंजूषा ने आगे कहा मुझे दहेज से लेकर सभी चीजें को लेकर प्रताड़ित कर रहे हैं। शादी के 10 महीने में मैं 10 दिन भी सुखी से नहीं रही हूं। इसके जिम्मेदार भी मेरे पति,ससुर, सास और देवर हैं। वीडियो रिकॉर्ड करने के बाद महिला ने अपने कमरे में जाकर अंदर से दरवाजा बंद कर पहले हाथ की नस काटी, फिर फांसी लगाकर आत्महत्या कर ली।

सीबीएसई का बड़ा कदमः अब तीसरी कक्षा से पढ़ाई जाएगी आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस,एक अलग विषय के रूप में पाठ्यक्रम में होगा शामिल

रायपुर,24 अक्टूबर 2025। केंद्रीय माध्यमिक शिक्षा बोर्ड अब प्राथमिक स्तर से ही छात्रों को आर्टिफिशियल इंटेलिजेंसकी शिक्षा देने की दिशा में कदम बढ़ा रहा है। यह पहली बार होगा जब एआई को किसी विषय के हिस्से के रूप में नहीं,बल्कि एक अलग विषय के रूप में पाठ्यक्रम में शामिल किया जाएगा। बोर्ड की योजना है कि शैक्षणिक सत्र 2026-27 से कक्षा 3 और उससे ऊपर के विद्यार्थियों के लिए एआई को मुख्यधारा की पढ़ाई का हिस्सा बनाया जाए। शिक्षा मंत्रालय इस पहल के लिए एक व्यापक एआई इंटीग्रेशन फ्रेमवर्क तैयार कर रहा है, जिससे शिक्षक और छात्र दोनों नई तकनीक के साथ सहज हो सकें। मंत्रालय का मानना है कि आने वाले समय में एआई के बढ़ते प्रभाव को देखते हुए शिक्षा प्रणाली को आधुनिक बनाना आवश्यक है। इसी दिशा में शिक्षण पद्धतियों को इस तरह विकसित किया जा रहा है कि अगले कुछ वर्षों में शिक्षकों और विद्यार्थियों के लिए एआई का उपयोग सामान्य बात बन जाए। वर्तमान में सीबीएसई के 18,000 से अधिक स्कूलों में कक्षा 6 से एआई को 15 घंटे के मॉड्यूल के रूप में कौशल विषय के तहत पढ़ाया जा रहा है।

मजदूरी के लिए गए डेढ़ दर्जन ग्रामीण कर्नाटक में बंधक,छुड़ाने की परिजनों ने पुलिस से लगाई गुहार..

बीजापुर,24 अक्टूबर 2025। जिले के डेढ़ दर्जन ग्रामीणों को ईंट भट्ठे में मजदूरी के लिए ले जाया गया और अब उन्हें बंधक बनाकर काम कराया जा रहा है। इस मामले की शिकायत लेकर परिजन बीजापुर के सिटी कोतवाली में पहुंचे।

घर आने की बात पर की जाती है मारपीट: बंधक मजदूरों के परिजनों ने बीजापुर पुलिस के समक्ष आवेदन देकर बताया कि दलालों ने उन्हें धोखे से बंधक बनाया है और उनसे जबरन काम कराया जा रहा है। परिजनों ने शिकायत में बताया कि जब भी मजदूर अपने गृह राज्य छत्तीसगढ़ लौटने की बात करते हैं,तो ठेकेदार उनके साथ मार-पीट करता है और उन्हें धमकाता है। उन्हें उनकी मजदूरी भी नहीं दी जा रही है और उनका लगातार उत्पीड़न किया जा रहा है। परिजनों के अनुसार ग्राम

पंचायत कड़ेनार (सिलगापारा) के 11 और ग्राम पंचायत कैका (गुमला) के 7 मजदूरों को 8 अगस्त 2025 को तेलंगाना के करीमनगर जिले में ईंट भट्टे पर काम के लिए ले जाया गया था। करीमनगर में एक सप्ताह काम करने के बाद उन्हें महाराष्ट्र के नांदेड़ जिले के निजामाबाद ले जाया गया। इसके बाद दलाल सीनू श्रीनिवास ने इन मजदूरों को कर्नाटक राज्य के बिडगी गांव जानमट्टी भेज दिया।

वहां उन्हें बताया गया कि उन्हें 5 लाख रुपए में एक सेठ के यहां मजदूरी करनी है। परिजनों का आरोप है कि मजदूरों को बंधक बनाकर रखा गया है। परिजनों ने सीनू श्रीनिवास और संबंधित व्यक्तियों के खिलाफ सख्त धाराओं में एफआईआर दर्ज करने की मांग की है। उन्होंने प्रशासन से पीड़ित मजदूरों को जल्द से जल्द घर वापस लाने और उनकी मजदूरी दिलाने का भी आग्रह किया है। बंधक बनाए गए मजदूरों में मनोज ताती,दिनेश ताती, रमेश ताती, अर्जुन ताती,बोज्जा ताती,राजू ताती,चैतू ताती, रानी हपका, मनीला हेमला,चिन्ना ताती, राजू लेकाम, मरीना मीडियम, मरीना तेलम,मंजू लेकाम, मीना अवलम,दीपिका हेमला, ज्योति हपका,निर्मला ताती, संजय ताती,अनीता ताती,रामकृष्ण ताती, लखन ताती और मुनिता ताती शामिल हैं। इस पूरे मामले में बीजापुर कोतवाली थाना प्रभारी दुर्गेश शर्मा ने बताया की मामले के तथ्यों की पुष्टि के बाद संबंधित विभाग से समन्वय स्थापित कर विधिसंगत कार्रवाई की जाएगी।

छत्तीसगढ़ में 7 आईपीएस अफसरों का ट्रांसफर

अंकिता शर्मा समेत 4 जिलों के एसपी बदले

रायपुर,24 अक्टूबर 2025। छत्तीसगढ़ शासन ने शुक्रवार देर शाम पुलिस विभाग में बड़ा प्रशासनिक फेरबदल किया है। गृह विभाग ने 4 जिलों के पुलिस अधीक्षकों (एसपी) समेत 7 आईपीएस अधिकारियों का ट्रांसफर के आदेश जारी किए हैं। गृह विभाग के सचिव हिमशिखर गुप्ता ने ट्रांसफर ऑर्डर जारी किया है। आदेश के अनुसार वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक मोहित गर्ग को राजनांदगांव से डीआईजी पुलिस मुख्यालय (मुख्यालय अटैच) किया गया है। वहीं मनेंद्रगढ़-चिरमिरी-भरतपुर के एसपी आईपीएस चंद्रमोहन सिंह को दमकल-नगर सेना का डायरेक्टर बनाया गया है। इसी तरह से सक्ती जिले की एसपी अंकिता शर्मा को

राजनांदगांव का नया पुलिस अधीक्षक बनाया गया है। वहीं रतना सिंह को मनेंद्रगढ़ जिले का एसपी नियुक्त किया गया है। इसके अलावा प्रफुल्ल ठाकुर को सक्ती जिले की जिम्मेदारी सौंपी गई है। पंकज चंद्रा अब कोंडागांव जिले के नए एसपी होंगे। गृह विभाग ने स्पष्ट किया है कि सभी अधिकारी तुरंत पदभार ग्रहण करें और इसकी सूचना विभाग को भेजें।

निलंबित उप संचालक हेमंत उपाध्याय 2 महीने बाद बहाल शिक्षा संचालनालय में किए गए पदस्थ,आदेश जारी...

रायपुर,24 अक्टूबर 2025। छत्तीसगढ़ में शिक्षा विभाग ने निलंबित अधिकारी हेमंत उपाध्याय को बहाल कर दिया है। राज्य शासन ने उन्हें लोक शिक्षण संचालनालय,रायपुर में उप संचालक के पद पर अस्थायी रूप से आगामी आदेश तक पदस्थ किया है। गौरतलब है कि शिक्षा मंत्री गजेन्द्र यादव के कार्यभार संभालने के बाद विभाग की पहली बड़ी बैठक 12 सितंबर को हुई थी। उसी बैठक में वित्तीय अनियमितताओं के आरोपों पर दुर्ग संभाग के तत्कालीन संयुक्त संचालक हेमंत उपाध्याय को निलंबित कर दिया गया था स्कूल शिक्षा विभाग द्वारा जारी आदेश में कहा गया है कि,हेमंत उपाध्याय (मूल पद उप संचालक), तत्कालीन प्रभारी संयुक्त संचालक,शिक्षा संभाग दुर्ग को छत्तीसगढ़ सिविल सेवा

(वर्गीकरण,नियंत्रण तथा अपील) नियम 1966 के तहत तत्काल प्रभाव से निलंबित किया गया था। तत्पश्चात 1 अक्टूबर 2025 को उनके विरुद्ध विभागीय अनुशासनिक कार्यवाही हेतु आरोप पत्र जारी किए गए थे। अब प्रशासकीय आवश्यकता के आधार पर हेमंत उपाध्याय को निलंबन से बहाल किया जाता है और उन्हें उप संचालक,लोक शिक्षण संचालनालय छत्तीसगढ़ के पद पर अस्थायी रूप से आगामी आदेश तक पदस्थ किया जाता है। साथ ही आदेश में यह भी उल्लेख है कि निलंबन अवधि का निराकरण विभागीय जांच के अंतिम निर्णय के बाद किया जाएगा।

छत्तीसगढ़ स्थापना दिवस पर शिक्षण संस्थानों में रहेगा अवकाश

रायपुर,24 अक्टूबर 2025। छत्तीसगढ़ सरकार ने राज्य स्थापना दिवस के अवसर पर 1 नवम्बर 2025 (शनिवार) को राज्य के सभी शैक्षणिक संस्थानों में स्थानीय / सामान्य अवकाश घोषित किया है। सामान्य प्रशासन विभाग,मंत्रालय (महानदी भवन, नवा रायपुर) द्वारा शुक्रवार को जारी आदेश में यह जानकारी दी गई है। आदेश के अनुसार,1 नवम्बर को शनिवार होने के कारण सभी शासकीय कार्यालयों व संस्थाओं में पहले से ही अवकाश रहेगा,इसलिए यह स्थानीय अवकाश केवल शैक्षणिक संस्थानों के लिए प्रभावशील होगा। वहीं,बैंक,कोषालय,उप-कोषालय एवं अन्य वित्तीय संस्थान इस आदेश के दायरे में नहीं आएंगे।

छत्तीसगढ़ के इस गांव में पादरियों और ईसाई धर्म प्रचारकों के प्रवेश पर बैन,ग्रामसभा में इसलिए लिया गया फैसला

जगदलपुर,24 अक्टूबर 2025। छत्तीसगढ़ में धर्मांतरण के मामले लगातार बढ़ रहे हैं। इससे लोग अब अलर्ट हो रहे हैं। इस बीच,धर्मांतरण के खिलाफ जगदलपुर जिले में एक गांव खड़ा गया है। जिले के सिड़मुर गांव में ग्रामसभा ने एक बड़ा निर्णय लिया है कि ग्रामीणों ने सर्वसम्मति से प्रस्ताव पारित कर बाहरी पादरियों और ईसाई धर्म प्रचारकों के गांव में प्रवेश पर पूर्ण प्रतिबंध लगा दिया है। ग्रामसभा में उपस्थित ग्रामीणों ने बताया कि पिछले कुछ वर्षों में गाँव में बाहरी लोगों की आमद बढ़ी है, जो लोगों को धर्म परिवर्तन के लिए प्रेरित कर रहे थे। इससे गाँव के सामाजिक ताने-बाने पर खतरा मंडराने लगा था। ग्रामीणों का कहना है कि बीते 10-12 वर्षों में गांव में ईसाई धर्मावलंबियों की संख्या धीरे-धीरे बढ़ी है,जिससे

पारंपरिक सौहार्द्र प्रभावित होने की आशंका पैदा हो गई थी। सिड़मुर पंचायत के लगभग 275 परिवार इस निर्णय के समर्थन में खड़े हैं। ग्राम प्रतिनिधियों का कहना है कि यह फैसला गाँव की एकता और सामाजिक शांति बनाए रखने के लिए जरूरी था। हालांकि,ग्रामसभा के इस निर्णय से गाँव में रह रहे ईसाई परिवारों के बीच भय और असमंजस का माहौल है। वे इस प्रस्ताव को लेकर चिंतित दिखाई दे रहे हैं। ग्रामवासियों ने बताया कि कुछ वर्ष पहले विवाह के बाद गाँव में आई कुछ महिलाएँ ईसाई धर्म से संबंध रखती थीं,जिन्हें समाज ने सहज रूप से स्वीकार किया था। लेकिन बाद में बाहरी प्रचारकों के आगमन और धर्म परिवर्तन की गतिविधियों से असंतोष बढ़ गया। इसी के चलते पंचायत ने सामूहिक रूप से यह निर्णय लिया कि अब कोई भी बाहरी व्यक्ति धार्मिक प्रचार या धर्मांतरण के उद्देश्य से गाँव में प्रवेश नहीं कर सकेगा।

प्रकाशक,मुद्रक,स्वामी अविनाश कुमार सिंह के द्वारा साई ऑफसेट प्रिंटर्स,नमनाकला,संत हरकेवल विद्यापीठ के पास,अम्बिकापुर से मुद्रित एवं प्रकाशित। संपादक-अविनाश कुमार सिंह* (पी.आर.बी.कानून के अनुसार संपूर्ण संपादकीय दायित्व के लिए जिम्मेदार)
RNI Reg.No.CHHHIN/2004/15050मो. 94062-23001,98265-32611,Email:ghatatighatana11@ gmail.com,Website:www.ghatatighatana.com, (सभी विवादों का न्याय क्षेत्र अम्बिकापुर न्यायालय मान्य होगा)